

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 21, 1976 (श्रावण 30, 1898)
No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 21, 1976 (SRAVANA 30, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1 PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जुलाई 1976

सं० पी०/556-प्रशा०-I-केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न अपर सचिव एवं परीक्षा नियंत्रक श्री एम० एम० टामस को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 23 जुलाई, 1976 के पूर्वार्द्ध से, आगामी आदेश तक आयोग के सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया गया है।

सं० पी०/1824-प्रशा०-I-कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के स्थापना अधिकारी के कार्यालय के आदेश सं० एफ० 19(5) ई० ओ०/76 (एस० एम०) दिनांक 21 जुलाई 1976 द्वारा पुनर्वासि विभाग में पुनर्वासि महानिदेशक के पद पर श्री ए० सी० बान्धोपाध्याय, भा० प्र० से० की नियुक्ति का अनुमोदन हो जाने के फलस्वरूप 23 जुलाई, 1976 के पूर्वार्द्ध से उन्हें संघ लोक सेवा आयोग में सचिव के पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और उसी तारीख से उनकी सेवाएं पुनर्वासि विभाग को सौंप दी गई हैं।

प्रभात नाथ मुखर्जी
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष
संघलोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जुलाई 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III-इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21-6-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 18-7-76 से 31-7-76 तक 14 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० ए० 31014/1/75-प्र०-III-केन्द्रीय सचिवालय सेवा सहायक ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को जो संघ लोक सेवा आयोग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यरत हैं तथा इस संवर्ग से संबद्ध अनुभाग अधिकारियों की चयन सूची में सम्मिलित हैं, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित तिथि से संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में मूल रूप से नियुक्त किया जाता है :-

क्रम सं०	नाम	स्थायीकरण की तिथि	विशेष
1.	श्री बी० बी० मुरमु	1-6-74	
2.	श्री आर० एम० शर्मा	1-7-74	

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

क्रम सं०	नाम	स्थापना की तिथि	विशेष
3.	श्री ए० के० पोद्दार	1-8-74	31-12-75 से सेवा-निवृत्त
4.	श्री पी० एल० माटा	14-7-74	
5.	श्री एस० बैनर्जी	7-11-74	
6.	श्री पद्मा लाल	7-11-74	
7.	श्री एन० रामानाथन	7-11-74	
8.	श्री एच० एम० बिसवास	7-11-74	
9.	श्री अजीत सिंह	28-11-74	
10.	श्री के० एम० भट्टाचार्य	1-4-75	31-12-75 से सेवा-निवृत्त
11.	श्री बी० के० भट्टाचार्य	1-5-75	
12.	श्री वाई० आर० गांधी	1-6-75	
13.	श्री वेद प्रकाश	16-9-75	
14.	श्री एस० के० मिश्रा	1-10-75	

प्रभात नाथ मुखर्जी
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 जून 1976

सं० ए०-24/5/75—निम्नलिखित प्रवर्तन अधिकारी, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर उनके द्वारा अपने-अपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं।

उनके नियुक्ति के स्थान और तारीख उनके प्रत्येक के नाम के सामने दी गई है :—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति का स्थान	कार्यभार ग्रहण की तारीख
1.	श्री एच० सी० गुलाटी	मुख्यालय	2-6-76 (अपराह्न)
2.	श्री टी० एम० बी० चारी	कलकत्ता	20-5-76
3.	श्री एन० के० रॉय	त्रिवेन्द्रम	27-5-76

एस० बी० जैन, निदेशक

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 जुलाई 1976

सं० 5/24/73-प्रशासन-1—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक निदेशक, पुलिस अधीक्षकों को दिनांक 1-4-76 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में मूल रूप से पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं :—

सर्व श्री

1. बी० बी० उपाध्याय, सहायक निदेशक,
2. रामेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक,
3. के० माधवन, पुलिस अधीक्षक,
4. शान्तनु सेन, पुलिस अधीक्षक।

सं० 1/5(16)/73-प्रशासन-1—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से उत्तर प्रदेश से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक श्री हरबंस सिंह दिनांक 1-4-76 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थाई समाह्वति पर मूल रूप से पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1976

सं० 2/10/76-प्रशासन—छुट्टी से लौटने पर, श्री रविन्द्र नाथ, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के अनुसंधान अधिकारी ने 12 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक आयोग में अनुभाग अधिकारी का पद ग्रहण किया।

दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० 2/38/76-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री के० एस० वेङ्कटाचलम, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई निजी सहायक को आयोग में 13 जुलाई, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ निजी सहायक नियुक्त करते हैं :

चन्द्रामणी नारायणास्वामी
उप सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० ओ०-II-33/76-स्थापना—राष्ट्रपति श्री एन० एस० वासुदेवन, करनाटका संवर्ग, के भारतीय पुलिस सेवा अधिका-
कारी को केन्द्रीय रिजर्व दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप-
महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री वासुदेवन ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उपमहा-
निरीक्षक नीमच के पद का कार्यभार 12 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से संभाला।

सं० ओ०-II-31/76-स्थापना—राष्ट्रपति श्री आर० के० त्रिवेदी, पश्चिम बंगाल संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप-
महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री त्रिवेदी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप महा-
निरीक्षक, कलकत्ता के पद का कार्यभार 7 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से संभाला।

दिनांक 26 जुलाई 1976

सं० O. II-1033/75-स्थापना-1—डाक्टर श्रीमती श्यामा
रैना कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी बंस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व
पुलिस दल नई दिल्ली की सेवाएं 10-5-76 पूर्वाह्न से समाप्त
की जाती हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक प्रशासन

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 26 जुलाई 1976

सं० ई०-38013(3)/12/76 प्रशा०-II—महा-
निरीक्षक का कार्यालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई
दिल्ली से, स्थानान्तरित होने पर, श्री मन मोहन थापर ने
दिनांक 14 जून 76 के अपराह्न से उप-महानिरीक्षक के कार्यालय,
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र, में
सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी) के पद का कार्य-
भार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

ली० सि० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जुलाई 1976

सं० 2/1/75 य० १० (प्रशा० एक)—राष्ट्रपति, निम्न-
लिखित अधिकारियों को उनके समक्षस्थित कार्यालयों में 12
जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक पूर्णतः अस्थायी

क्षमता में उप निदेशक जनगणना कार्य के पदों पर सहर्ष नियुक्त
करते हैं:—

क्र० सं०	नाम और पदनाम	वह कार्यालय जिसमें उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियुक्त किया गया	मुख्यालय
1	2	3	4
1.	श्री तीरथ दास, सहायक केन्द्रीय सारणी- करण अधिकारी।	निदेशक, जनगणना कार्य, मध्य प्रदेश।	भोपाल
2.	श्री एन० राम राव, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य, (तकनीकी)।	निदेशक, जनगणना कार्य, महाराष्ट्र।	बम्बई
3.	श्री जे० सी० कालरा, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी)।	निदेशक, जनगणना कार्य, बिहार।	पटना
4.	श्री एस० आर० लुहाडिया, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी)।	निदेशक, जनगणना कार्य, मध्य प्रदेश।	भोपाल

बद्री नाथ
भारत के उप महापंजीकार और
पदेन उप-सचिव

राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद, दिनांक 22 जुलाई 1976

सं० 41/6/76-स्थापना—मध्य प्रदेश पुलिस सेवा संवर्ग
के श्री पी० डी० मालविया, आई० पी० एस० (1957)
ने सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद,
में दिनांक 15 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से उपनिदेशक (प्रशा-
सन) का कार्यभार ग्रहण किया।

एस० एम० डायज,
निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 जुलाई 1976

सं० प्रशा०-I/कार्या, आदेश 371/पी०एफ०/एन० मुखर्जी/
1175—एफ० आर० 56 (के०) के अन्तर्गत इस कार्यालय को
दिए गए उनके नोटिस के अनुसरण में और इसकी अवधि समाप्ति
पर श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के
स्थानापन्न लेखा अधिकारी श्री एन० मुखर्जी को दिनांक 12-7-
76 (पूर्वाह्न) सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति
प्रदान करते हैं।

उनकी जन्म तिथि 1-8-1924 है।

एच० एस० दुग्गल
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22 दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० 40011(2)/76-प्रशा०-ए०--(1) वार्धक्य की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अफराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा ।

क्रम सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	बशेश्वर नाथ भगो (पी०/317)	अस्थायी लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रण (निधि) मेरठ ।
2.	जे० एन० शाहा (पी०/406)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
3.	एस० एम० राज पाठक (पी०/438)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना ।
4.	पी० आर० घोष दस्तीदार (पी०/467)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
5.	के० बी० एल० नरसिंह चारलू (पी०/533)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद ।
6.	बी० जी० मजुमदार (पी०/551)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली ।
7.	प्रवीर चन्द्र घोष (पी०/572)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
8.	गोर्कल श्रीनिवास मूर्ति (पी०/597)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना ।
9.	अजित कुमार सेन (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-76	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
10.	बी० के० कोल्हटकर (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना ।

(2) (क) इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा०-ए० दिनांक 27-4-76 में क्रम सं० 1-श्री राजगोपालन स्थायी लेखा अधिकारी के सामने खाना-5, "संगठन" के अन्तर्गत निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं :—

रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना के स्थान पर रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास, पठें ।

(ख) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए० दिनांक 27-4-76 के पैरा (1) में उप पैरा के रूप में जोड़ा जाता है ।

“श्री एस० राजगोपालन, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 15-6-76 से 31-7-76 तक 47 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी मंजूर की गई है।

(3) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा०-ए० दिनांक 5-4-76 के पैरा (1) में उप पैरा के रूप में जोड़ा जाता है।

“(iii) श्री आन चन्द, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 2-6-76 से 30-6-76 तक 29 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।”

(4) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75 प्रशा०-ए० दिनांक 5-5-76 के पैरा (1) के उप पैरा के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री सुब्बारायडू, स्थायी लेखा अधिकारी को निम्नलिखित प्रकार से छुट्टी मंजूर की गई है।

(i) 8-7-75 से 23-7-75 तक 16 दिन की अर्जित छुट्टी।

(ii) 24-7-75 से 7-10-75 तक 76 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी।

(iii) 8-10-75 से 31-12-75 तक 85 दिन की असाधारण, बिना वेतन एवं भत्ता छुट्टी।

(5) इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए० दिनांक 25-3-75 के पैरा (2) में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं।

श्री के० बी० के० नायर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 8-4-75 से 30-4-75 तक अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है, के स्थान पर—

श्री के० बी० के० नायर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को निम्न प्रकार से छुट्टी मंजूर की गई है :—

(i) 13-3-75 से 2-4-75 तक 21 दिन की अर्जित छुट्टी।

(ii) 3-4-75 से 11-4-75 तक 9 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी।

(iii) 12-4-75 से 30-4-75 तक 19 दिन की, चिकित्सा प्रमाण-पत्र द्वारा आवृत्त असाधारण, बिना वेतन एवं भत्ता छुट्टी।

एस० के० सुन्दरम
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700069, दिनांक 22 जुलाई 1976

सं० 76/एम०—राष्ट्रपति के आदेशानुसार सी० एस० आर० धारा 459 बालूयम I शर्त एच० एवं रक्षा मंत्रालय पत्र सं० 5 (5)/74/श्री० एस०-1/डी० (फै०-II) दिनांक 9-7-76 के अन्तर्गत डा० (महिला) लीला एस० चांडा अस्थायी सहायक सर्जन ग्रेड-I (स्थायी सहायक सर्जन ग्रेड-II) आर्डनेन्स फैक्टरी कानपुर दिनांक 4 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) को सेवा पूर्ण पूर्ण सेवा निवृत्त हुए।

डा० एस० भट्टाचार्य
महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

दशाए गए तथा बाद में और क्रम संख्या 58 से 98 तक दशाए गए स्थायी सहायकों जोड़ दें।

दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० 52/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एस० बी० दीधे, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 मार्च, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 53/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एस० देब, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन), दिनांक 30 अप्रैल, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिन्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

शुद्धि पत्र

कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० 51/76/जी०—भारत के राजपत्र दिनांक 20 मार्च 1976 के भाग III खण्ड 1 में प्रकाशित इस महानिदेशालय की दिनांक 13 फरवरी 1976 की अधिसूचना सं० 13/76/जी० में ‘स्थानापन्न अधीक्षकों’ के पहले ‘क्रम संख्या 1 से 57 तक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 26 जुलाई 1976

सं० 18(1)/73-76/सी० एल० बी०-II—कृत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खंड 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार

की पूर्ण स्वीकृति से तथा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 18(1) 73-सी० एल० बी० II/ए० दिनांक 7 सितम्बर 1974 को अधिकृत करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त के मुख्यालय तथा प्रादेशिक कार्यालयों के सभी अधिकारियों को सहायक निदेशक या सहायक प्रवर्तन अधिकारी की श्रेणी से नीचे के न हों, तथा तकनीकी अन्वेषकों तथा प्रवर्तन निरीक्षकों को, उक्त आदेश के खण्ड 10 के अन्तर्गत वस्त्र आयुक्त की शक्तियों का मेरी ओर से प्रयोग करने का अधिकार देता हूँ।

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1976

सं० प्र०-6/247(183)—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन जमशेदपुर निरीक्षणालय में स्थानापन्न उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) श्री ए०के० घोष दिनांक 30-6-76 (अपराह्न) में निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ए०-17011/103/76-ए-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान उत्तरी निरीक्षण मंडल में भंडार परीक्षक श्री आर० के० राजोरा को निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में 26 मई, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-17011/104/76-ए-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री के० एल० निर्वाण को दिनांक 12 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-I)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० प्र०-1/2(440)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक श्री जी० डी० राव को दिनांक 3-7-76 (पूर्वाह्न) से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियमित रूप से नियुक्त करते हैं। उनकी यह नियुक्ति श्री बी० पदमन सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के स्थान पर की गई है जो 30-4-76 से सेवामुक्त हो गए।

श्री राय दिनांक 3-7-76 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

हस्तात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० 50/66(एस० एन० एस०)/19-बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एस० एन० श्रीवास्तवा ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बास के पद का कार्यभार, स्थानापन्न क्षमता में, 26 जून, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

सं० 2222 (आई० पी०)/19-ए०—श्री इन्द्र प्रकाश को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के आरम्भ वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 19 जून, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (के० के० आर०)/19-ए०—श्री के० के० रस्तोगी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक के रूप में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 3 जून, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (सी० वी० के०)/19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री एच० बी० कोण्डाप्पा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 26-3-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन, महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० स्था०-1-5114/1117-एल० पी० आर०—भारत के महासर्वेक्षक, श्री एच० वनर्जी, स्थापना एवं सूखा अधिकारी (स्थानापन्न) मानचित्र प्रकाशन निदेशालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून, को सेवाकाल की अवधि के समाप्त होने पर दिनांक 30 जून, 1976 अपराह्न से सरकारी सेवा से सहर्ष निवृत्त करते हैं।

डी० पी० गुप्ता
मेजर इंजीनियर्स,
सहायक महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1976

सं० का० 11/2-3 (ए०)/75-ए०-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, अभिलेख-निदेशक, भारत सरकार इसके द्वारा कैलाश विहारी को दिनांक 19 जुलाई, 1976 से आगामी आदेश पर्यन्त नियमित अस्थायी आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) (द्वितीय वर्ग राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

सं० कां० 11/2-3 (ए०)/75-ए०-1--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, अभिलेख-निदेशक, भारत सरकार इसके द्वार श्री पी० एम० एम० मोईदीन को दिनांक 19 जुलाई, 1976 से आगामी आदेश पर्यन्त नियमित अस्थायी आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामन्य) (द्वितीय वर्ग राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

श्री नन्दन प्रसाद, अभिलेखनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1976

सं० 10/118/75-स्टाफ-तीन--महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा को 15-3-1976 (पूर्वाह्न) से दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर में सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1976

सं० ए०-20026/1/76-स्टाफ पांच--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री आर० के० त्रिखा, स्थायी प्रशासनिक अधिकारी (कनिष्ठ ग्रेड) आकाशवाणी, नई दिल्ली को, जो इस समय आकाशवाणी, नई दिल्ली में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (तदर्थ) के पद पर कार्य कर रहे हैं, श्री डी० एस० नागरसेकर, लेखा निरीक्षक, जिनकी छुट्टी मंजूर कर ली गई है, के स्थान पर, 25-5-76 से 9-7-76 तक तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

एम० एल० टंडन
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1976

सं० 5(99)/61-स्टाफ-एक--श्री बी० कृष्णामूर्ति, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, मद्रास वार्धक्य आयु प्राप्त होने पर 30 जून, 1976 अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

सं० 4(28)/65-स्टाफ-एक--अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त करने के दण्ड स्वरूप, श्री सैयद फरहात हुसैन, कार्यक्रम निष्पादक, दूर दर्शन केन्द्र, श्रीनगर 24 अप्रैल, 1976 से सेवा निवृत्त हो गए।

प्रेम कुमार सिन्हा
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म समारोह निदेशालय)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० 1/33/76 एफ० एफ० डी०--यह सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय फिल्म समारोह नियमावली 1976 के नियम 9 के अन्तर्गत (फिल्म समारोह निदेशालय की संकल्प संख्या 1/69/75 एफ० एफ० डी० दिनांक 15 मार्च 1976 द्वारा प्रकाशित) केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय जूरी के अनुशंसा पर निम्नांकित फिल्मों; निर्माताओं, निर्देशकों, कलाकारों एवं तकनीकियों को पुरस्कार देने का निश्चय किया है :--

क्रम सं०	फिल्म का नाम एवं भाषा	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार
1	2	3	4

कथा चित्र

1. राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार

निर्माता

1. चोमना हूदी (कन्नड़) . श्री अशोक कुमार सुवर्णा महल काटापाडी, स्वर्ण कमल एवं 40,000 (चालीस हजार) रुपए लिटीपी (कर्नाटक)। नकद।

निर्देशक

श्री बी० बी० कारस्थ 47, 20वां क्रॉस, VI ब्लॉक रजत कमल एवं 15,000 (पन्द्रह हजार) रुपए जयनगर (बैंगलूर)। नकद।

1	2	3	4
2.	द्वितीय राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा चित्र के लिए पुरस्कार	निर्माता	
	मौसम (हिन्दी)	श्री पी० मलिकार्जुन राव सुनंदिनी पिक्चर्स 5 सनबीभ पेडर रोड, बम्बई-400026।	रजत कमल एवं 15000 (पन्द्रह हजार) रुपए नकद।
		निर्देशक	
		श्री गुलजार 91, कोजी होम हाऊसिंग सोसायटी, 251, पाली हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई- 400050।	रजत कमल एवं 10000 (दस हजार) रुपए नकद।
3.	प्रभावशाली, पूर्ण मनोरंजन और कलात्मक सौंदर्य वाले कथा चित्र के लिए विशेष पुरस्कार :	निर्माता	
	तपस्या (हिन्दी)	मेसर्स राज श्री प्रोडक्शन्स प्राईवेट लि० स्वर्ण कमल। 'भावना' पहली मंजिल 422, सावरकर रोड, प्रभा देवी बम्बई-400025।	
		निर्देशक	
		श्री अनिल गांगुली प्लैट संख्या 9-ए संजय कोओपरेटिव सोसायटी, सावरकर मार्ग, बम्बई-400025।	रजत कमल।
4.	निर्देशन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार		
	जन श्ररण्य (बंगला)	श्री सत्यजीत रे 1/1 विशप लेफ़य रोड, कलकत्ता-700020।	रजत कमल एवं 20000 (बीस हजार) रुपए का नकद पुरस्कार।
5.	सिनेमाटोग्राफी (साधी) में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार		
	अपूर्व रागंगल (तमिल)	श्री बी० एस० लोक नाथ 12 रेवती स्ट्रीट बडापालानी मद्रास-600027	रजत कमल एवं 5000 (पांच हजार) रुपए का नकद पुरस्कार।
6.	सिनेमाटोग्राफी (रंगीन) में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार		
	मुथ्यला मुग्गु (तेलुगु)	श्री ईशान आर्य 51, विथल नगर जुहू, बम्बई-400056।	रजत कमल एवं 5000 (पांच हजार) रुपए का नकद पुरस्कार।
7.	वर्ष का सर्वोत्तम अभिनेता पुरस्कार 1976		
	बोमना दूवी (कन्नड़)	श्री एम० भी० वासुदेव राव कला सम्पदा 21, आर० भी० रोड, बैंगलौर।	रजत कमल एवं 10000 (दस हजार) रुपए का नकद पुरस्कार।
8.	वर्ष का सर्वोत्तम अभिनेत्री पुरस्कार		
	मौसम (हिन्दी)	श्रीमती शर्मिला टैगोर 8बी-रश्मि कारमाइकेल रोड, बम्बई-400026।	रजत कमल एवं 10000 (दस हजार) रुपए नकद।
9.	वर्ष का सर्वोत्तम पार्श्व गायक पुरस्कार		
	हम्सा गीते (कन्नड़)	श्री एम० बालमुरली कृष्ण एडवर्ड एलियेट्स रोड, मद्रास।	रजत कमल।
10.	वर्ष का सर्वोत्तम पार्श्वगायिका पुरस्कार		
	अपूर्व रागंगल (तमिल)	श्रीमती वानि जयराम 8, गोकुलम बिल्डिंग टी० नगर मद्रास-600017।	रजत कमल।
11.	वर्ष का सर्वोत्तम संगीत-निर्देशक पुरस्कार :		
	चमेली मेमसाब (असमिया)	डा० भूपेन हजारिका निजोरपर गौहाटी-31	रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए नकद।

1	2	3	4
12.	वर्ष का सर्वोत्तम कहानी पुरस्कार		
	चोमना दूदी (कन्नड़)	डा० के० शिवराम कारन्थ शालिग्रामा रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए (कर्नाटक) । नकद ।	
	II. प्रादेशिक पुरस्कार		
13.	प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार		
	निर्माता		
	घमेली भेमसाव (असमिया)	मे० सिउज बोलेछवि मंथा शिवसागर (आसाम) रजत कमल 10,000 (दस हजार) रुपए नकद । निर्देशक	
	श्री अलदुल मजीद श्रोल्ड बालीहूत जोरहट-2 रजत कमल एवं 5000 (पांच हजार) रुपए (आसाम) । नकद ।		
	निर्माता		
14.	पालंक (बंगला)	मे० फिल्माट्टेम्, कलकत्ता 13-बी बोम्पास रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए रोड, कलकत्ता-700029 । नकद । निर्देशक	
	श्री राजेन तरफदार 13-बी बोम्पास रोड, रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए कलकत्ता-700029 । नकद ।		
	निर्माता		
15.	निशान्त (हिन्दी)	1. कु० फ्रेनी० एम० वरियावा ब्लेज फिल्म एन्टर प्राईज (प्रा०) लि० लालजी नारन जी मेमोरियल बिल्डिंग, चर्च गेट, बम्बई-400020 ।	
	2. श्री मोहन जे० विजलानी, ब्लेज फिल्म एन्टर प्राईज (प्रा०) लि० लालजी नारन जी मेमोरियल बिल्डिंग, चर्च गेट, बम्बई-400020 ।	रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए नकद ।	
	निर्देशक		
	श्री श्याम बेनेगल संगम पेडर रोड, बम्बई-400026 ।	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद ।	
	निर्माता		
16.	हम्सा गीते (कन्नड़)	मे० अनन्त लक्ष्मी फिल्म 2, पटेल स्ट्रीट, मद्रास-600024 ।	रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए नकद ।
	निर्देशक		
	श्री जी० भी० अय्यर 2, पटेल स्ट्रीट मद्रास-600024 ।	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद ।	
	निर्माता		
17.	सामना (मराठी)	श्री रामदाम फुटाने गिरिराज पिक्चर्स, मार्फत रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए आर० चण्द्रकान्त एण्ड कम्पनी 24, फतसबडी नकद । बम्बई-400002 ।	
	निर्देशक		
	डा० जम्बार पटेल डाउनडू, पूना	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद ।	
	निर्माता		

1	2	3	4
		निर्माता	
18. स्वप्नावतनम (मलयालम)	श्री टी० मोहम्मद बापू 32, कंधारिया महल एल० बी० एस० मार्ग कुर्ला, बम्बई- 400070।	रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए नकद।	
		निर्देशक	
	श्री के० जी० जार्ज 18, भेंकटेश्वर लेन पेरियार पथाई मद्रास।	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद।	
		निर्माता	
19. अपूर्व रागंगल (तमिल)	1. श्रीमती डी० जयलक्ष्मी, 16 इस्ट अभिराम- पूर थर्ड स्ट्रीट, मद्रास-600004। 2. श्रीमती विजयलक्ष्मी जी 5, अभिरामपूर फर्स्ट स्ट्रीट, मद्रास-600004।	रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए नकद।	
		निर्देशक	
	श्री के० बालचन्द्र 12, वारेन रोड, मद्रास 600004।	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद।	
		निर्माता	
20. मुथ्यला मुगू (तेलुगू)	श्री एम० भी० ले० नरसिंह राव 6-ए०, एच० डी० राजा स्ट्रीट, मद्रास-600018।	रजत कमल एवं 10,000 (दस हजार) रुपए नकद।	
		निर्देशक	
	श्री बापू 40, चमियर्स रोड, मद्रास-600018।	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद।	
		III. लघु चित्र	
21. सर्वोत्तम सूचना चित्र (वृत्त चित्र)		निर्माता एवं निर्देशक	
विंग्ड वन्डरलैन्ड (अंग्रेजी)	श्री शान्ति वर्मा फिल्मस प्रभाग 24 फेडर रोड, बम्बई-400026।	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद।	
		निर्माता	
22. सर्वोत्तम शैक्षणिक चित्र इन्ड्यूस्ड ब्रीडींग (अंग्रेजी)	श्री के० के० कपिल, फिल्मस प्रभाग 11, वन्डना टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद।	
		निर्देशक	
	श्री सूरज जोशी, फिल्मस प्रभाग 11, वन्डना टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।	रजत कमल एवं 4,000 (चार हजार) रुपए नकद।	
23. सर्वोत्तम सामाजिक फिल्म निर्माता		निर्माता एवं निर्देशक	
बस्टर-रिड्म ऑफ प्रोसेस (अंग्रेजी)	श्री चन्द्रशेखर नायर फिल्मस प्रभाग 24 फेडर रोड, बम्बई-400026।	रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए नकद।	

1	2	3	4
24. सर्वोत्तम व्यवसाय प्रेरक फिल्म (विज्ञापन)	निर्माता जेनिथ ग्रीफ इंडिया (अंग्रेजी) मे० फिल्म मीडिया 47 लक्ष्मी इन्स्योरेन्स रजत कमल । बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड, बम्बई- 400001 । निर्देशक श्री ज्योति जी० ठाकुर फिल्म मीडिया 47, रजत कमल । लक्ष्मी इन्स्योरेन्स बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड, बम्बई-400001 ।		
25. सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अध्यवसायिक)	निर्माता एवं निर्देशक पोयमस इन पैटर्न (अंग्रेजी) श्री रनबीर रे फिल्मस प्रभाग, 24 पेडर रोड, रजत कमल । बम्बई-400026 ।		
26. सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म	निर्माता अवशेष (हिन्दी) निर्देशक भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए लॉ कालेज रोड, पूना । नकद । निर्देशक श्री के० जी० गिरीश 884, 13-एच० रोड रजत कमल एवं 4,000 (चार हजार) रुपए आर० सी० चर्च के सामने, सिमागा नकद । (कर्नाटक) ।		
27. सर्वोत्तम कार्टून फिल्म	निर्माता ब्रिजनेश दज पीपुल (अंग्रेजी) मे० अक्षर फिल्मस मार्फत फिल्मस प्रभाग 24 रजत कमल एवं 5,000 (पांच हजार) रुपए पेडर रोड, बम्बई-400026 । नकद । निर्देशक श्री कास्तिलाल राठौड़ मार्फत फिल्मस प्रभाग रजत कमल एवं 4,000 (चार हजार) रुपए 24 पेडर रोड, बम्बई-400026 । नकद ।		
28. सर्वोत्तम समाचार चित्र	निर्माता भारतीय समाचार चित्र श्री एन० बी० के० मूर्ति (फिल्मस प्रभाग, भारत रजत कमल । 1399 के लिए) ।		
29. सर्वोत्तम ग्युजरील कैमरामैन	कैमरामैन फ्लड हैबोक्स (आई० एन० श्री ए० एस० अग्निहोत्री श्री अविनाशी राम रजत कमल । आर० 1399) । श्री ए० आर० शरीफ । IV. दादा साहेब फालके पुरस्कार श्री धीरेन गांगुली 36/6 वजरंग चटर्जी रोड, स्वर्ण कमल, शाल एवं 20,000 (बीस हजार) कलकत्ता-600034 । रुपए नकद ।		

आनन्द कुमार वर्मा,
निर्देशक (फिल्मस),
फिल्म समारोह निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1976

सं० ए०-22013/5/76-सी० एच० एस०-1—पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता, को अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के एक अधिकारी डा० जी० सी० बनर्जी ने 26 मई, 1976 के पूर्वाह्न को राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान, बंगलीर में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 29 जुलाई 1976

सं० ए०-22013/10/76-सी० एच० एस०-1—अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड 2 की एक अधिकारी डा० (श्रीमती) आर० के० मट्टा 15-5-76 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कानपुर में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 22-5-76 के पूर्वाह्न को सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली, में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

पी० एल० जोशी,
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1976

सं० 30-4/74-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० बी० एम० वाडिखे को 2 मार्च, 1971 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 29 जुलाई 1976

सं० 21-6(1)/75-सी० जी० एच० एस०-1—अपना हस्तीका मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० एस० बी० वेपा, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) ने 30-9-75 को कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, के० स० स्वा० योजना, बम्बई, के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राजकुमार जिन्दल,
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय,

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० फा० 4-5 (72)/75 प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जी० रामकृष्णन को विपणन और निरीक्षण निदेशालय मद्रास में दिनांक 21 जून, 1976 से अगले

आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द०-रो०-40-1200 के वेतनमान में विपणन विकास अधिकारी (शतिसंग्रह-प्रशिक्षित) नियुक्त किया गया है।

रामाधार,
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 9 जून 1976

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (40)/76-प्रशासन-6976-1165—विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, प्रभाग के अस्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री के० बी० मैथ्यू को 24 मई, 1976 के पूर्वाह्न से 9 जुलाई, 1976 के अपराह्न तक श्री एम० एम० मैथ्यू सुरक्षा अधिकारी; जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० जे० भाटिया,
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजली घर

थाना, दिनांक 12 जुलाई 1976

सं० टी. ए० पी० एस०/प्रशासन/735-ए०—सर्वश्री पी० गणपति, स्थायी वैयक्तिक सहायक तथा बी० के० पी० पिल्ले, स्थायी वैयक्तिक सहायक को, जो कि तारापुर परमाणु बिजलीघर में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कामिक अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, उनकी तदर्थ आधार पर हुई नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से वैयक्तिक सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

के० बी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० डी० पी० एस० /ए०/32011/2/76/स्थापना—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ट्राम्बे स्थित केन्द्रीय भंडार यूनिट के स्थायी भंडारी श्री मुल्यप्पुरथ राजू को 19 जून, 1976 के पूर्वाह्न से 14 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न तक, अथवा उस पर किसी व्यक्ति की नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, उसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/76-स्थापना—
परमाणु ऊर्जा विभाग के त्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक,
केन्द्रीय भंडार यूनिट (परियोजना), ट्राम्वे के स्थायी भंडारी
श्री मिहिर चन्द्र राय को 17 मार्च, 1976 से 14 जुलाई
1976 तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-
40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में श्री बी०
पी० के० नम्बियार, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें त्रय
अधिकारी नियुक्त किया गया है, के स्थान पर तदर्थ आधार पर
स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/76-स्थापना—
परमाणु ऊर्जा विभाग के त्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक,
केन्द्रीय भंडार यूनिट, ट्राम्वे के अस्थायी भंडारी श्री ए० एच०
बागवे को 10 मई, 1976 से 19 जून, 1976 तक 650-30-
740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-
40-1200 रुपए के वेतनमान में श्री ए० एस० नायर,
सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है,
के स्थान पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार
अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/76-स्थापना—
परमाणु ऊर्जा विभाग के त्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक,
केन्द्रीय भंडार यूनिट, ट्राम्वे के अस्थायी भंडारी श्री वी० बाई०
गोखले को 10 मई, 1976 से 25 जून, 1976 तक 650-
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-
40-1200 रुपए के वेतनमान में श्री टी० आर० एस० थम्पी,
सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान
पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी
नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० आर० आर० सी०-II-1 (26)/72-8845—रिएक्टर
अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के निम्नलिखित
अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के नाम के सामने लिखे पद
पर उसके आगे लिखी अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त
करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	पद, जिस पर नियुक्ति की गई है	अवधि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री आर० राजमणि	लेखा अधिकारी-	25-5-76
			से
	स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक	II	26-6-76
	तथा स्थानापन्न सहायक	(अपराह्न)	
	लेखा अधिकारी।	तक।	

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	श्री के० एम० वेत्तुधन	सहायक लेखा	7-5-76
	स्थानापन्न सहायक लेखा-	अधिकारी।	से
	कार।		26-6-76
			(अपराह्न)
			तक।
3.	श्री के० नारायण मूर्ति	सहायक लेखा	25-5-76
	स्थानापन्न सहायक लेखा-	अधिकारी।	से
	कार।		26-6-76
			(अपराह्न)
			तक।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन-अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० 10/3(43)/73-सि० इ० प्र० (एच०)—कार्यालय
महालेखापाल, कर्नाटक, बंगलौर को प्रत्यावर्तन होने पर, श्री
एस० रामानाथन ने अन्तरिक्ष विभाग, बंगलौर के सिविल इंजी-
नियरी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार
दिनांक 21 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से छोड़ दिया है।

पी० आई० यू० नम्बियार,
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० ई० (1) 04262—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक,
प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम केन्द्र गोहाटी
में व्यावसायिक सहायक श्री बी० बी० राय को 1-7-76
के पूर्वाह्न से 27-9-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए
स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते
हैं।

श्री बी० बी० राय, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक,
प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के अधीन मौसम केन्द्र गोहाटी
में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04285—वेधशालाओं के महानिदेशक,
वेधशालाओं के उप-निदेशक (जलवायु व भू-भौतिकी), पूना के
कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० बी० परमेश्वरन
को, जिन्हें इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई० (1) 04285,
दिनांक 5-7-76 द्वारा 24-7-76 तक के लिए स्थानापन्न

सहायक मौसम विज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था, 25-7-76 के पूर्वार्द्ध से आगे 10-9-76 तक 48 दिन की और अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री परमेश्वरन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु व भू-भौतिकी), पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 23 जुलाई 1976

सं० 1/409/76-स्था० —विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री आर० आर० नालकूर को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 19-4-76 से 6-5-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलय,

वडोदा, दिनांक 23 जून 1976

सं० 5/76—श्री के० एस० पेशीमाम, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग-II छुट्टी रिजर्व, अहमदाबाद मण्डल II, दिनांक 30-6-1976 की अपराल्ल में निवर्तन पेंशन पर निवृत्त हो जायेंगे

एच० आर० सिएम,
समाहर्ता,

निरीक्षण निदेशालय,

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1976

सं० 576—श्री एन० सी० चक्रवर्ती ने, जो पहले समाहर्तलय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पश्चिमी बंगाल कलकत्ता, में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप बी०, के रूप में काम कर रहे थे, इस निदेशालय के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक एकक, में दिनांक 12-7-76 (पूर्वार्द्ध) से निरीक्षण अधिकारी, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी -II (ग्रुप बी०) का कार्यभार संभाल लिया है।

सु० वेंकटरामन,
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22 दिनांक 22 जुलाई 1976

सं० क० 19012/578/76-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री डी० एस० मदान, व्यावसायिक सहायक (जल-मौसम-विज्ञान) को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक (जल-मौसम-विज्ञान) के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में 11 जून, 1976 के पूर्वार्द्ध से जब तक आगे आदेश नहीं होते, पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री डी० एस० मदान ने केन्द्रीय जल आयोग में उपर्युक्त तारीख तथा समय से अतिरिक्त सहायक निदेशक (जल-मौसम-विज्ञान) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० क० 19012/435/74-प्रशा० 5 —अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री डी० एन० बोदके, अतिरिक्त सहायक निदेशक (नौवहन), केन्द्रीय जल आयोग का त्यागपत्र दिनांक 27 जुलाई, 1976 (पूर्वार्द्ध) से स्वीकार करते हैं।

जसवंत सिंह,
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1976

सं० 26/2/76-ई० सी० 9 —इस विभाग के श्री करन सिंह, सहायक उद्यान निदेशक वादर्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 31-7-76 (अपराल्ल) को सरकारी सेवा से निवृत्त होंगे।

श्री० पी० सी० वर्मा,
प्रशासन उप-निदेशक

रेल मंत्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० ई० II/ई० एस०/सी० एक० एम०/सिविल —श्री एम० डब्ल्यू० वेसाई, स्थानापन्न उप निदेशक, अनुसंधान पुल और बाड़, अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन को सहायक निदेशक मानक/पुल और संरचना के पद पर दि० 1-8-75 से वरिष्ठ वेतनमान में सहायक निदेशक के रूप में स्थायी किया जाता है।

गोपीनाथ भट्टाचार्य,
महानिदेशक

मध्य रेल

बम्बई बी० टी०, दिनांक 24 जुलाई, 1976

सं० एच० पी० बी० /220/जी० / दो / एल० —
निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक विद्युत् इंजीनियर (श्रेणी 2)
को उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में
स्थायी किया जाता है :—

नाम	श्रेणी दो की सेवा में स्थायी- करण की तारीख
श्री बी० आर० लेले	25-3-1976

अमृत लाल गुप्त
महाप्रबंधक

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय
(पूर्ति विभाग)
(राष्ट्रीय परीक्षण गृह)

कलकत्ता-27 दिनांक 24 जुलाई, 1976

सं० जी० 65/बी० (कान) —निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण
गृह, कलकत्ता ने उसी कार्यालय के वैज्ञानिक सहायक (यांत्रिक)
श्री डी० एस० मजुमदार को 19 जुलाई, पूर्वाह्न से अन्य आदेशों
तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (यांत्रिक)
के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सुजीत कुमार चट्टोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)
कृते निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सुगन्ध कमल चिट
फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 17 जुलाई, 1976

सं० सांख्यिकी/1234—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा
560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी
जाती है कि मैसर्स सुगन्ध कमल चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का
नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विघटित हो गई है।

राम दयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बंगलौर टूरिस्ट प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई, 1976

सं० 1400/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान
पर बंगलौर टूरिस्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालाश्री अग्रिकल्चरल,
इण्डस्ट्रियल और हौसिंग कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय
में।

बंगलौर, दिनांक 19 जुलाई, 1976

सं० 2188/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
अवसान पर बालाश्री अग्रिकल्चरल, इण्डस्ट्रियल और हौसिंग
कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित
न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विघटित कर दी जाएगी।

एम० एन० गुहा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और त्यागी इंडस्ट्रीस लिमिटेड
(इन लिक्विडेशन) के विषय में।

मद्रास-600006, दिनांक 24 जुलाई, 1976

सं० 3604/लिकु०/एम० 560(5)/76 —कम्पनी
अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु-
सरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि त्यागी इंडस्ट्रीस
लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट
दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का उप रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 के अन्तर्गत
और सत्यनारायण रामचन्द्र प्राईवेट लिमिटेड, कानपुर के सम्बन्ध
में।

कानपुर, दिनांक 26 फरवरी, 1976

नोटिस

सं० 8153/2608-लिक्विडेशन —व हुक्म हाई कोर्ट
इलाहाबाद दिनांक 1-5-1975 जो कि कम्पनी पिटीशन नम्बर,
21 वर्ष 1973 के अनुसार हुआ है :

सत्यनाराण रामचन्द्र प्राईवेट लिमिटेड कानपुर के कार्यों को बन्द किया जाता है उसके कार्यों की देखभाल अफिसियल लिक्विडेटर इलाहाबाद को सौंप दिया गया है।

एस० नारायणन
रजिस्टार आफ कम्पनी
उत्तर प्रदेश

कार्यालय, आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० एफ० 48 ए० डी० (एटी०)/76 भा० II—श्री एस० चेल्लिया, स्थायी वरीय आणुलिपिक, आयकर अपील अधिकरण, सम्प्रति, प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न प्रधान लिपिक, आयकर अपील अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, को नियमित आधार पर (प्रोन्नति यथांश में) आयकर अपील अधिकरण, गौहाटी न्यायपीठ गौहाटी, में सहायक पंजीकार के पद पर रु० 650-40-740-35-810-द० अ० 35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 12 जुलाई, 1976 से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्री एस० चेल्लिया दिनांक 12 जुलाई, 1976 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

दिनांक 27 जुलाई 1976

सं० एफ० 48 (गो०) ए० डी० (ए० टी०)/76 —श्री कुंवर बहादुर श्रीवास्तव, अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में छह महीने की अवधि के लिए अर्थात् 15-11-1975 (अपराह्न) से 15-5-76 (अपराह्न) तक कार्य करते रहने की अनुमति दी गयी थी (कृपया देखिये इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 448 ए० डी० [(ए० टी०)/(75 (भा० II) दिनांक 14-11-1975] को नियमित आधार पर (प्रोन्नति यथांश में) अस्थायी क्षमता में दिनांक 27-7-1976 (पूर्वाह्न) से सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील, अधिकरण बम्बई न्यायपीठ बम्बई में रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 28-7-1976 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्ति किया जाता है।

वे दिनांक 27-7-1976 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों की परिवीक्षाकाल में रहेंगे।

हरनाम शंकर
अध्यक्ष

आयकर आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई, 1976

सं० जुरि/दिल्ली-4 /76-77/19711—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में जारी किए गए पिछले सभी आदेशों/अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में बताए गए आयकर अधिकारी उसी अनुसूची के कालम 3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के 'वर्गों' आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे किन्तु इसके अन्तर्गत वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या अन्य के वर्ग या मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं है जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अधीन किसी दूसरे आयकर अधिकारी को सौंप दिए गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं :—

अनुसूची

क्र०सं०	आयकर अधिकारी का पदनाम	अधिकारी क्षेत्र
1	2	3
1.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-3(6), नई दिल्ली	1. धारा 127 के अधीन सौंपे गए सभी मामले।
		2. फिल्म निर्माताओं, वितरकों और प्रदर्शकों के सभी नए मामले जो दिनांक 1-8-76 से आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत निर्धारण योग्य है।
		3. उपरिलिखित 1 तथा 2 में सम्मिलित फर्मों के साझीदारों से सभी मामले।

यह अधिसूचना 18-76 से लागू होगी।

हा० 15-7-76

एन० एस० राघवन
आयकर अधिकारी, दिल्ली-4
नई दिल्ली

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई, 1976

सं० 647 सा० प्र० सं० 2/76 (न) /4—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उपधारा 2 में दी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश III हैदराबाद ने नीचे लिखे आयकर निरीक्षकों को स्थानापन्न आयकर अधिकारी वर्ग II के पदों पर समय मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-

40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :—

क्रमांक	उन्नतिकर्ता का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1	2	3	4
1.	श्री सी० राधाकृष्ण मूर्ति	आयकर अधिकारी एफ० बार्ड, सकिल III, हैदराबाद ।	30-6-1976
2.	श्री बी० पी० रमण नायक	आयकर अधिकारी सी बार्ड, सकिल II, हैदराबाद ।	8-6-1976

2. वे नोट करें :—

- कि उनकी पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी है ;
- कि यदि खाली जगहों की समीक्षा में पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनति होगी ;
- कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 63/एफ सं० 22/27/59-प्रशा०-VI, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परीवीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परीवीक्षा का समय और भी बढ़ सकता है। उक्त समय में सेवा निष्पादन असंतोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे आयकर अधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख और कार्यालय में पदस्थापित हैं।

एन० सुब्बाराव
आयकर आयुक्त
आन्ध्र प्रदेश III, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जुलाई, 1976

सं० 648 सा० प्र० सं० 2/76 (न०)—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उपधारा 2 में दी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश II, हैदराबाद ने नीचे लिखे आयकर निरीक्षक को स्थाना-पन्न आयकर अधिकारी, वर्ग II के पद पर समय मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :—

क्रमांक	उन्नतिकर्ता का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1	2	3	4
1.	श्री आई० जे० नायडू	आयकर अधिकारी, एम बार्ड, सकिल I, हैदराबाद ।	7-6-1976

2. वे नोट करें :—

- कि उनकी पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी है ;

3—206GI/76

- कि खाली जगहों की समीक्षा में यदि पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनति होगी ;

- कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 63/एफ सं० 22/27/59-प्रशा०, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परीवीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परीवीक्षा का समय और भी बढ़ सकता है। उक्त समय में सेवा निष्पादन असंतोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे आयकर अधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख और कार्यालय में पदस्थापित हैं।

सं० 649 सा० प्र० सं० 2/76 (न०)—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उपधारा 2 में दी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश I, हैदराबाद ने नीचे लिखे आयकर निरीक्षकों को स्थाना-पन्न आयकर अधिकारी, वर्ग II के पदों पर समय मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :—

क्रमांक	उन्नतिकर्ता का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1.	जी० यशनारायण	आयकर अधिकारी, डी बार्ड, वेतन सकिल, हैदराबाद ।	7-6-1976
2.	जी० जगनमोहन राव	आयकर अधिकारी, आंतरिक लेखा परीक्षा II, हैदराबाद ।	7-6-1976

2. वे नोट करें :—

- कि उनकी पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी है ;
- कि यदि खाली जगहों की समीक्षा में पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनति होगी ;
- कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 63/एफ सं० 22/27/59/ प्र०-IV, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परीवीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परीवीक्षा समय उससे अधिक बढ़ेगा। उपर्युक्त समय में सेवा निष्पादन असंतोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे आयकर अधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख और कार्यालय में पदस्थापित हैं।

के० रामाराव
आयकर आयुक्त
आन्ध्र प्रदेश I, हैदराबाद,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 जून, 1976

निर्देश सं० जीटीबी/60/76-77—यतः मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है तथा जो गिदड़बाहा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिदड़बाहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हंसराज सुपुत्र गुरीया मल, बलायती राम सुपुत्र आतूराम, हरमोपाल सुपुत्र सालिगराम, श्रीमती शांति देवी सुपुत्री मुकुन्दलाल व श्री देवराज सुपुत्र ईशर दास, श्रीमती परसिनी देवी पत्नी भोमप्रकाश वासी गिदड़बाहा।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार, अशोक कुकुमार, सुपुत्र रामजी दास, श्रीमती सत्यादेवी, सपुत्री रामजीदास, तथा दविन्द्र पाल सुपुत्र भगवान दास, गिदड़बाहा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1100 दिसम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदड़बाहा में है।

रविन्द्र कुमार

सहम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 26 जून, 1976

सोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 जुलाई, 1976

निदेश सं० 1600—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अनूप सिंह, सुपुत्र श्री सुरिन्द्र सिंह जनरल अटार्नी,
श्री हरवेल सिंह सुपुत्र श्री अनूप सिंह,
निवासी मोहरू ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सस्ता आर्दरन स्टोर,
(द्वारा चरण सिंह),
नकोदर रोड, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7497 दिसम्बर,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 3 जुलाई, 1976 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 जुलाई, 1976

निर्देश सं० 1601—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनूप सिंह सुपुत्र श्री सुरिन्द्र सिंह जर्नेल अटार्नी,
श्री हरबेल सिंह सुपुत्र श्री अनूप सिंह,
निवासी मोहरू, तहसील : नकोदर।

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री लाल सिंह,
निवासी मोहल्ला, मिस्त्रीयां, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7794 सितम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3 जुलाई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 जुलाई, 1976

निदेश सं० 1602—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर,
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अनूप सिंह सुपुत्र श्री सुरिन्द्र सिंह जरनल अटार्नी,
श्री हरबेल सिंह सुपुत्र श्री अनूप सिंह,
निवासी मोहरू, तहसील —नकोदर।

(अन्तरक)

2. श्री अजैव सिंह सुपुत्र श्री मखन सिंह सुपुत्र श्री सिद्ध सिंह
निवासी मथनवाला, तहसील—सुलतानपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 7831, दिसम्बर,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 3-7-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 जुलाई, 1976

निदेश सं० 1606—यतः मुझे रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नरमहल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सन्तराम (साधू राम चेला स्वामी मनसाराम निवासी नूरमहल, तहसील—फिल्लौर। (अन्तरक)
2. श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री राम रक्खा, द्वारा, श्री मोहन लाल घालीवाल, मोहल्ला घालीवाला, नूरमहल। (अन्तरिणी)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3663, दिसम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 जुलाई, 1976

निर्देश सं० 1607/76-77—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नूरमहल में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री संत राम (साधु राम चेला स्वामी मन्सा राम),
निवासी नूरमहल, तहसील—फिल्लौर। (अन्तरक)
2. श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री राम रक्खा
द्वारा. श्री मोहनलाल धालीवाल, मोहल्ला धालीवाल,
नूरमहल। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3734, दिसम्बर,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 जुलाई, 1976

सं० आर० ए० सी० सं० 124/76-77—(यतः मुझे, के० एस० बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर० 14 है, जो तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रुक्मिणी बाई, पति श्री महावीर प्रसाद, मकान सं० 21-2-547, चारकमान, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री मी० सुन्दर रामी रेड्डी, और श्रीमती पी० ईश्वर लक्ष्मी, निवासी चप्पल रोड, हैदराबाद। (सं० 2, अणोक नगर, हैदराबाद।) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति, : दुकान म० सं० 4-1-938/आर-14, तिलक रोड, हैदराबाद।

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० / 25/76-77—(यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है);
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर-12 और 13 है, जो तिलक रोड,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15 दिसम्बर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपावे में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्पलता बाई, निवासी चारकमान,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री मी० सुन्दर रामो रेड्डी, और श्रीमती पी० ईश्वर लक्ष्मी
निवासी चम्पल रोड, और सं० 2 अशोक नगर, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संपत्ति : दुकान एम० एच० सं० 4-1-938/आर-12 और 13,
तिलक रोड, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 जुलाई, 1976

सं० आर० ए० सी० 126/76-77- यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर-16 है, जो तिलक रोड,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
15 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गीताबाई, पति श्री शंकर,
निवासी 3-2-350, चप्पल बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मी० सुन्दर रामी रेड्डी और श्रीमती पी० ईश्वर लक्ष्मी
निवासी चप्पल, रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए
जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति : दुकान एच० सं० 4-1-938/आर-16, तिलक रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 27-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 127/76-77—यतः मुझे, के० एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर-17 है, जो तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जानकी बाई, पति श्री हंसराज,
निवासी चप्पल बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री भी० सुन्दररामी रेड्डी,
निवासी चप्पल रोड, हैदराबाद।

2. श्रीमती पी० ईश्वर लक्ष्मी,
निवासी अशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति : दुकान एम० सं० 4-1-938/आर-17, तिलक रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 128/76-77--यतः मुझे के० एस०
बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर०-20 है, जो तिलक रोड,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजकुमार सुपुत्र केदारनाथ,
निवासी 3-2-350, चप्पल बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मी० सुन्दररामी रेड्डी
निवासी सी चप्पल रोड, हैदराबाद।

(2) श्रीमती पी० ईश्वर लक्ष्मी,
निवासी अशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति : दुकान एम० सं० 4-1-938/आर०-20, तिलक रोड,
हैदराबाद।

के० एस० बेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 129/76-77—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर-19 है, जो तिलक रोड, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
15 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा बाई, पति श्री राजकुमार,
निवासी 3-2-350, चप्पल बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मी० सुन्दररामी रेड्डी,
निवासी चप्पल रोड, हैदराबाद।

(2) श्रीमती पी० ईश्वर लक्ष्मी,
निवासी अशोक नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति : दुकान एम० सं० 4-1-938/आर-19, तिलक रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी०/30/76-77—यतः मुझे, के० एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2-7-148 है, जो सूबेदारी हनुमकोन्डा, में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरंगल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री फीनगल महुसुदन रेड्डी,
निवासी बडेपल्ली बरंगल। (अन्तरक)

2. श्रीमती देवी पत्नी डी० कमलाकर गवुं
नं० 7-2-148, सुबेदारी हनुमकोन्डा, बरंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति : घर नं० 7-2-148, सूबेदारी हनुमकोन्डा, बरंगल।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी०-131/76-77--यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9-102 है, जो नगरकरनूल, जिला महबूबनगर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नगरकरनूल में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री ए० चन्द्रशेखर, लोक निर्माण विभाग का ठेकेदार,
और रबीन्द्र टाकीज के पट्टेदार नगरकरनूल, जिला
महबूबनगर ।

(अन्तरक)

2. श्री महम्मद जाफर अली, ठेकेदार,
स्थान नगरकरनूल, जिला महबूबनगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति : घर सं० 9-102, नगरकरनूल, जिला महबूबनगर ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 132/76-77—यतः मुझे, के० एस०
बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9-1-30/32 पर प्लैट सं० 42 है जो एस० पी०
रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 15 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लखमीचन्द आर० एस० रीझमल
द्वारा :

जी० पी० ए० श्री अनील कुमार, सुपुत्र श्री लखमीचन्द
निवासी घर सं० 53, जवाहरनगर, कालोनी, सिकन्द-
राबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री रामकुमार सोनी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री ताराचन्द सोनी,
निवासी 42, मधुकुंज, सरदार पटेल रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

संपत्ति : 31-2 सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में
9-1-30/32 के चौथे तल पर प्लैट संख्या 42 ।

के० एस० बेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-7-1976

मोहर :

प्राकृतिक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 133/76-77—यतः मूझे. के० एस०
वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० 9-1-29/13 पर प्लेट सं० 23 है, जो सरदार
पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 15 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—206 G1/76

1. श्री लखमीचन्द, आर० एस० रीसुमल द्वारा
जी० पी० ए० धारक : श्री अनीलकुमार सुपुत्र श्री
लखमीचन्द, निवासी सं० 53, जवाहर नगर, कालोनी,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदेश कुमारी परिन श्री आर० के० सोनी,
निवासी 42 मधुबुज, स्थान 31/2, सरदार पटेल रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

संपत्ति : 31/2, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में एम०
सं० 9-1-29/13 का प्लेट सं० 23 ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-7-1976

मोहर ;

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 134/76-77—यतः मुझे के० एस०

बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिटी हाउस के पहले तल पर कार्यालय सं० 50
है, जो आबीद रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 15 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री : हिन्दुस्तान बिलडर्स, पंजीकृत फर्म,
स्थान—आबीद रोड, हैदराबाद। मार्फत इसके भागीदार
श्री हरिकिशन।

(अन्तरक)

2. श्री जी० एस० साधव राव, सुपुत्र श्री लिंगराज, सी० ए०
निवासी—महात्मा गांधी रोड, वारंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति : यूनिटी हाउस के पहले तल पर कार्यालय संख्या 50,
आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० बेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 135/76-77—यतः मुझे के० एस०

वेंकटरामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिटी हाउस के पहले तल पर कार्यालय सं०
51 है, जो आबीद रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
1908 का 16) के अधीन 15 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-वार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री : हिन्दुस्तान बिल्डर्स, स्थान—यूनिटी हाउस,
आबीद रोड, हैदराबाद। भागीदार श्री हरिकिशन।
(अन्तरक)

2. श्री सी० भाष्कर मूर्ति, यूनिटी हाउस का कार्यालय
सं० 51, आबीद रोड, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति : यूनिटी हाउस के पहले तल पर कार्यालय परिसर
सं० 51, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 30-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० आर० ए० सी० 136/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,
और जिसकी सं० 6-1-79 व 80 है, जो सईफाबाद, हैदराबाद में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन 1-12-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पींगल जगन मोहन रेड्डी सुपुत्र श्री पींगल वेंकटराम
रेड्डी, निवासी लुम्बीनी गार्डेंस, बी-1-12 सईफाबाद
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री सी एट टायर्स आफ इंडिया लि०
463, डा० एनी, वेसेन्ट रोड, बम्बई-400025।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति : मकान के साथ जमीन, एम० सं० 6-1-79 और
6-1-80 लकड़ी का पुल, सईफाबाद, हैदराबाद।

क्षेत्रफल : 2654 वर्ग गज

पूरब : 8'0" चौड़ा गली, वेंकटेश्वर लाज,

पश्चिम : सईफाबाद पुलिस घर और वेंकटेश लाज

उत्तर : ग्राम रास्ता सचिवालय :

दक्षिण : संपत्ति वेंकटेश्वर होटल को रास्ता।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती जेद्वि लोबो, पदमा नगर, कालोनी,
त्रिवेन्द्रपुरम, ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एणकुलम, कोचीन-11

कोचीन-11, दिनांक 15 जुलाई 1976

निदेश सं० एल० सी० 74/76-77—यतः मुझे एस० एन०

चन्द्रचूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोयिलोन जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयिलोन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 दिसम्बर 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री सेबास्टिन जेसेफ, फेरनाटेस, फिलोमिना जोसेफ फारनाटेस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयिलोन जिला के इकिनकुलनगरा में 30.50 सेन्ट्स भूमि ।

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एणकुलम, कोचीन

तारीख : 15-7-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 23 जून 1976

निर्देश सं० 25/76-77/आई०ए०सी०(ए/आर)बीबीएसआर—
यतः मुझे ए० एन० मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 8 है, जो दलाईपाड़ा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय संवलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 2 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सदानन्द, शर्मा (दास)
- (2) श्रीमती लक्ष्मी देवी
- (3) श्री राम चन्द्र दास (शर्मा)
- (4) श्री गोविन्द चन्द्र दास (शर्मा)

(अन्तरक)

2. श्री हरिराम अग्रवाला

(अन्तरिती)

3. (1) अबदुल सतार
- (2) श्री कपिलेश्वर ओझा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान संवलपुर जिला का दलाईपाड़ा मौजा का
बार्ड नं० 8 में स्थित है। उसकी हालडी नं० 329 है। वह
जमीन और मकान 2-12-75 तारीख में जिला सब-रजिस्ट्रार
आफिस, संवलपुर में रजिस्टार हुआ, जिसकी डाकुमेंट नं० 2944
है।

ए० एन० मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 23-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 28 जून 1976

निदेश सं० 340/अर्जन रेंज-III/76-77/कल०—यतः मुझे
एल० के० बालासुब्रामनियन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 62/16 है, तथा जो बालिगंज, सर्कुलर रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 28-12-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण-से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री महावीर प्रसाद सारदा, मोहनलाल सारदा, बालचन्द-
सारदा देवचन्द सारदा, श्रीमती वैद्यवती देवी, सारदा,
(अन्तरक)

2. विश्वनाथ मुस्तादि ।

(अन्तरिती)

4. श्री राजाराम मुस्तादि,
श्याम सुन्दर मुस्तादि,
भगवति प्रसाद मुस्तादि ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अविभाजित 1/4 हिस्सा, 7 कट्टा 6 छटाक 18 स्क० फिट
जमीन जो कि 62/16 बालिगंज, सर्कुलर रोड, कलकत्ता में
स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन दलिल सं० 1975 की 7297 है ।

एल० के० बालासुब्रामनियन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 28-6-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 28 जून 1976

निर्देश सं० 341/अर्जन आर-III/76-77/कल०—अतः
मुझे एल० के० बालासुब्रामानियन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 62/16 है, तथा जो बालिगंज, सर्कुलर रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और (अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री महावीर प्रसाद सारदा, मोहनलाल सारदा,
बालचन्द सारदा, देवचन्द सारदा, श्रीमती वैद्यबाती देवी
सारदा ।

(अन्तरक)

2. श्री भगवती प्रसाद मुस्सादि ।

(अन्तरिती)

4. श्री राजाराम मुस्सादि श्री विश्वनाथ मुस्सादि श्री
श्यामसुन्दर मुस्सादि

(यह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अविभाजित 1/4 हिस्सा, 7 कट्ठा 6 छटांक, 18 स्क० फिट
जमीन का, जोकि 62/16 बालिगंज, सर्कुलर रोड, कलकत्ता में
स्थित है और जिसका रजिस्ट्रेशन दलिल सं० 1975 का 7296
है ।

एल० के० बालासुब्रामानियन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 28-6-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 28 जून, 1976

निर्देश सं० 342/अर्जन रज-III/76-77/कल०—अतः मुझे एल० के० बालासुब्रामनियन् आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 62/16 है तथा जो बालिगंज, सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—206GI/76

1. सर्वश्री : महावीर प्रसाद सारदा, मोहन लाल सारदा, बालचन्द सारदा, देवचन्द सारदा, श्रीमती वैद्यवती देवी सारदा ।

(अन्तरक)

2. श्री श्याम सुन्दर मुस्तादि ।

(अन्तरिती)

3. सर्वश्री राजाराम मुस्तादि, विश्वनाथ मुस्तादि, भगवति प्रसाद मुस्तादि ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अविभाजित 1/4 हिस्सा 7 कट्टा 6 छटांक 18 स्क० फिट जमीन का, जोकि 62/16 बालिगंज, सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है, जिसका रजिस्ट्रेशन दलिल सं० 1975 का 7295 है ।

एल० के० बालासुब्रामनियन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 28-5-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 28 जून 1976

निर्देश सं० 343/अर्जन रेंज-III/76-77/कल०—अतः मुझे,
एल० के० बालासुब्रामानियन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 62/16 है तथा जो बालिगंज, सर्कुलर रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
28 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री महावीर प्रसाद, सारदा, मोहनलाल सारदा,
बालचन्द सारदा, देवचन्द सारदा, श्रीमती वैद्यवती देवी
सारदा ।

(अन्तरक)

2. श्री राजाराम मुस्सादि ।

(अन्तरिती)

3. श्री विश्वनाथ मुस्सादि, भगवती प्रसाद मुस्सादि,
श्याम सुन्दर मुस्सादि ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अविभाजित 1/4 हिस्सा, 7 कट्टा 6 छटांक 18 स्क० फिट
जमीन का, जोकि 62/16 बालिगंज, सर्कुलर रोड, कलकत्ता में
स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन दलिल सं० 1975 का 7294 है ।

एल० के० बालासुब्रामानियन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 28-6-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवई रोड,

निदेश सं० 345/अर्जन आर०-III/76-77/कल०—अतः मुझे
एल० के० बालासुब्रामानियन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 11/3 है, तथा जो मोल्ड बालिगंज, सर्कुलर लेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 23-12-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री देवराज मुखर्जी, अजरारज, मुखर्जी, शैलेराज
मुखर्जी, गोपाल राज मुखर्जी, पद्मी राज मुखर्जी,
नबराज मुखर्जी ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आइरन साइड कोआपरेटिव हाउसिंग होसायटी
लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

11/3, मोल्ड बालिगंज, सेक्रेट लेन, में 20 कट्टा जमीन,
1975 के दलिल सं० 7260 में हस्तान्तरित जिसमें उक्त
डीड में इसकी कमन 4 शेष का सब सेक्रेट सिडिउल में लिखित है।

एल० के० बालासुब्रामानियन्

(सक्षम प्राधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 1-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री विजय कुमार कुन्दु, वेवदास कुन्दु, इन्दा, खरगपुर,
जिला मिदनापुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 16 जुलाई 1976

निदेश सं० 346/एकवी० रेंज-III/76-77/कल०—अतः मुझे एल० के० बालासुब्रामानियन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पी 411/23 बी स्कीम- XLVII है, तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री फकीर चन्द कुन्दु,
इन्दा, खरगपुर, मिदनापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 14 छटांक 28 स्का० फीट जमीन का 2/3 हिस्सा, जो पी-411/23 बी, स्कीम, XLVII हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एन्क्युरेन्सस द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 7278/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालासुब्रामानियन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 16-7-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 16 जुलाई 1976

निर्देश सं० 347/एक्वी-III/76-77/कल०—अतः मुझे
एल० के० बालासुब्रामानियन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है तथा जो बालीगंज, पार्क रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे लगावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1975
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बलाई चन्द्र,
50 कैलास बोस स्ट्रीट, कलकत्ता ।
(अन्तरक)
2. आत्माराम कनोरिया, बिमलादेवी कनोरिया और आदित्य
कनोरिया,
सबका पता :
4, इन्डिया एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता ।
(अन्तरिती)
3. आत्मा राम कनोरिया,
4, इन्डिया, एक्सचेंज प्लेस, कलकत्ता ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 18 कट्टा, 13 छटक साथ उस पर बनाया
दोतला मकान और आउट हाउस जो 14 बालीगंज, पार्क,
कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० 7345/1975
रजिस्ट्रार आफ एसुलेरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

एल० के० बालासुब्रामानियन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 16-7-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री इला दत्ता,
36, स्टैण्ड रोड, कलकत्ता - 1

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती साधना राय, 44/1, कामिनी स्कल लेन, हावरा।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

कलकत्ता-16, दिनांक 28 जुलाई, 1976

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० एसी 24/अर्जन रेंज-V/कल०/76-77—अतः
मुझे एस० एस० इनामदार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

और जिसकी सं० 29/1 है तथा जो महिनाथ पोरेल लेन, हावरा
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-12-75
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

4 कट्टा 8 छटांक 27 स्क० फीट, भूमि पर मकान सं० 29/1
महिनाथ पोरेल लेन, हावरा, स्थित एवं डा० सं० 6917 ता०
10-12-1975 द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एस० एस० इनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-7-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री सुरेन्द्र नाथ राय,
3, तिलक रोड, थाना, टालीगंज, कलकत्ता, ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 30 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० 7-आर०-II/कल०/76-77—अतः
मुझे आर० भी० लाल मोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा, बेहाला, थाना,
बेहाला, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जवान्ट सब-
रजिस्ट्रार, माफ आलिपुर, बेहाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
(1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) श्री सुजित दत्तागुप्त, पी०-10, ईसार मित्र रोड,
थाना बेहाली, कलकत्ता-34

- (2) श्रीमती मिनु चौधरी,
75, सत्यनाराय रोड, बेहाला कलकत्ता-34 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में जिये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 -क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

मौजा बेहाला थाना बेहाला, अवस्थित खतियान नं० 6830,
6832, 6834, प्लॉट नं० 10356 में जमीन का परिमाण 2.25
एकरस है ।

(2) खतियान नं० 6831, 6833, 6835 में जमीन का
परिमाण .380 एकरस है ।

आर० भी० लाल मोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 30-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल—अतः मुझे
वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है जो जबलपुर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकर अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 29-12-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती तिनकोरी बाई पत्नि स्व० सत्यनारायण तिवारी
वाला, जवाहरगंज, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. (i) श्री सन्तोष कुमार सैमथ्या पुत्र श्री घासी राम
समथ्या।

(ii) श्रीमती कपूरी देवी पत्नि श्री घासीराम

(iii) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि श्री वीरेन्द्र कुमार

(iv) श्रीमती किशन देवी पत्नि श्री अरविन्द कुमार
शुक्रवारी बजरिया, हनुमानताल बाई, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जोकि जवाहरगंज, जबलपुर में स्थित है।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 30-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जून 1976

निदेश सं० 79/दिस०/75—यतः मुझे, जी० रामनाथन
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० काक्कावेरी, रसिपुरम, सेलम एस० सं०
272/1 तथा 257/4 है, जो एस० आर० ओ० शशिपुरम
डाकुमेन्ट सं० 1840/75 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
शशिपुरम, सेलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-206 G1/76

1. (1) श्री कन्दस्वामि, कयुन्दर
- (2) के० राजी
- (3) के० रामस्वामि,

(अन्तरक)

2. श्री पी० पेरिय स्वामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काक्कावेरी शशिपुरम, सेलम में 2 एकड़ 10 सेंट (डाकुमेन्ट
सं० 272/1, 1 एका 20 सेंट (डाकुमेन्ट सं० 257/4)

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 2-6-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० षन्मुगम और सेंगहुवन,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1976

निदेश सं० 31/डी ई सी/75-76—यतः मुझे जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36, पोतनूर गांव, सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेल्दूर, (पत्र सं० 1775/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिदियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री के० अम्मैयप्पन और नल्लम्माल, पोतनूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला पोतनूर, गांव एस० सं० 36 में एक एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 1-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री के० वन्मुगम और सेंगडेवन, पोतनूर गांव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. मारण ग्राउन्ड, कोयम्बटूर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1976

निदेश सं० 32 /डी०ई०सी०/75-76--यतः मुझे जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी एस० सं० 36, है जो पोतनूर गांव, सेलम जिला में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलूर (पत्र सं०
1776/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 4 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सेलम जिला पोतनूर, गांव एस० सं० 36 में 2 एकड़ खेती
की भूमि ।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 1-7-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री धन्मुगम और सेंगुहुवन पोतनूर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री चिन्नु स्वामि, ग्राउन्ड, कीराम्बूट गांव ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 33/डीईसी०/75-76—यतः मुझे जी०
रामनाथन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,
और जिसकी सं० 36, पोतनूर, गांव, सेलम, जिला में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेलूर (पत्र सं० 1777/75)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
4 दिसम्बर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने,
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सेलम जिला, पोतनूर, गांव एस० सं० 36 में 2 एकड़ खेती
की भूमि ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 1-7-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री सामियार (करिचिम गाउन्ड्र) और सुग्रामनियम
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1976

निदेश सं० 34/डीईसी०/75-76—यतः मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 149/2 डी और 149/2 सी हैं, जो चेंगपल्ली गांव, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेतूर (पत्र सं० 1778/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. पी० आर० कालियन्न गाउन्ड्र ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिला, नामक्कल तालुक, चेंगपल्ली गांव सर्वे सं० 149/2 डी (1.43 एकड़) और 149/2 सी (1743 एकड़) में 2.86 एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 2-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई, 1976

निदेश सं० 37/डी०ई०सी०/75-76—यतः मुझे जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 650/1, 650/2 और 651/1, है, जो ईडंगनसालै
गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महुडन-
चावडी, (पत्र सं० 1363/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 4 दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० एस० एन० कृष्णस्वामी, चटियार और आदि।
(अन्तरक)

2. श्री के० पलनियप्पन और आदि।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, संकरी तालुक, ईडनगुणसालै गांव सरखे सं०
650/1, (5.75 एकड़), 650/2 (4.28 एकड़) और 651/1
(1.27 एकड़) में 11.29 एकड़ खेती की भूमि।

जी० र.मनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 2-7-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. नेल्स केबलस और पेपस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जे० एम० गुरुनमसिवायन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जुलाई 1976

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मदुरै जिला, सूलक्कट्टे आर० एस० सं० 212/1 बी, डोर सं० 4-9 में 3.61 एकड़ की भूमि, (मकान के साथ) ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: 20-7-1976

मोहर :

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जुलाई 1976

निर्देश सं० 47/डी०ई०सी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 180/2 ए, और 183/2 बी, है, जो ग्राम्मापट्टी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, दिन्डुक्कल (पत्र सं० 3418/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहरलाल और विजय कुमार ।

(अन्तरक)

2. श्री नल्लकामु चेट्टियार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दिन्डुक्कल, ग्राम्मापट्टी गांव आर० एस० सं० 180/2 ए, और 183/2 बी में 18.46 एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 20-7-1976

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एच० एस० ऊमर सैद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० डी० कोदण्डपाणी चेट्टियार,
मद्रास ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जुलाई, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 11/डीईसी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 8 है, जो फ्रान्सिस, जोसफ स्ट्रीट, मद्रास-1 में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं०
8598/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 16 दिसम्बर, 1975

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मद्रास फ्रान्सिस जोसफ स्ट्रीट, डोर सं० 8 (आर० एस०
सं० 11489) में एक ग्राउन्ड और 261 स्क्वायर फीट की भूमि
(मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-7-1976

मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. आईशा बीबी,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. एन० कातर मोहीदीन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जुलाई 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निदेश सं० 69/डी०ई०सी०/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 70/6, 71/2, 74/2, 78/3, 70/2 और
70/3 है, जो सेल्लपनायकमपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नत्तम (पत्र सं० 2901/75) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने
में सुविधा के लिए;

मदुरै, जिला सेल्लपनायकमपट्टी गाँव, आर० एस० सं०
70/6, 71/2, 74/2, 78/3, 70/2 और 70/3 में 11.71 एकड़
खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 28-7-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री आईशा बीबी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एन० कातर हुसैन, राऊतार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

मद्रास, दिनांक 28 जुलाई 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 70/डी०ई०सी०/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 72/1, 72/13, 77/1, 77/3, 78/1, 2 और
4 है, जो सेल्लप्पनायकम्पट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नत्तम (पत्र सं० 2902/75) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 दिसम्बर 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-
मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

मदुरै, सेल्लप्पनायकम्पट्टी गाँव आर० एस० सं० 72/1,
72/13, 77/1, 77/3 और 78/1, 78/2 और 78/3 में 10.02
एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 28-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) जमीला बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री ई० नूर मोहमद राऊतर

(अन्तरिती)

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जुलाई 1976

निर्देश सं० 71/डी० ई० सी०/75-76—यतः मुझे जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० 110/1, 200 और 204, वेलमपट्टी और 49/2, है, जो पाप्पपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नत्तम (पत्र सं० 2904/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेलमपट्टी आर० एस० सं० 110/1	2.00	एकड़	} खेती की भूमि
वेलमपट्टी आर० एस० सं० 200	9.36	एकड़	
वेलमपट्टी आर० एस० सं० 204	2.60	एकड़	
पाप्पपट्टी आर० एस० सं० 49/2	2.16	एकड़	
योग	16.12		

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती लक्ष्मिकान्तम्माल और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती के० आर० रुक्मिणी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अगस्त 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दिन्डुक्कल, नागलनगर पुटूर, स्ट्रीट सं० 5, डोर सं० 25
बी० (टी० एस० सं० 1612) में 4050 स्क्वायर फीट की
भूमि (मकान के साथ)।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 3-8-1976।

मोहर :

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अगस्त 1976

निदेश सं० 49/डी० ई० सी०/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 25 बी है, जो स्ट्रीट सं० 5, नागलनगर पुदूर, दिन्डुक्कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागलनायकमपट्टी (पत्र सं० 1908/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती लकशमीकान्तम्माल और आदि (अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० कल्पैया चेट्टी यार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिन्डुक्कल, नागलनगर पुदूर, स्ट्रीट सं० 5, डोर सं० 25 बी (टी० एस० 1612) में 8350 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 3-8-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री टी० एस० गुरुनाथन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती तगम्माल

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 35/डी० ई० सी०/75-76—यतः, मुझे जी०

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

रामनाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

और जिसकी सं० एस० सं० 78/1, 2 और 4 है, जो कैलासमपालयम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेंगोडु (पत्र सं० 2088/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-12-1975

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

तिरुचेंगोडु कैलासमपालयम गांव, एस० सं० 78/1 में 0.06 $\frac{5}{8}$ और 0.0014/16 सेन्ट की भूमि, 78/4 में 2159 $\frac{5}{6}$ स्क्वायर फीट की भूमि, 387 $\frac{6}{8}$ और 683/ $\frac{5}{24}$ स्क्वायर फीट की भूमि और 78/2 में 1651 $\frac{2}{3}$ स्क्वायर फीट की भूमि और आदि।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 4-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1976

निदेश सं० 36/डी० ई० सी०/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 78/1, 2 और 4 है, जो कैलासपुरम गाँव में स्थित है
(और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेगोडु (पत्र सं० 2089/75)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
9-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० एस० वडिवलू (अन्तरक)

(2) श्रीमती तगम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तिरुचेगोडु, कैलासमपालमय गाँव एस० सं० 78/1 में
 $0.06 \frac{5}{8}$ और $0.0014/16$ सेन्ट की भूमि, 78/4 में $2159 \frac{5}{6}$
स्क्वायर फीट की भूमि, $387 \frac{6}{8}$ और $683 \frac{5}{24}$ स्क्वायर फीट
की मकान और 78/2 में $1651 \frac{2}{3}$ स्क्वायर फीट की भूमि
और आदि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 4-8-1976

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० मगुडेम्बन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती टी० एन० तगम्माल

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1976

निदेश सं० 87/डी० ई० सी०/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 78/1, 2 और 4, कैलासमपुरम है, जो तिरुचेंगोडु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेंगोडु (पत्र सं० 2191/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेंगोडु कैलासमपालयम गांव एस० सं० 78/1 में 0.05 ⁷/₁₆ और 0.0014/20 सेन्ट की भूमि, 78/4 में 1727 ¹³/₁₆ स्क्वायर फीट की भूमि, 310 ²/₁₀ स्क्वायर फीट और 546 ¹⁷/₃₀ स्क्वायर फीट की मकान, 78/2 में 1321 ¹/₁₆ स्क्वायर फीट की भूमि, और आदि।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—206GI/76

तारीख : 4-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1976

निर्देश सं० 88/डी० ई० सी०/75-76—यतः मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 78/1, 2 और 4 है, जो कैलासमपालयम में
स्थित है (और इससे उपबद्ध में (और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, तिरुवेंगाडु (पत्र सं० 2192/73
के में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 3-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वारतदिव रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती राजाम्बाल (अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० एन० तगम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवेंगाडु कैलासमपालयम गांव एस० सं० 78/1 में
0.09 1/9 और 0.01 2/12 सेंट की भूमि, 78/4 में
2879 19/100 स्ववायर फीट की भूमि, 517 और 910 स्ववायर
फीट की मकान और 78/2 में 2202 2/9 स्ववायर फीट की
भूमि और आदी।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 4-8-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टी० आर० सक्तीवेल (अन्तरक)

(2) श्री टी० एन० आरुमुगम (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1976

निर्देश सं० 83/डी० ई० सी०/75-76—यतः मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 78/1, 2 और 4 है जो कैलासमपालयम
तिरुचेंगोडु में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेंगोडु (पत्र
सं० 2171/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 24-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेंगोडु, कैलासमपालयम गाँव सरखे सं० 78/1 में
0.06 5/6 और 0.0014/16 सेन्ट की भूमि 78/4 में
2159 5/6 स्क्वायर फीट की भूमि और 387 6/8 और 683
5/24 स्क्वायर फीट की मकान और सबें सं० 78/2 में 1651
2/3 स्क्वायर फीट की भूमि, और आदी।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 4-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी एन० एस० —————

(1) श्रीमती जी० पूंगावनम । (अन्तरक)

(2) श्री टी० एन० आरुमगम । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1976

निर्देश सं० 84/टी० ई० सी०/75-76--यतः, मुझे जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 78/1, 2 और 4 है, जो कैलासमपालयम तिरुचेंगोडु में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेंगोडु (पत्र सं० 2172/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेंगोडु, कैलासमपालयम गाँव सरने सं० 78/1 में 0.06 5/6 और 0.0014/16 सेन्ट की भूमि, 78/4 में 2159 1/2 स्ववायर फीट की भूमि और 387 6/8 और 683 5/24 स्ववायर फीट की मकान और सखे सं० 78/2 में 16512/3 स्ववायर फीट की भूमि, और आदी।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 4-8-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती पद्मावती (अन्तरक)

(2) श्री टी० एन० आरुमगम (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1976

निर्देश सं० 85/डी० ई० सी०/75-76—यतः, मुझे, जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 78/1, 2 और 4 हैं, जो कैलासमपालयम तिरुचेगोडू में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेगोडू (पत्र सं० 1273/75), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेगोडू, कैलासमपालयम गांव सरवे सं० 78/1 में 0.06 $\frac{5}{8}$ और 0.0014/16 सेन्ट की भूमि 78/4 में 2159 $\frac{5}{6}$ स्क्वायर फीट की भूमि और 387 $\frac{6}{8}$ और 683 $\frac{5}{24}$ स्क्वायर फीट की मकान और सरवे सं० 78/2 में 1651 $\frac{2}{3}$ स्क्वायर फीट की भूमि, और आदी।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 4-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती पाप्पा

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एन० आरमुगम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1976

निर्देश सं० 86/डी० ई० सी०/75-76— यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 78/1, 2 और 4 है, जो कैलासमपालयम में स्थित है (और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुचेंगोडु, (पत्र सं० 2174/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेंगोडु, कैलासमपालयम सखे सं० 78/1 में 0.05 $\frac{7}{15}$ और 0.007/10 सेन्ट की भूमि 78/4 में 1727 $\frac{13}{15}$ स्क्वायर फीट की भूमि, और 310 $\frac{2}{10}$ और 546 $\frac{17}{30}$ स्क्वायर फीट की मकान और 78/2 में 1321 $\frac{1}{2}$ स्क्वायर फीट की भूमि और आदि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 4-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एन० पटेल और आर० एन० पटेल (ट्रस्ट्स,
एन० के० पटेल ट्रस्ट) (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1976

(2) श्री एन० हेच सेन्ना और श्रीमती एफ० एन० सेन्ना
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० 2764/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरतनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० कून्नूर में $1.12 \frac{8}{16}$ एकड़ की भूमि है (मकान
के साथ) जिसका आर० एस० सं० 618,619 और 617/2
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कून्नूर (डाकुमेण्ट
सं० 1187/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

निल्लिरिस, कून्नूर, में $1.12 \frac{8}{16}$ एकड़ की भूमि (मकान—
“वेस्टक्राफ्ट”) जिसका आर० एस० सं० 618, 619 और 617/2।

एस० राजरतनम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1976

निर्देश सं० 2765/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० उटकमण्डु, 0.65 $\frac{11}{16}$ एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 4040/3 (मकान के साथ) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उटकमण्डलम (डाकुमेण्ट 1699/75 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री सी० दोरस्वामी श्रीमती सिविल हमिल्टन हेस्टर्सन का एस्टेट का अधिमनिस्ट्रेटर (अन्तरक)
- (2) श्री वी० ण्णमुगम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के के लिए अर्जन कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उटकमण्ड, चर्चहिल लेन में 0.65 $\frac{11}{16}$ एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 4040/3 (डोर सं० 173—'होम लिफ')।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2-8-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1976

निर्देश सं० 2772/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० शामलापुरम गांव में 1-93 एकड़ की भूमि
जिसका एस० एफ० सं० 699/1 और 699/2 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, तिरुपुर (डाकुमेण्ट
सं० : 2399/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10-206 GI/76

(1) श्रीमती रुक्मिणी कलिगरायर (अन्तरक)

(2) श्री जी० एस० रामसामि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पल्लडम तालुका, शामलापुरम गांव में 1.93 एकड़
की भूमि जिसका एस० एफ० सं० 699/1 और 699/2 (मकान
और मेडिनरि के साथ)

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2-8-1976।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्रीमती राजश्री (अन्तरक)
 (2) श्री कोयम्बतूर आर्टो इण्डस्ट्रिज प्रिवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1976

निर्देश सं० 2805/75-76—यतः मुझे एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० उपलिपिपालयम में 8.62 एकर की भूमि जिसका सर्वे सं० 402 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिगनल्लूर डाकुमेण्ट 1518/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, उपलिपिपालयम गांव में 8.62 एकर की भूमि जिसका सर्वे सं० 402।

एस० राजरतनम
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2-8-1976।
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1976

निर्देश सं० 3476/75-76—यतः मुझे एम० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2 एकर 79, 2/3 सेन्ट की भूमि, आदि, जिसका सर्वे सं० 245/10, 245/4, 245/5, 245/6, 245/7 और 223/9 कीबलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागमड्डिनम (डाकुमेण्ट 1653/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री ए० मुरुगैय मत्तर (अन्तरक)
- (2) श्री (1) डी० जगन्नाद उडयार (अन्तरक)
- (2) डी० नडराज अडयार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीरुवारूर तालुका, कीबलूर गांव में 2.79 2/3 एकर भूमि (मकान, मेशिनरि के साथ) जिसका सर्वे सं० 245/10, 245/4, 245/5, 245/6, 245/7, और 223/9।

एस० राजरत्नम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 2-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1/1409-1/नवम्बर 75—अतः मुझे ज्ही० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 26, सी० एस० नं० 517 आफ कोलाबा डिवीजन है, जो कोलाबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अफिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भीकाजी एड्लजी डाक्टर और अन्य और दादी सोराबजी मिस्त्री और अन्य (अन्तरक)

2. श्री फेरिता को० आ० हा० सो० लि० (अन्तरिती)

3. (1) कु० तहमी एन० इराणी, (2) डा० कु० एस० ई० भगवानेर (3) श्री बैंकटेशन श्रीनिवासन एंड अदर्स (4) फेरीयाज हाटेल प्रा० लि० (5) गोल्डी एंड कं० (6) श्रीमती जेर, कं० दस्तूर एंड अदर्स (7) श्री जहांगीर एफ० इराणी (मरझाबनी और अन्य) (8) अमेरिकन इंटर नेशनल एंड अंडर राइटर्स (1) प्रा० लि० (9) श्री पिरोज बी० भुगवाडीया एंड अदर्स (10) रोगासीयानी एन० जाकुइस एंड अदर्स (11) श्री बाबुभाई एंड शहा एंड अदर्स (12) श्री ए० व्ही० रानडे० (13) श्री रस्तुम एन० सुरती एंड अदर्स (14) श्रीमती विद्यावती सत्यप्रकाश कपूर (15) श्री सत्यप्रकाश लालचन्द कपूर (16) श्री आब्बासाभाई कामरी-दीन अकोलावाला (17) श्रीमती शैराबाई त्यबअली अमरावती-वाला (18) श्री बायराम पेस्टोनजी गरीवाला एंड अदर्स (19) श्रीमती जेबानी पोस्टोनजी गरीवाला एंड अदर्स (20) श्री पीटर डीसोझा (21) श्री बुरजोर दादाभाई कोरलावाला (22) श्री महोमद अबदूला (23) श्री फिरोज आई० संजाना एंड अदर्स (24) कु० सोना होरमसदायर (25) श्री इरुच

होरमसजी भोर (26) श्री और श्रीमती नोसीर के० खान (27) श्री और श्रीमती भोमन फारामरोझे गाडीयली (28) श्री आंतोनी जोसेफ नझरेत और अन्य (29) श्री मीनो एस० भगत (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और टापू के जिला, रजिस्ट्रेशन उप-जिला में कोलाबा के अर्धर अंदर रोड पर स्थित एवं अवस्थित कोलाबा लैंड एंड मिल कंपनी की जमीन के प्लॉट सं० 26 का वह तमाम अनु-वंशिक (हेरिडिटेमेंट्स) भाग अथवा खंड और उस पर बनी फेरिता नामक भवन सहित संरचना तथा हवेली मकान तथा रिहायशी घर परिसर समेत जो पैमाइश में 930.66 वर्गगज अर्थात्, 778.43 वर्गमीटर के लगभग है और भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तक में कोलाबा डिवीजन के कैटेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 517 के अधीन रजिस्टर्ड भूमि का एक हिस्सा है तथा नगरपालिका दरों और करों के निर्धारक एवं संग्रहक द्वारा 'ए' वर्ड सं० 406 (2) तथा स्ट्रीट सं० 71, अर्धर अंदर रोड के अधीन निर्धारण किया गया है और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् उत्तर में या उत्तर की ओर 40 फीट का मार्ग है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर कोलाबा लैंड एंड मिल कंपनी की जमीन का प्लॉट सं० 27 है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर 40 फीट का मार्ग है तथा पूर्व में या पूर्व की ओर उक्त कोलाबा लैंड एंड मिल कंपनी की जमीन का प्लॉट सं० 33 है।

व्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 6-7-1976

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 1

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० ई० 524-2/76-77—अतः मुझे व्ही० आर० अमीन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 सर्वे नं० 94 हिस्सा नं० 1 है, जो वधवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री चंद्रसेन मोतिराम वासवानी
- (2) श्री विजया चंद्रसेन वासवानी
- (3) कुमारी विणा चंद्रसेन वासवानी (अन्तरक)
- 2 श्री माधव जमनादास रहेजा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई में बम्बई नगर एवं बम्बई उपनगर के उपजिला में वधवली में स्थित जमीन (कृषि) का वह तमाम भाग या एव इसके साथ अनुबंधित प्लान में प्लॉट सं० 9 है और जो पैमाइश में 739 वर्ग गज या 618 वर्ग मीटर की लगभग है वह 93 वर्ग गज या 78 वर्ग मीटर के क्षेत्र सहित है वह सर्वेक्षण सं० 94, हिस्सा सं० 1 का एक भाग है और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं :—

उत्तर : सर्वेक्षण सं० 94, हिस्सा सं० 1 और सर्वेक्षण सं० 93 की सम्पत्ति है।

दक्षिण : सार्वजनिक रास्ता है।

पूर्व : सर्वेक्षण सं० 113 की संपत्ति है।

पश्चिम : प्रस्तावित रोड और उनके बाद वह प्रापटी है जिसका प्लॉट सं० 1 है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख : 29 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० ई० 531/9/76-77—अतः मुझे व्ही० आर०
अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सर्वे नं० 233 प्लॉट नं० 6, हीस्सा नं० 11 है, जो
घाट कोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकरर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 25-11-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स मिस्त्री और पटेल (अन्तरक)

2. घाटकोपर आनंद कुंज को-ऑ० हाउसींग सोसायटी
लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

घाट कोपर (पूर्व) में हींगवाला लेन पर स्थित टाउन प्लानिंग
स्कीम घाटकोपर सं० 3 का प्लॉट सं० 219 जो, पैमाइश में 735
वर्ग गज है और उसका मूलतः सर्वेक्षण सं० 233, प्लॉट सं०,
6, सिस्सा सं० 11 और म्युनिसिपल वार्ड सं० एन् 809 (2)
और स्ट्रीट सं० 219, देरासर लेन है और उसकी सीमाएं इस
प्रकार घिरी हुई हैं।

अर्थात् पूर्व में या पूर्वकी ओर 50 फीट चौड़ी प्रस्तावीत सड़क
है, उत्तर में या उत्तर की ओर हींगवाला लेन है पश्चिम में या पश्चिम
की ओर प्लॉट सं० 218 है और दक्षिण में या दक्षिण की ओर
प्लॉट सं० 220 है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख : 28 जुलाई 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० ई०/1424-16/नवम्बर 1975--अतः

मुझे व्ही० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रखावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सि० सर्वे नं० 1/434 मलबार और खम्बाला हिल डिवीजन है, जो हुजेस रोड बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री हस्तुम एस० खन्ना (अन्तरक)
2. मैसर्स केलटेक्स (इन्डिया) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खण्ड जो कि बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में स्थित हुजेस रोड के पश्चिम की ओर मौजूद पण है, तथा जो पैमाइश के 971.27 वर्ग गज या उसके लगभग है और जो उस बड़े भूखण्ड का अंग है जो भू राजस्व के कलक्टर की पुस्तकों में पुराने कलक्टर सं० 'कुछ नहीं' तथा नयी कलक्टर सं० कुछ नहीं, पुरानी सर्वेक्षण सं० 670, नयी सर्वेक्षण सं० 62/7310 के अधीन दर्ज है और जिसकी मलबार एवं खम्बाला हिल डिवीजन की कंडास्ट्राल सर्वेक्षण सं० 1/434 है और जो इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर की ओर श्री रतन टाटा इन्डियन इंस्टीच्यूट को पट्टे पर दिया गया प्लॉट संख्या 1 है दक्षिण की ओर पारसी पंचायत की सेठ फरदुनजी सोराबजी पारीख धर्मशाला सम्पत्ति है, पूर्व की ओर हुजेस रोड और पश्चिम में पारसी पंचायत की सेठ फरदुनजी सोराबजी पारीख धर्मशाला सम्पत्ति है।

दूसरी अनुसूची

भूतल्ला वाला एक ढांचा जो पम्प कियोस्क खंड सेल्स नाम से जाना जाता है, जिसके मरम्मत की दो खन्दके बनी हुई है और एक मञ्जला तल्ला भी सुन्दर फिनिशों, स्विचों फ्यूजों आदि सहित शामिल है, भू-तल्ला वाला एक ढांचा जिसमें एक कार्यालय और शौखम बने है, जिसमें तीन प्लेटों वाला शीशे की खिड़कियां, मञ्जला तल्ला, शौचालय, शौचघर पानी और सफाई की टंकियां आदि बिजली की फिटिंगो व स्विचों आदि सहित शामिल है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 31 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1433/नवम्बर 75—अतः मुझे, व्ही०
आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है और जिसकी सं०

सी सर्वे नं० 1175 प्लॉट नं० 923 टी०पी० एस० 4 (माहीम)
स्ट्रीट नं० 349 सानी रोड है, जो सानी रोड में स्थित है (और
इससे उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० फ्रॉमरोस मनचरंजी दारुबाला (अन्तरक)
2. पुष्प गंधा को० अ० हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(*) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की

तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई टापू में सायानी रोड से पृथक खेर गली के अंत में स्थित
पडो हुई, मौजूद पेन्शन और टैक्स की जमीन या घरातक का वह
तमाम भाग या खंड साथ में उस पर बनी वाडियां, मकान या
निवासघर सहित जो पैमाइश में 8589 वर्गगज अर्थात् 6871.29
वर्ग मीटर के लगभग है और भू-राजस्व के कलेक्टर की पुस्तक में
आर० आर० सं० 791 नया सर्वेक्षण सं० 1732 लोअर परेल
डिवीजन का कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1175 के अधीन दर्ज है और
जिसका निर्धारण म्युनिसिपल रेट एण्ड टैक्स के असेसर एवं कलेक्टर
ने जी बार्ड सं० 2884, 2885, (1) (2) (3) एवं (4) और
स्ट्रीट सं० 349, 350, 8, 8 ए तथा 8 बी०, दूसरी खेड गली के
अधीन किया है, और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व में या
पूर्व की ओर कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1176, 1177 की सम्पत्ति
है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1/1174,
2 ए/1174 का 2/1174 की सम्पत्ति है, उत्तर में या उत्तर की
ओर सी० एस० सं० 1185 की सम्पत्ति है और दक्षिण में या दक्षिण
की ओर उपर्युक्त दूसरी खेर गली है।

बम्बई टापू और बम्बई के रजिस्ट्रेशन उप-जिला में सायानी
रोड पर स्थित पेन्शन और टैक्स टेंटेन्ट डेन्वोर की भूमि या घरातक का
वह तमाम भाग या खंड जिसका बम्बई नगर सं० 4 (माहीम क्षेत्र)
के टाऊन प्लानिंग स्कीम का फाइनल प्लॉट सं० 923 है;
म्युनिसिपल जी० बार्ड सं० 2884, स्ट्रीट सं० 349 है, जो पैमा-
इश में 1123 वर्ग गज अर्थात् 898.40 वर्गमीटर के लगभग है,
जोकि मूलतः लोअरपरेल डिवीजन की सी० एस० सं० 1175
के एक बड़े मेखंड का अंग है जिसे उपर्युक्त प्रथम अनुसूची में
वर्णित किया है और वह छोटा भूखंड जिसका फाइनल प्लॉट सं०
923 है उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई है अर्थात् पूर्व
में या पूर्व ओर प्रस्तावित रोड है, पश्चिम या पश्चिम की ओर
फाइनल प्लॉट सं० 922 की जमीन है, उत्तर में या उत्तर की ओर
फाइनल प्लॉट सं० 910 की जमीन है और दक्षिण के या दक्षिण
की ओर फाइनल प्लॉट सं० 924 की जमीन है।

व्ही० आर० अमीन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 31 जुलाई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1976

निर्देश सं० अ० ई०/16/1449/नवम्बर 75—अतः मुझे, श्री० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13 सी० एस० नं० 547 मलबार एण्ड खम्बाला हिल डिवीजन है, जो गामदेवी इस्टेट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रतीमा रमाकान्त भट । (अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) मधुसूदन कानजी पंड्या (2) कुसुमराज के० पंड्या (3) अरविंद के० पंड्या (4) धीरजलाल के पंड्या (5) कौशिक बा० पंड्या । (अन्तरिती)

11—206 GI/76

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पट्टे की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी बडियों किराए के आवासों या निवास घरों सहित जो तेजपाल रोड पर स्थित, मौजूद और पड़ा हुआ है, जो कि बोर्ड आफ इन्व्हेन्ट्रिज़ फॉर सिटी ऑफ बाम्बे की गामदेवी इस्टेट जो अब म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ सिटी ऑफ बाम्बे में निहित है का प्लॉट नं० 13 है । एवं बम्बई के रजिस्ट्री उप-जिले और बम्बई के टापू में है । पैमाइश से एक हजार एक सौ सैंतालीस वर्ग गज यानी नौ सौ उन्तर वर्ग मीटर या उसके आस पास है । भू-राजस्व कलक्टर के रिकार्ड में भूखंड बत्तीर नवीन सर्वे सं० 7335 और केडेट्रल सर्वे सं० 547 के अंतर्गत मलबार और खम्बाला हिल डिवीजन में, दर्ज है और जिसके बारे में कर निर्धारण असेसर एंड कलक्टर म्यूनिसिपल रेवेन्यू एंड टेक्सस द्वारा डी वार्ड सं० 2881 (8) और स्ट्रीट नं० 3, तेजपाल रोड के अंतर्गत किया गया है तथा जो नीचे लिखे प्रकार से घिरा हुआ है । अर्थात् उत्तर पूर्व की ओर तेजपाल रोड, दक्षिण पूर्व की ओर केडेट्रल सर्वे नं० 463 वाली कथित गामदेवी एस्टेट का प्लॉट नं० 12, दक्षिण-पश्चिम में बोर्ड की जमीन जो सर्विस पैसेज की तरह रखा हुआ है, और उससे आगे केडेट्रल सर्वे नं० 549 वाली सम्पत्ति तथा उत्तर-पश्चिम में कथित एस्टेट का प्लॉट नं० 14 जिसका केडेट्रल सर्वे नं० 548 है ।

श्री० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 31-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1/1422/नवम्बर 75—अतः, मुझे,
व्ही० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० बी० एस० नं० 11 है, जो मलबार हिल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वर्तमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जया चंदरसी उदेशी (अन्तरक)

2. श्रीमती कमला किशनचन्द भतीजा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यावाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी
वाडियों, किराए के आवासों और मकान सहित, जो बालकेश्वर
रोड, मलबार हिल पर बम्बई रजिस्ट्रेशन उप-जिले में स्थित, मौजूद
और पड़ा हुआ है, जो पैमाइश में 60 (साठ वर्ग मीटर) 72 वर्ग
गज के आस पास है और जो नीचे लिखे प्रकार से घिरा हुआ है :—
पूर्व की ओर बालकेश्वर रोड, पश्चिम की ओर सी० एस० नं०
10 वाली जमीन, उत्तर की ओर भिमा नागू की जमीन जिसका सी०
एस० नं० 12 है और दक्षिण में बसनजी डोसा की जमीन जिसका
सी० एस० नं० 5 है जो जमीन दादभाई सम्पत्ती व परिसर भू-
राजस्व कलक्टर के रिकार्ड में मलबार हिल डिवीजन के नये
सर्वेक्षण 7261, केडेटल सर्वेक्षण सं० 11 के अंतर्गत और डी-
वार्ड के दारों व करों के निर्धारक एवं कलक्टर के रिकार्ड में सं०
2987, स्ट्रीट नं० 264, क, बालकेश्वर रोड, बम्बई के अंतर्गत
दर्ज है ।

व्ही० आर० अमीन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 2-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना, 411004, दिनांक 28 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5 पनवेल /नवम्बर 75/291—यतः,
मुझे, व्ही० एस० गायतोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या सं० क्र० 439, हिस्सा क्र० 2 है तथा जो पनवेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पनवेल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री विजय दत्तात्रय बेल्हाल

(2) श्री विष्णु दत्तात्रय बेल्हाल सी०/36, मेहता अपार्टमेंट्स दादर, बंबई-28 (अन्तरक)

2. मे० राजहंस, पार्टनर्स:—(1) श्री दत्तात्रय राजाराम बेल्हाल (2) श्री नीलकण्ठ दत्तात्रय बेल्हाल सी० 36, मेहता अपार्टमेंट्स, दादर, बंबई-28 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीसेल, एन० ए० फांट सर्वे क्र० 439 हिस्सा क्र० 2, पनवेल, जिल्ला कुलाबा, क्षेत्रफल 36½ गुंठे

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 177 नवम्बर 75 में सब रजिस्ट्रार पनवेल के दफ्तर में लिखा है)

व्ही० एस० गायतोंडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 28-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

60/61 एंरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना 411004, दिनांक 28 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/पनवेल/नवम्बर 75/292—यतः,
मुझे, व्ही० एस० गायतोंडे
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० क्र० 439 हिस्ता क्र 1 है तथा जो पनवेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पनवेल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री विजय दत्तात्रय बेल्हाल (2) श्री विष्णु दत्तात्रय बेल्हाल सी०/36, मेहता अपार्टमेन्ट्स, दादर, बंबई-28 (अन्तरक)

2. मे० राजहंस, पार्टनर्स :— (1) श्री दत्तात्रय राजाराम बेल्हाल (2) श्री नीलकंठ दत्तात्रय बेल्हाल सी०/36, मेहता अपार्टमेन्ट्स, दादर, बंबई-28 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड एन० ए० प्लॉट, सर्वे क्र० 439, हिस्सा क्र० 1 पनवेल, जिला कुलाबा क्षेत्रफल 36½ गुंटे।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 178, नवम्बर 75 में सब रजिस्ट्रार पनवेल के दफ्तर में लिखा है)

व्ही० एस० गायतोंडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 28-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5294/75-76/ए० सी० क्यू०/
बी०---यतः, मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 46 है, तथा जो हचिन्स रोड II फ़ास, बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 4-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री सिल्विन आर्नालड कोर्नेलियस नं० 46 हचिन्स रोड
II फ़ास, सिविल स्टेशन, बंगलूर (अन्तरक)

2. (1) श्री मैकल जोसफ निकोलोस

(2) श्रीमती एम० ए० निकोलोस W/o श्री एम० जे०
निकोलोस

(3) श्रीमती टी० एम० किंग W/o आर० आर० किंग व
(1) व (2) की पुत्री कोरमान्डल पोस्ट, कोलार गोल्ड फील्ड्स ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2667/75-76 ता० 4-12-1975)

गृह नं० 46 हचिन्स रोड II फ़ास, बंगलूर (डिविजन नं०
49) अवस्थान क्षेत्रफल:--

उत्तर : 40' 7"	} 2356 वर्ग फीट
दक्षिण : 35' .9"	
पूर्व : 63'	
पश्चिम : 61' .3"	

गृह क्षेत्र:--1675 वर्गफीट (1300 वर्गफीट अच्छा निर्माण
375 वर्ग फीट साधारण निर्माण)

सीमाएं: उत्तर: हचिन्स रोड II फ़ास, बंगलूर

दक्षिण: नं० 12 व्हीलर रोड

पूर्व: व्हीलर रोड

पश्चिम: नं० 46/1 हचिन्स रोड II फ़ास

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 19-7-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5295/75-76/एव्यू०/बी०—

यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 46/1 है, तथा जो हचिंस रोड II क्रस, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० [4-12-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सेल्वन आर्नाल्ड कोर्नेलियस नं० 46 हचिंस रोड II क्रस, बंगलूर-560005 (अन्तरक)

2. (1) श्री मैकल जोसफ निकोलस

(2) श्रीमती एम० ए० ए० निकोलस पत्नी श्री एम० जे० निकोलस

(3) श्रीमती टी एम० किंग व पुत्री (1) व (2) की कोर-मान्डल पोस्ट, कोलार गोल्ड फील्ड्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2668/75-76 ता० 4-12-1975)

गृह अवस्थान नं० 46/1 हचिंस रोड II क्रस (डिविजन नं० 49), सिविल स्टेशन, बंगलूर।

अवस्थान क्षेत्रफल :

उत्तर : 65'	} 2560 वर्गफीट
दक्षिण : 63'	
पूर्व से पश्चिम : 40'	

सीमाएं :

उत्तर : हचिंस रोड II क्रस

दक्षिण : नं० 12 व्हीलर रोड

पूर्व : नं० 46 हचिंस रोड II क्रस

पश्चिम : नं० 47 हचिंस रोड II क्रस

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 19-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5342/75-76/ए० ० सी० यू०/बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1608 (1108/50) है, तथा जो 40 कास IV T ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-12-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) पी० सी० सत्यनारायण शेटी, पुत्र चिन्नस्वामी शेटी,

(2) पी० एस० सूर्यनारायण (3) पी० एस० अशोक कुमार, (श्री पी० सी० सत्यनारायण शेटी के पुत्र) नं० 1608

(1608/50) 40 ए कास, 18 मैन्, IV टी० ब्लॉक जयनगर बंगलूर-11 (अन्तरक)

2. श्रीमति शारदम्मा, पुत्री गौरम्मा नं० 8-1 कास बुधिनगर रोड, बंगलूर-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2526/75-76 दिनांक 4-12-75)

गृह नं० 1608 (1608/50) 40वां कास IV 'टी' ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-11

अवस्थान क्षेत्रफल : पूर्व से पश्चिम : 45' } 2700 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 60'

गृह क्षेत्र:—20 स्कोयर्स

सीमायें:—

पूर्व: अवस्थान नं० 1607

पश्चिम:—अवस्थान नं० 1609

उत्तर: सड़क

दक्षिण: अवस्थान नं० 16/4 व 1615

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-7-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

नं० 3084 परमहंसा रोड, यादवगिरी, मैसूर-2 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 14 जुलाई, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5441/75-76/ए० सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० 3084 है तथा जो परमहंसा रोड, 1 मैन यादवगिरी, देवराज मोहल्ला, मैसूर 2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 (1) एच० एस० शिवप्पा पुत्र होसट्टि सुब्बना
- (2) एस० बसवराज पुत्र एच० एस० शिवप्पा
- (3) बी० लोकेश (4) श्रीमति उषा देवी (5) बी० राजशेखर
- (6) बी० सोमशेखर (7) बी० उमा शंकर (8) कुमारी राजेश्वरी
- (9) कु० बी० गायत्री (सं० 3 से 9 एस० बसवराज के पुत्र)
- (सं० 6 से 9 प्रतिनिधि : रक्षकर्ता व पिता : एस० बसवराज

2. (1) श्री पी० एन० बालसुब्रह्मणी सेट्टी, (2) श्री पी० एन० वेणुगोपाल गुप्ता (3) श्री पी० एन० विश्वनाथ सेट्टी (तीनों श्री पुट्ट नागराज सेट्टी के पुत्र), नं० 891 लक्ष्मीपुरम मैसूर-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3077/75-76 तारीख 22-12-75]

गृह नं० 3084, परमहंसा रोड 1 मैनरोड, यादवगिरी देवराज मोहल्ला, मैसूर-2

अवस्थान क्षेत्रफल

पूर्व से पश्चिम : 168' } 2463 वर्ग यार्डस या
उत्तर से दक्षिण : 131' 4" } 22176

वर्ग फीट

गृह क्षेत्र :—62 स्क्वोयर्स

सीमाएं :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : श्री बी० एस० एन० राव का खाली अवस्थान

दक्षिण : सड़क

उत्तर : श्री एच० एस० राम राव व कारियप्पा का गृह।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 14-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जुलाई, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5444/75-76/ए० सी० ब्यू०/बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2718/1, 2718/2 (नयानं० 55/1, व 55/2) है, तथा जो 54 III मैन रोड, वाणिजिलासपुरम, देवराज, मोहल्ला, मैसूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमति बी० एच० शकुन्तला बाई पति स्व० बी० हनुमन्त राव

(2) बी० एच० लक्ष्मण राव (3) श्रीमति बी० एच० शांता बाई (4) बी० एच० उमा बाई (बी० एच० शकुन्तला बाई के पुत्र) (5) सुभसा (अल्पवयस्क) प्रतिनिधि : बी० एच० शांता बाई (माता) नं० 2718 III मैन रोड, वाणिजिलासपुरम, देवराज मोहल्ला, मैसूर-2 (अन्तरक)

I 2—206जीआई/76

2. श्रीमति : बी० सुधासिनी पति श्री बी० रघुवीर (पर्यवेक्षक बिजली विभाग, पेरम्बूर, कैरियज फेक्टरी, सं० रेलवे मद्रास) नं० 2718/1 III मैन, वाणिजिलासपुरम, देवराज मोहल्ला, मैसूर-2 (अन्तरिती)

3. श्री विष्वनाथन नं० 2718/2 देवराज मोहल्ला, III मैन रोड, वाणिजिलासपुरम, मैसूर-2 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 3130/75-76 तारीख 29-12-75]

गृह नं० 2718/1 व 2718/2 (नयानं० 55/1 व 55/2) (अवस्थान नं० 54 पर बनाया) III मैन रोड, वाणिजिलासपुरम, देवराज मोहल्ला, मैसूर-2

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : दक्षिणी भाग : 119'	} 7213 वर्ग फीट
पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग : 110'	
उत्तर से दक्षिण : पूर्वी भाग : 41'	
उत्तर से दक्षिण : पश्चिम भाग : 85'	

गृह क्षेत्र : 12 स्कोयर्स

सीमाएं :—

पूर्व : I क्रॉस

पश्चिम : नं० 53 राजा राव का घर

दक्षिण : वाणिजिलासपुरम III मैन रोड

उत्तर : बेचनेवाले की संपत्ति नं० 2718

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 15-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जुलाई 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5456/75-76/ए० सी० क्यू०/
बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० 54 (का भाग) है, तथा जो 54/38 III मैन रोड
IV ब्लाक, जयनगर बंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 26-12-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (1) श्रीमती एस० बनजा पुत्री पी० टी० संगोद मुदलि-
यार (2) श्रीमति एस० लक्ष्मम्मा पत्नि बी० निरमला नं० 26
संगुन्धर स्ट्रीट, तिरुप्पत्तूर (उत्तर आर्काट जिला) (अन्तरक)

2. डा० एन० प्रकाश, पुत्र डा० एच० नारायण राव
प्रतिनिधि : डा० एच० नारायण राव नं० 571, 43 क्रास,
VIII ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-41 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2701/75-76 ता० 26-12-75]

अवस्थान नं० 54 दक्षिणी भाग का आधा हिस्सा-अर्थात् अवस्थान
नं० 54/38, III मैन रोड, VII ब्लाक, जयनगर बंगलूर-11 ।

अवस्थान क्षेत्रफल :

पूर्व से पश्चिम : 70'
उत्तर से दक्षिण—60' } 4200 वर्ग फीट

सीमाएं :—

पूर्व : III मैन रोड

पश्चिम : अवस्थान नं० 53

उत्तर : अवस्थान नं० 54 का भाग—सब डिविजन नं०

38/1,

दक्षिण : अवस्थान नं० 55 व 56

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 21-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 अगस्त, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5333/75-76/ए० सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 93 (पुराना नं० 6) है, तथा जो आरुमुखम मुदलियार लैन, चिकपेट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-12-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० एन० बालसुब्रह्मण्यम पुत्र जी नागराज शेटी 10 देवानखाना लैन, चिकपेट, बंगलूर, सिटी। (अन्तरक)

2. (1) श्री डी० एम० चिन्नपापय्या शेटी पुत्र स्व० मादय्य शेटी नं० 3 V रोड, चामराजपेट, बंगलूर

(2) डी० पी० अश्वन्थनारायण शेटी, "माधवचन्द्र निवास" चिक्कन गाडेंस, V मैन रोड, चामराजपेट, बंगलूर (अन्तरिती)

4. श्रीमति ललितम्मा नं० 6 ए० एम० लैन, चिकपेट बंगलूर। (वह व्यक्ति जिसके बारे में

अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3179/75-76 ता० 10-12-75)

गृह नं० 93 (पुराना नं० 6) का भाग, आरुमुख मुदलियार लैन (म्युनिसिपल डिविजन नं० 116), चिकपेट, बंगलूर में स्थित।
क्षेत्रफल : 8022 वर्ग फीट।

सीमाएं :—

उत्तर : नागूसा व गुरुसिद्धप्पा की संपत्ति।

दक्षिण : आरुमुखम मुदलियार लैन

पूर्व : नागूसा व कृष्णप्पा की संपत्ति

पश्चिम : सफलचन्द्र गुरुसिद्धप्पा व बीर भद्रय्या की संपत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 2-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जून 1976

निदेश सं० 64-बी/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० दो मंजिला मकान है तथा जो सनई बाजार, पुरानी
कोतवाली मिर्जापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिर्जापुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
2-12-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवान दास व अन्य विक्रेतागण (अन्तरक)

2. श्री बन्नीनारायण व नर नारायण विक्रेता के कब्जे में
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दो मंजिला मकान 118 फिट 6 इंच लम्बा उत्तर दक्षिण और
जो कि लगभग सन 1924 का निर्मित है। यह मकान मुहल्ला सनई
बाजार, पुरानी कोतवाली मिर्जापुर में स्थित है ।

फ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 19-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जून 1976

निर्देश सं० 65-बी/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिला मकान है तथा जो मोहल्ला सनई बाजार
पुरानी कोतवाली मिर्जापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
मिर्जापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 2-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवान दास वगैरह (अन्तरक)

2. श्रीमति बिमला देवी व सुशीला देवी विक्रेता के कब्जे में (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान माप 118'-6" लम्बा उत्तर दक्खिन,
लगभग 50 वर्ष पुराना जो कि मोहल्ला सनई, पुरानी कोतवाली
मिर्जापुर में स्थित है।

फ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 19-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई 1976

निर्देश सं० 52-के/अर्जन अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य बाजार 25,000/-रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि नं० 1512 रुकवा है तथा जो कि मौजा
मोह्वतपुर मोहम्मदवाद गोहना जिला आजमगढ़ में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मुहम्मदवाद गोहना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-12-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीहरी नारायण एवं अन्य (अन्तरक)
2. श्री किशोर यादव विक्रेता (अन्तरिती)
3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 1512 एकक तादादी 2-089 जो कि
मौजा मोह्वतपुर प० मोहम्मदवाद गोहना जिला आजमगढ़ में
स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 जुलाई 1976

निर्देश सं० 35-जे० (बी)/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 528/1/1-5 आदि है तथा जो कि ग्राम दसै लिया परगना व तहसील खैराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-12-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार दीक्षित एवं अन्य (अन्तरक)

2. श्री जगीर सिंह एवं अन्य (अन्तरिती)

3. श्री अशोक कुमार एवं अन्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नम्बर 528/1/2-5 आदि जो कि ग्राम दसै लिया परगना व तहसील खैराबाद जिला सीतापुर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 24-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री वीर प्रताप साहू (अन्तरक)

2. मै० सम्पत्ति सेवा संस्थान (रजि० पार्टनरशिप फर्म)

एवं अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 जुलाई 1976

निर्देश सं० 9-I (बी)/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी० 53/92-93 है तथा जो कमच्छा वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० डी० 53/92-93 जिसका क्षेत्रफल लगभग—
15797 वर्ग फीट है मय चाहार दीवारी, जो कि कमच्छा वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 28-7-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 जुलाई, 1976

1. श्री बाला दीनराम जयसवाल व अन्य

(अन्तरक)

2. मीरादेवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

निर्देश सं० 82-एम०/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 है तथा जो मलदीहया—वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पू रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—206GI/76

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 6 जिसका रकबा 3768 वर्गफीट है। जो कि मु० मलदीहया शहर वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 29-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमति कनीज हैदर व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी शैल कुमारी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 जुलाई, 1976

निर्देश सं० 126/एस एस०/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 112/17 है तथा जो राम रोड, लखनऊ में स्थित
है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 29-12-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-क के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

एक किला मकान नं० 112/17 जो कि श्री राम रोड—अमीना-
बाद लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 29-7-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 अगस्त 1976

निदेश सं० 25-डी/अर्जन--अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान का है तथा जो कि मोहल्ला कानून गोयान मोरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1975

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति मेहर बिश वाले बेगम (अन्तरक)
2. श्री दिनेश चन्द्र (अन्तरिती)
3. विक्रेता के (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग मकान का माप 671 वर्ग गज जो कि मोहल्ला कानून गोयान मुरादाबाद में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 3-8-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 जीप प्लग लाइट इन्डस्ट्रीज लि० (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री मुजमिल हसन एवं अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 अगस्त 1976

निदेश सं० 83-एम/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन का प्लॉट बंगला नं० 26 द्वारा कब्जा है तथा जो कि सरोजनी नायडू मार्ग इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट बंगला नं० 26 द्वारा कब्जे में नाप 3 एकड़ 13 पोल जो कि सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख 3-8-1976
मीहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 अगस्त 1976

निदेश सं० 97-आर०/एसीक्यू—अतः मुझे अमरसिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/2 भाग मकान का है तथा जो कि मोहल्ला कानून गोयान मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमति मेहरविश वासू बेगम (अन्तरक)
2. श्री रमेश चन्द्र (अन्तरिती)
2. विक्रेता के (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान का ताप 671 वर्ग गज जो कि मोहल्ला कानून गोयान मुरादाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 3-8-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० ब्यू०-23-1-807 (384)/11-1/75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सिटी सर्वे नं० 4/ए०-1, सर्वे नं० 83-7/ए-1 तथा 82-2/ए-1 है, जो जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) उर्मिला सुभाषचन्द्र पटालीया,

(2) लीलावती बेन हरजीवनदास वारदानवाला, (3) उषाबेन हरजीवनदास वारदानवाला, अस्पताल रोड, जामनगर (अन्तरक)

(1) श्री मणीशंकर प्रभाशंकर रावल, (2) श्रीमति कांताबेन मणीशंकर रावल, (पुष्पांजली", स्वास्तिक सोसायटी, जामनगर ।

(अन्तरिती)

(1) लार्डफ इंग्लोरेस कार्पोरेशन आफ इन्डिया, सुपर मार्केट, जामनगर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 4/ए-1, 83/7/ए-1 तथा 82/2/ए-1 है तथा जिसका प्लॉट क्षेत्रफल 501 वर्ग मीटर है तथा जो सुपर मार्केट के सी बलाक की दूसरी मंजिल पर, जामनगर में स्थित है ।

जे० कथूरिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री शशीकांत बटुकभाई पट्टणी अनंतवाडी, भावनगर
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 5 जून 1976

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 826(416)/5-1/75-76—

यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे० न० 266, अनंत वाडी र, जो वडवा भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री नवजीवन को० प्रो० हाऊसिंग सोसायटी लि० की ओर से प्रमुख :—श्री एम० एम० मेहता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिस का कुल क्षेत्रफल 3902 वर्ग गज है तथा जिस का सर्वे० न० 266 अनंतवाडी है तथा जो वडवा भावनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख 5-6-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०— -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269.ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई, 1976

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23 -I-898 (432)/1-1/
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269.ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 19 (भाग), एफ० पी० नं० 22/1, टी० पी०
एस० नं० 6 है, जो प्रभुदास ठक्कर आर्ट्स, कोमर्स, और सायन्स
कालेज रोड, पालड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 20-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269.ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269.ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ऋतुराय को ओप० हाऊसिंग सो० लि०, की ओर से:—
श्री भोगीलाल जी० शाह, मुनसफ की खड़की, धनासुतार की
थाल, अहमदाबाद -1 (अन्तरक)

(2) ऋतुराय शोपिंग सेंटर को० ओप० सो०, की ओर से
मुख्य प्रयोजक :—श्री कल्याणभाई जगधीभाई देसाई, पालड़ी,
अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1204 वर्ग
गज है जिसका सर्वे नं० 19 (भाग), एफ० पी० नं० 22/1, टी०
पी० एस० 6 है और जो ठक्कड़ प्रभुदास आर्ट्स, कोमर्स और
सायन्स कालेज रोड, पालड़ी, अहमदाबाद पर स्थित है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 3-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमति सुशीला सिंघल 7/177, स्वरूप नगर, कानपुर
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी, 1976

निदेश सं० 810-ए/अर्जन/कानपुर/75-76/2594—अतः

मुझे एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
12-12-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
14—206GI/762. (1) श्री कन्हैया लाल मतलानी (2) श्री श्रोम प्रकाश
मतलानी (3) श्रीमति सीतादेवी मतलानी सभी निवासी
111/406, अणोक नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 7/177 जो स्वरूपनगर कानपुर
में स्थित है, 1,65,000 रु० के मूल्य में हस्तान्तरित किया गया
है।एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुरतारीख : 2-2-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निर्देश सं० 991/अर्जन/कानपुर/75-76/141—अतः

मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हसन अब्बास जाफरी बल्द मोहम्मद इब्राहीम जाफरी 88/373, हुमायूं बाग, चमन गंज, कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमति बशीरुन निशा जौजे अब्दुल अब्बास (2) श्रीमति आलिया खातून जौजे अब्दुल अब्बास, 88/31-बी, पेशकर रोड, चमनगंज, कानपुर (3) समीरुन निशा जौजे अब्दुल रज्जाक 88/76, चमन गंज, पेशकर रोड, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट क्षेत्रफल 423 वर्गगज, प्लॉट नं० 223, ब्लॉक 'बी' जो सुजातगंज कानपुर में स्थित है, 13,536 3 0 मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-4-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एस० एन० सेठ, 48/128 जनरलगंज, कानपुर
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मई 1976

निदेश सं० 971-ए/अर्जन/कानपुर/75-76/532—अतः

मुझे विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-12-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री जे० पी० गुप्ता (2) श्रीमती लक्ष्मी देवी गुप्ता (3) श्रीमती मुन्नी गुप्ता (4) मास्टर आरविंद गुप्ता मि० 58/45, बिरहाना रोड, कानपुर। (अन्तरिती)

3. श्री जी० एन० सेठ (2) एच० एन० सेठ (3) त्रिलोकी नाथ सेठ (4) अमर नाथ सेठ (5) सुरेंद्र नाथ सेठ (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 1/5 अविभाजित भाग प्लॉट नं० 7/81—की वाकै खलासी लाइन्स, कानपुर जो 22,000 रु० मूल्य में हस्त-अन्तरित किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० अर्जन/994-ए/देहरादून/75-76/847--

अतः मुझे विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-12-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भगवती देवी पत्नी श्री बृज मोहन गुप्ता, 43 कन्वी रोड, देहरादून हाल 424 खुडबरा मोहल्ला, देहरादून।
(अन्तरक)

2. श्री मन्धर दास गुप्ता, पुत्र श्री केवल राम गुप्ता मार्फत बैंक आफ इंडिया इन्दौर, ब्रांच संथा बाजार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नम्बर 12/1 क्षेत्रफल 922 वर्ग फुट (निचला हिस्सा) और 115 वर्ग फुट (फुट फलोर) बाकै राजेंद्र नगर कालोनी कोलागढ़ देहरादून जो कि 45,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 जून 1976

निदेश सं० 1085/कानपुर/75-76/683—अतः मुझे
विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इस उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-12-1975
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवीदास कपूर पुत्र श्री जीतमल कर नि० 45/62,
गया प्रसाद लेन, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री माधव राम बाथम पुत्र कर्ता राम (3) श्री राजाराम
बाथम पुत्र श्री कर्ताराम बाथम नि० 133/38, जुही कानपुर।

(अन्तरिती)

3. श्रीमति कांता अरोरा पत्नी श्री जसवन्त अरोरा नि०
125/17, ब्लॉक 'ओ' गोविंद नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोविंद नगर कानपुर में स्थित प्लॉट नं० 18 ब्लॉक 'ओ'
जिसकी माप 213 वर्गगज है इसका हस्तान्तरण 12,780/—
में किया गया है।

विजय भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 29-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 जून 1976

निदेश सं० अर्जन/1086/कानपुर/75-76/684—अतः

मुझे विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवीदास कपूर पुत्र श्री जीतमल कपूर नि० 45/62, गया प्रसाद लेन, कानपुर, (2) श्री माधवराम वाथम पुत्र कर्ताराम वाथम (3) श्री राजाराम वाथम पुत्र श्री कर्ताराम वाथम, नि० 133/38, जुही, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती माया देवी पत्नी श्री राजेंद्रनारायण वाजपेई नि० 127/टी/3, विनोबा नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि-बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक 'ओ' गोविंद नगर कानपुर में स्थित प्लॉट नं० 24, जिसकी माप 353 वर्गगज इसका हस्तान्तरण क्र० 21,180/— में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जून 1976

निदेश सं० एफ० नं० 989-ए/अर्जन/देहरादून/75-76/685—अतः मुझे, विजय भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-12-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महन्त श्री राजेंद्र प्रसाद पुत्र चेला स्व० श्री महन्त भाई राम दास नि० सेंट मीर 16, ई० सी० रोड, देहरादून (अन्तरक)

2. पंचशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि० 5—कुरजन रोड, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेंट मीर स्टेट का भाग जो 16 ई० सी० रोड देहरादून पर स्थित है इसका क्षेत्रफल 2.47 बीघा है जिसका हस्तान्तरण 75,000/- रु० में हुआ है।

विजय भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जून 1976

निदेश नं० अर्जन/1147/देहरादून/75-76/686:—अतः
मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो
अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सतपाल सभरवाल पुत्र मोतीराम सभरवाल
वि० 32, मेहर कालोनी वर्तमान पता 87-डी नारी शिल्प
मार्ग मन्दिर मेहर कालोनी टैगोर विला देहरादून।
(अन्तरक)

(2) (1) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री परमानन्द निवासी
20-आड़त बाजार देहरादून।

(2) श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी गोविन्द राम नि०
30-आड़त बाजार देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला इमारत जिसका प्लॉट नं० 32 नया नं०
87 डी० जिसकी माप 3200 वर्गगज है जो नारी शिल्प मंदिर
रोड मेहर कालोनी टैगोर विला, देहरादून में स्थित है। जिसका
हस्तान्तरण 1,40,000/- में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-6-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई 76

निदेश नं० एक० 1132/अर्जन/मथुरा/75-76/687--

अतः मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

15-206GI/76

(1) श्री दयाल चन्द भाटिया पुत्र श्री चेत राम भाटिया निवासी कृष्णा नगर मथुरा । (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा कुमारी शर्मा पत्नी श्री हरी मोहन निवासी माट जिला मथुरा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

व्याख्या—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 29-बी, कृष्णा नगर, मथुरा में स्थित जिसकी माप 600 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण 45,000/- रु० में हुआ है ।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-7-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई 76

निदेश नं० एफ०/अर्जन/1039/देहरादून/75-76/688—

अतः मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-12-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी रानी इन्दरजीत सिंह (रानी बीना कुमारी इन्दरजीत सिंह) निवासी म० नं० 8-बी० उगर रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) मेजर गजेन्द्र माला पुत्र स्व० श्री भारथ माला निवासी 8-बी०, उगर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 8-बी जिसकी माप 7250 वर्गफीट है जो उगर रोड, देहरादून में स्थित है इसका हस्तान्तरण 55,000/- रु० में हुआ है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जुलाई 76

निदेश नं० अर्जन/1134/आगरा/ 75-76/689--

अतः मुझे, विजय भार्गव,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 21-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती सुशीला गौड़ पत्नी श्री केदार नाथ गौड़
नि० 3/18 नगला ढाकरान समीप सुभाष पार्क
सिविल लाइन्स, आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द गुलाटी सुत श्री कुन्दनलाल गुलाटी,
निवासी हींग मण्डी, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 3/18, ब्लॉक नं० 12, जिसकी माप
168 वर्गगज जो सुभाष पार्क, महात्मा गांधी रोड आगरा
में स्थित है इसका हस्तांतरण 40,000/- में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 8-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई, 1976

निदेश नं० अर्जन/1136/ आगरा/75-76/790 —

अतः मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुशीला गौड़ पत्नी श्री केदारनाथ गौड़ नि० 3/18, नगला ढाकरान, निकट सुभाष पार्क सिविल लाइन्स, आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण गोपाल गुलाटी पुत्र श्री कुन्दनलाल गुलाटी, हींग की मण्डी आगरा नं० 8/350,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 3/18 का भाग जिसका क्षेत्रफल 168 वर्गगज है जो महात्मागांधी रोड, समीप सुभाष पार्क, सिविल लाइन्स, आगरा में स्थित है इसका हस्तान्तरण रु० 40,000/- में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 26 जून, 1976

निदेश सं० फग०/57/76-77—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो चचोली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री घमण्डी,
गांव चचोली।

(अन्तरक)

2. श्री कर्म सिंह सुपुत्र श्री वरयाम सिंह,
मार्फत श्री ० के० इन्डस्ट्रीज, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 कनाल 12 मरले भूमि चचोली में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1507 दिसम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

रविन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 26 जून, 1976
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd July 1976

No. P/556-Admn. I.—The Union Public Service Commission have been pleased to appoint Shri M. M. Thomas, a permanent officer of the Selection Grade of Central Secretariat Service and officiating as Additional Secretary & Controller of Examinations, Union Public Service Commission, to officiate as Secretary of the Commission with effect from the forenoon of 23rd July, 1976, until further orders.

No. P/1824-Admn. I.—Consequent on his having been approved for appointment as Director General of Rehabilitation in the Department of Rehabilitation vide Order No. F. 19(5)-EO/76(SM) dated 21st July, 1976 issued by the Office of the Establishment Officer, Department of Personnel & Administrative Reforms, Shri A. C. Bandyopadhyay, I.A.S., is relieved of the duties of the office of Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the forenoon of 23rd July, 1976 and his services are placed at the disposal of the Department of Rehabilitation with effect from the same date.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
for Chairman

Union Public Service Commission,

New Delhi-110011, the 23rd July 1976

No. A. 32014/1/76-Admn. III.—In continuation of this office notification of even number dated 21-6-76, the President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 14 days from 18-7-76 to 31-7-76 or until further orders whichever is earlier.

The 24th July 1976

No. A.31014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Assistants' Grade of the Central Secretariat Service officiating in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission and included in the Select List of Section Officers' Grade in respect of the same cadre, substantively in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date specified against each :—

S. No.	Name	Date of confirmation	Remarks
1.	Shri B.B. Murmu . . .	1-6-74	
2.	Shri R.N. Sharma . . .	1-7-74	
3.	Shri A. K. Poddar . . .	1-8-74	Since retired w.e.f. 21-12-1975
4.	Shri P. L. Matta . . .	14-8-74	
5.	Shri S. Banerjee . . .	7-11-74	
6.	Shri Panna Lal . . .	7-11-74	
7.	Shri N. Ramanathan . . .	7-11-74	
8.	Shri H. M. Biswas . . .	7-11-74	
9.	Shri Jit Singh . . .	28-11-74	
10.	Shri K. M. Bhattacharjee . . .	1-4-75	Since retired w.e.f. 31-12-75
11.	Shri B.K. Bhattacharya . . .	1-5-75	
12.	Shri Y. R. Gandhi . . .	1-6-75	
13.	Shri Vaid Parkash . . .	16-9-75	
14.	Shri S.K. Mishra . . .	1-10-75	

P.N. MUKHERJEE,
Under Secy.

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS)
ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 19th June 1976

No. A.-24/5/75—The following Enforcement Officers have been appointed to officiate as Chief Enforcement Officers with effect from the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of postings and dates of assumption of charge are indicated against each :—

S.No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri H.C. Gulati . . .	Headquarters	2-6-76
2.	Shri T.M.V. Chari . . .	Calcutta	20-5-76
3.	Shri N. K. Roy . . .	Trivandrum	27-5-76

S. B. JAIN,
Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th July 1976

No. 5/24/73-AD. I.—The President is pleased to appoint the following officiating Assistant Director/Superintendents of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment as Superintendents of Police, Central Bureau of investigation/Special Police Establishment in a substantive capacity with effect from 1-4-76 (Forenoon):—

S/Shri

1. B. B. Upadhyay, Assistant Director,
2. Ramendra Singh, Supdt. of Police,
3. K. Madhavan, Supdt. of Police,
4. Santanu Sen, Supdt. of Police,

No. 1/5(16)73-AD. I.—The President is pleased to appoint Shri Harbans Singh, officiating Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment from Uttar Pradesh, as Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation Special Police Establishment in a substantive capacity on permanent absorption with effect from 1-4-76 (Forenoon).

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E)
C.B.I.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd July 1976

No. 2/10/76-Admn.—On return from leave, Shri Rabinder Nath, Research Officer, Central Vigilance Commission, assumed charge of the post of Section Officer, in the Commission with effect from the forenoon of 12th July, 1976, until further orders.

The 24th July 1976

No. 2/38/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. S. Venkatachalam, a permanent Personal Assistant of the Central Vigilance Commission as Senior Personal Assistant in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 13th July, 1976, until further orders.

Smt. C. NARAYANASWAMY,
Deputy Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE
POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 24th July 1976

No. O-II-33/76-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri N. S. Vasudevan, an IPS Officer of Karnataka Cadre as DIG in the CRPF.

2. Shri Vasudevan took over charge of the post of DIG, CRPF, Neemuch on the forenoon of 12th July, 1976.

No. O-II-31/76-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri R. K. Trivedi, an IPS Officer of West Bengal Cadre, as D.I.G. in the CRP Force.

2. Shri Trivedi took over charge of the post of D.I.G., CRPF Calcutta on the forenoon of 7th July 1976.

The 26th July 1976

No. O-II-1033/75-Estt.—The services of Dr. (Mrs.) Shyama Raina, J.M.O., Base Hospital, C.R.P.F., New Delhi are terminated w.e.f. the forenoon of 10th May, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 26th July 1976

No. E-38013(3)/12/76-GA. II.—On transfer from the Office of Inspector General Central Industrial Security Force, New Delhi, Sh. M. M. Thapar, assumed the charge of the post of Assistant Commandant (Junior Administrative Officer), in the Office of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, Northern & Western Zone with Headquarters at New Delhi, with effect from the Afternoon of 14th June, 1976.

L. S. BISHT,
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 28th July 1976

No. 2/1/75-RG(Ad.I)—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Deputy Directors of Census Operations in the respective offices mentioned against them,

in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 12 July 1976 until further orders:

S. No.	Name and designation	Office in which appointed as Dy. Director of Census Operations	Headquarters
1.	Shri Tirath Das, Assistant Central Tabulation Officer	Director of Census Operations, Madhya Pradesh.	Bhopal
2.	Shri N. Rama Rao, Assistant Director of Census Operations (Technical)	Director of Census Operations, Maharashtra	Bombay
3.	Shri J. C. Kalra, Assistant Director, of Census Operations (Technical)	Director of Census Operations, Bihar	Patna
4.	Shri S.R. Luhadia, Assistant Director of Census Operations (Technical)	Director of Census Operations, Madhya Pradesh	Bhopal

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secy.

S. V. P. NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 22nd July 1976

No. 41/6/76-Estt.—Shri P. D. Malaviya an officer of the I.P.S. of M.P. Cadre assumed charge of the post of Deputy Director (Admn.) in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad with effect from the forenoon of 15-7-1976.

S. M. DIAZ,
Director.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 26th July 1976

No. Admn. I/O.O. 371/P.F./N. Mukherjee/1175.—In pursuance and on expiry of the notice served by him on this office under F.R.56(K), the Accountant General Central Revenues, hereby permits Sh. N. Mukerjee, an officiating Accounts Officer of this office, to retire from Govt. Service w.e.f. 12-7-76 F.N.

His date of birth is 1st August 1924.

H. S. DUGGAI,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 21st July 1976

No. 40011(2)/76/AN-A—(i) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name	with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
1	2		3	4	5
	Sarvashri				
1.	Basheshar Nath Magoo, (P/317)		Permanent Officer, Accounts	31-10-76	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
2.	J. N. Saha (P/406)		Permanent Officer, Accounts	31-12-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
3.	S.M. Rajpathak, (P/438)		Permanent Officer, Accounts	30-9-76	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.

1	2	3	4	5	
	Sarvashri				
4.	P.R. Ghosh Dastidar (P/467)	Permanent Officer.	Accounts	31-12-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
5.	K.B.L. Narasimha Charlu, (P/533)	Permanent Officer.	Accounts	31-8-76	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
6.	B.G. Majumdar (P/551)	Permanent Officer.	Accounts	31-12-76	Controllor General of Defence Accounts, New Delhi.
7.	Prabir Chandra Ghosh (P/572)	Permanent Officer.	Accounts	31-12-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
8.	Gorkal Sreenivasa Moorthy (P/597)	Permanent Officer.	Accounts	31-10-76	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
9.	Ajit Kumar Sen (NYA)	Officiating Officer.	Accounts	31-12-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
10.	V.K. Kolhatkar (NYA)	Officiating Officer.	Accounts	30-9-76	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.

- (2) (a) The following amendment is made under column 5 "Organisation" in this department notification No. 40011(2)/75-AN-A dated 27-4-1976 against serial No. 1—Shri S. Rajagopalan, Permanent Accounts Officer :—

For—"Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona"

Read—"Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras".

- (b) The following is added as sub para to para (1) of this department notification bearing No. 40011(2)/75-AN-A dated 27-4-76.

"Shri S. Rajagopalan Permanent Accounts Officer has been sanctioned half pay leave for 47 days from 15-6-76 to 31-7-76 pending his retirement".

- (3) The following is added as sub para to para 1 of this department notification bearing No. 40011(2)/75-AN-A dated 5-4-76.

"(iii) Shri Gyan Chand, Permanent Accounts Officer has been granted 29 days earned leave from 2-6-76 to 30-6-76 pending his retirement".

- (4) The following is added as sub para to para 1 of this department notification bearing No. 40011(2)/75-AN-A dated 5-5-76.

"Shri S. Subbarayudu Permanent Accounts Officer has been granted leave as under :—

(i) EL for 16 days from 8-7-75 to 23-7-75

(ii) Half Pay leave for 76 days from 24-7-75 to 7-10-75

(iii) EOL without Pay & Allowances for 85 days from 8-10-75 to 31-12-1975".

- (5) The following amendment is made to para (2) of this department notification bearing No. 40011(2)/74-AN-A dated 25-3-75.

For—"Shri K. V. K. Nair, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave from 8-4-75 to 30-4-75 pending his retirement".

Read—Shri K. V. K. Nair, Officiating Accounts Officer has been granted leave as under :—

(i) EL for 21 days from 13-3-75 to 2-4-75.

(ii) Half Pay leave for 9 days from 3-4-75 to 11-4-75.

(iii) EOL without Pay & Allowances covered by Medical Certificate for 19 days from 12-4-75 to 30-4-75".

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General of
Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 22nd July 1976

No. 76/M.—Dr. (Mrs) Lila S. Chadha, tempy. Asstt. Surgeon Gr. 1 (Permt. Asstt. Surgeon Grade II) Ordnance Factory, Kanpur has been retired prematurely on 4th November 1975 (AN) under President of India orders bearing Ministry of Defence No. 5(5)/74/OS-I/D(Fy/II), dated 9th July 1975, in terms of clause (h) of Article 459 of the C.S.R. Vol. I.

Dr. S. BHATTACHARYA
Director General, Ordnance Factories.

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 19th July 1976

CORRIGENDUM

No. 51/76/G.—In this Directorate General Notification No. 13/76/G dated 13th February 1976, published in the Gazette of India, Part III, Section 1 of 20th March 1976, after the words "Officiating superintendents" insert the words "at Sl. Nos. 1 to 57 and Permt. Assistants at Sl. Nos. 58 to 98".

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 20th July 1976

No. 52/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri S. V. Dighe offg Asstt. Manager (permt. Foreman) retired from service with effect from 31st January, 1976 (A/N).

No. 53/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri S. Deb, offg. Asstt. Manager (permt. Foreman), retired from service with effect from 30th April, 1976 (A/N).

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 26th July 1976

No. 18(1)/73-76/CLB-II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 12 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962 with the previous sanction of the Central Government and in supersession of the Textile Commissioner's Notification No. 18(1)/73-CLB II/A, dated the 7th September, 1974, I hereby authorise all the officers not below the rank of an Assistant Director or an Assistant Enforcement Officer and Technical Investigators and Enforcement Inspectors in the office of the Textile Commissioner at Headquarters and in the Regional Offices, to exercise on my behalf the powers of the Textile Commissioner under clause 10 of the said Order.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Admn. Sec. A-6)

New Delhi, the 21st July 1976

No. A-6/247(379).—Shri V. S. Kirpalani, permanent Inspecting Officer in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I and officiating Deputy Director of Inspection in the Bombay Inspection Circle under the General of Supplies and Disposals retired from Government service w.e.f. 30th June 1976 (AN) on attaining the age of superannuation.

No. A-17011/104/76-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri K. L. Nirwan, Examiner of Stores (Engg.) in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspectorate w.e.f. the forenoon of 12th July, 1976 until further orders.

No. A-17011/103/76-A6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri R. K. Rajora, Examiner of Stores in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of the 26-5-76 until further orders.

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Administration)

for Director General of Supplies and Disposals.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 22nd July 1976

No. A-1/2(440).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri G. D. Rao, Superintendent in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate as Assistant Director (Admn.) (Grade II) on regular basis in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay with effect from 3rd July 1976 (F.N.) *vice* Shri B. Padman, Asstt. Director (Admn.) (Grade II) retired on 30th April 1976.

Shri Rao will be on probation for a period of one year with effect from 3rd July 1976 (F.N.).

K. L. KOHLI

Deputy Director (Administration)

for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 21st July 1976

No. 50/66(SNS)/19B.—Shri S. N. Srivastava has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 26th June, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 2222(IP)/19A.—Shri Indra Prakash is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 19th June, 1976, until further orders.

No. 2222(KKR)/19A.—Shri K. K. Rastogi is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3rd June, 1976, until further orders.

No. 2222(CVK)/19A.—Shri Ch. V. Kondanna, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26th March 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN

Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 24th July 1976

No. E1-5114/1117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri H. Banerjee, Establishment & Accounts 16—206GI/76

Officer (offg) of the Map Publication Directorate, Survey of India, Dehra Dun from the Government service on superannuation with effect from the afternoon of 30th June, 1976.

D. P. GUPTA, Major Engrs.,
Assistant Surveyor General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 26th July 1976

No. F. 11/2-3/(a)/75-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C. the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Kailash Behari, as Archivist (General) (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 19th July 1976, until further orders.

No. F. 11/2-3(a)/75-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C. the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri P. S. M. Moideen, as Archivist (General) (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 19th July 1976, until further orders.

S. N. PRASAD

Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th May 1976

No. A-20026/1/76-SV.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. K. Trikha, a permanent Administrative Officer (Jr. Grade), All India Radio, New Delhi and at present working as Sr. Administrative Officer (Ad hoc), All India Radio, New Delhi, to officiate as Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio on *ad hoc* basis with effect from 25-5-76 to 9-7-76 *vice* Shri D. S. Nagarcencar, Inspector of Accounts, granted leave.

M. L. TANDON, Dy. Dir. of Admn.
for Director General

New Delhi, the 22nd July 1976

No. 10/118/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Surinder Kumar Sharma in the Cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating capacity at TV Centre, All India Radio, Srinagar, with effect from 15-3-1976 (F.N.).

HARJIT SINGH, Dy. Dir. of Admn.
for Director General

New Delhi, the 23rd July 1976

No. 5(99)/61-SI.—Shri V. Krishnamurthy, Programme Executive, All India Radio, Madras retired from service with effect from the afternoon of 30th June, 1976 on attaining the age of superannuation.

No. 4(28)/65-SI.—Consequent on the imposition of penalty of compulsory retirement from service, Shri Syed Farhat Husain, Programme Executive, Doordarshan Kendra, Srinagar retired from service with effect from the 24th April, 1976.

P. K. SINHA, Dy. Dir. of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

(DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS)

New Delhi-110011, the 21st July 1976

No. 1/33/76-FFD.—It is hereby notified that in pursuance of Rule 9 of the Rules for the National Film Festival 1976 published in the Directorate of Film Festival Resolution No. 1/69/75-FFD dated 15th March 1976, the Central Government on the basis of recommendations submitted by National Jury, decided to give awards to the following films/producers/directors/artists/technicians, namely:—

S. No.	Title of film and language	Name of the Award Winner	AWARD
1	2	3	4
I. ALL INDIA AWARDS			
FEATURE FILMS :			
1.	<i>Award for the National Best Feature Films</i> CHOMANA DUDI (Kanada)	PRODUCER Shri Ashok Kumar, Suvarna Mahal Katapadi, Lidipi (Karnataka).	'Gold Lotus' and cash prize of Rs. 40,000 (Rupees forty thousand only).
		DIRECTOR Shri B. V. Karanth, 47, 20th Cross VI Block, Jayanagar, Bangalore.	'Silver Lotus' and cash prize of Rs. 15,000 (Rupees fifteen thousand only).
2.	<i>Award for the Second National Best Feature Film</i> MAUSAM (Hindi)	PRODUCER Shri P. Mallikharjuna Rao, Sunendini Pictures, 5, Sunbeam, Peddar Road, Bombay-400026.	'Silver Lotus' and cash prize of Rs. 15,000 (Rupees fifteen thousand only).
		DIRECTOR Shri Gulzar, 91, Cozy Home Housing Society, 251, Pali Hill Road, Bandra, Bombay-400050.	'Silver Lotus' and cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only).
3.	<i>Special Award for Feature Film with mass appeal wholesome entertainment and aesthetic value</i> TAPASYA (Hindi)	PRODUCER M/s Rajshri Productions Private Limited, Bhavana, 1st Floor, 422, Savarkar Road, Prabhadevi, Bom- bay-400025.	'Gold Lotus'
		DIRECTOR Shri Anil Ganguly, Flat No. 9 A, Sanjay Cooperative Society, Sar- varkar Marg, Bombay-400025.	'Silver Lotus'
4.	<i>Award for Excellence in Direction</i> JANA ARANYA (Bengali)	DIRECTOR Shri Satyajit Ray, 1/1, Bishop Lefroy Road, Calcutta-700020.	Cash prize of Rs. 20,000 (Rupees twenty thousand only) and a Silver Lotus.
5.	<i>Award for Excellence in Cinematography (B & W)</i> APOORVA RAAGANGAL (Tamil)	CAMERAMAN Shri B.S. Lokanath, 12, Revathi Street, Vadapalani, Madras-600026.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.
6.	<i>Award for Excellence in Cinematography (Colour)</i> MUTHYALA MUGGU (Telugu)	CAMERAMAN Shri Ishan Arya, 51, Vithal Nagar, Juhu, Bombay-400056.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.
7.	<i>Best Actor of the Year Award</i> CHOMANA DUDI (Kannada)	ACTOR Shri M.V. Vasudeva Rao, Kalasam- pada, 21, R.V. Road, Bangalore.	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.
8.	<i>Best Actress of the year Award</i> MAUSAM (Hindi)	ACTRESS Smt. Sharmila Tagore, 8-B, Rashmi, Carmichael Woad, Bombay-400026.	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.
9.	<i>Best Male Play-Back Singer of the Year Award</i> HAMSA GEETHE (Kannada)	MALE SINGER Shri M. Balamurali Krishna, Edward Eliets Road, Madras.	Silver Lotus.
10.	<i>Best Female Play-Back Singer of the Year Award</i> APOORVA RAAGANGAL (Tamil)	FEMALE SINGER Smt. Vani Jairam, O-8, Gokulam Build- ings, T. Nagar, Madras-600017.	Silver Lotus.
11.	<i>Best Music Director of the Year Award</i> CHAMELI MEMSAAB (Assamese)	MUSIC DIRECTOR Dr. Bhupen Hazarika, Nizorapar, Gauhati-3.	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.

1	2	3	4
12. Best Story of the Year Award			
		STORY WRITER	
CHOMANA DUDI (Kannada)	Dr. K. Shivarama Karanth, Saligrama (Karnataka).	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.	
II. REGIONAL AWARDS			
13. Award for the Best Feature Film in Regional Languages			
		PRODUCER	
CHAMELI MEMSAAB (Assamese)	M/s Seuj Bolechari Santha, Sibsagar (Assam).	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.	
		DIRECTOR	
	Shri Abdul Majid, Old Balibat, Jorhat-2 (Assam).	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.	
14. PALANKA (Bengali)			
		PRODUCER	
	M/s Filmarts Calcutta, 13-B, Bompas Road, Calcutta-700029.	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.	
		DIRECTOR	
	Shri Rajen Tarafdar, 13-B, Bompas Road, Calcutta-700029.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.	
15. NISHANT (Hindi)			
		PRODUCER	
	1. Km. Freni M. Variava, Blaze Film Enterprises (P) Ltd, Lalji Naranji Memorial Building, Churchgate, Bombay-400020.	}	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.
	2. Shri Mohan J. Bijlani, Blaze Film Enterprises (P) Ltd., Lalji Naranji Memorial Building, Churchgate, Bombay-400020.		
		DIRECTOR	
	Shri Shyam Benegal, Sangam, Peddar Road, Bombay-400026.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.	
16. HAMSA GEETHE (Kannada)			
		PRODUCER	
	M/s Anantha Lakshmi Films, No. 2, Patel Street, Madras-600024.	Cash Prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.	
		DIRECTOR	
	Shri G. V. Iyer, No. 2, Patel Street, Madras-600024.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.	
17. SAMNA (Marathi)			
		PRODUCER	
	Shri Ramdas Phutane, Giriraj Pictures, C/o R. Chandrakant & Co., 24, Fanaswadi, Bombay-400002.	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.	
		DIRECTOR	
	Dr. Jabber Patel, Dound, Poona.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.	
18. SWAPNADANAM (Malayalam)			
		PRODUCER	
	Shri T. Mohamed Babu, 32, Kantharia Mahal, L.B.S. Marg, Kulra, Bombay-400070.	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.	
		DIRECTOR	
	Shri K. G. George, 18, Venketeshwara Lane, Periyar Pathai, Madras.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.	
19. APOORVA RAAGANGAL (Tamil)			
		PRODUCER	
	1. Mrs. D. Jayalakshmi, 16, East Abhiramapuram, 3rd Street, Madras-600004.	}	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.
	2. Mrs. Vijayalakshmi G, 5, Abhiramapuram, 1st Street, Madras-600004.		
		DIRECTOR	
	Shri K. Balachander, 12, Warren Wood, Madras-4.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.	
20. MUTHYALA MUGGU (Telugu)			
		PRODUCER	
	Shri M.V.L. Narasimha Rao, 6-A, H.D. Raja Street, Madras-600018.	Cash prize of Rs. 10,000 (Rupees ten thousand only) and a Silver Lotus.	
		DIRECTOR	
	Shri Babu, 40, Chamiers Road, Madras-600018.	Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.	

1	2	3	4
---	---	---	---

III. SHORT FILMS

21. *Best Information Film (Documentary)*

WINGED WONDERLAND (English) . PRODUCER AND DIRECTOR
Shri Shanti Varma, Films Division 24-Peddar Road, Bombay-400026. Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.

22. *Best Educational/Instructional Film*

INDUCED BREEDING (English) . PRODUCER
Shri K. K. Kapil, Films Division, 11, Vandhana Tolstoy Marg, New Delhi. Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.

DIRECTOR
Shri Suraj Joshi, Films Division, 11, Vandhana Tolstoy Marg, New Delhi. Cash prize of Rs. 4,000 (Rupees Four thousand only) and a Silver Lotus.

23. *Best Social Documentation Film*

BASTER-RHYTHM OF PROGRESS (English) . PRODUCER & DIRECTOR
Shri Chandrashekhar Nair, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400026. Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.

24. *Best Commercial Promotional Film (Advertisement)*

ZENITH OF INDIA (English) . PRODUCER
M/s Film Media, 47, Laxmi Insurance Building, Sir P.M. Road, Bombay-400001. Silver Lotus

DIRECTOR
Shri Jyoti G. Thakur, Film Media, 47, Laxmi Insurance Building, Sir P.M. Road, Bombay-400001. Silver Lotus.

25. *Best Promotional Film (Non-Commercial)*

POEMS IN PATTERN (English) . PRODUCER & DIRECTOR
Shri Ranabir Ray, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400026. Silver Lotus

26. *Best Experimental Film*

AWASHESH (Hindi) . PRODUCER
The Director, Film and TV Institute of India, Law College Road, Poona-4. Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.

DIRECTOR
Shri K. G. Girish, 884, 13-H Road, Opposite, R.C. Church, Chimaga, Karnatak. Cash prize of Rs. 4,000 (Rupees four thousand only) and a Silver Lotus.

27. *Best Animation Film*

BUSINESS IS PEOPLE (English) . PRODUCER
M/s Akar Films C/o Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400026. Cash prize of Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) and a Silver Lotus.

DIRECTOR
Shri Kantilal Rathod, C/o Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400026. Cash prize of Rs. 4,000 (Rupees four thousand only) and a Silver Lotus.

28. *Best News Review*

INDIAN NEWS REVIEW No. 1399 . PRODUCER
Shri N.V.K. Murty, for Films Division Government of India, 24-Peddar Road, Bombay-26. Silver Lotus

29. *Best Newsreel Cameraman*

FLOOD HAVOC'S (INR 1399) . CAMERAMAN
Shri A. S. Agnihotri
Shri Abinashi Ram
Shri A. R. Saroef Silver Lotus

IV. DADA SAHEB PHALKE AWARD

Shri Dhiren Ganguli 36/6, Bajrang Chatterji Road, Calcutta-700034. Cash prize of Rs. 20,000 (Rupees twenty thousand only) Gold Lotus and a Shawl.

A. K. VERMA,
Director of Films

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd July 1976

No. A.22013/5/76-CHS.I.—Consequent on his transfer to the Port Health Organisation, Calcutta Dr. G. C. Banerjee, an officer of G.D.O., Grade II of the Central Health Service relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, National Tuberculosis Institute, Bangalore, on the forenoon of the 26th May, 1976.

The 29th July 1976

No. A.22013/10/76-CHS.I.—Consequent upon her transfer, Dr. (Smt.) R. K. Matta, an officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S., relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, in the C.G.H.S., Kanpur, on the afternoon of the 15-5-1976 and assumed charge of the post of Junior Medical Officer in the Safdarjung Hospital, New Delhi on the forenoon of the 22-5-1976.

P. L. JOSHI, Dy. Dir. Admn. (CHS).

New Delhi, the 27th July 1976

No. 30-4/64-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. B. M. Wadikhaye as Homeopathic Physician in the Central Government Health Scheme under the Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 2nd March, 1976 till further orders.

The 29th July 1976

No. 21/6(1)/75-CGHS.I.—Consequent on acceptance of resignation of Dr. S. V. Vepa, Junior Medical Officer (Ad hoc) relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, CGHS, Bombay on 30-9-75.

R. K. JINDAL, Dy. Dir. Admn. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEPARTMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 23rd July 1976

No. F.4-5(72)/75-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri G. Ramakrishnan has been appointed as Marketing Development Officer (Cold Storage Refrigeration) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on the officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Madras with effect from 21st June, 1976 (A.N.), until further orders.

RAMADHAR, Agri. Mar. Adviser.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 9th June 1976

No. PPED/3(40)/76-Adm./6976/1165.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. V. Mathews, a temporary Assistant Security Officer in this Division as Security Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 24, 1976 to afternoon of July 9, 1976 *vice* Shri M. M. Mathew, Security Officer proceeded on leave.

R. J. BHATIA, Administrative Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay-401504, the 12th July 1976

No. TAPS/Adm/735-A.—S/Shri P. Ganpathy, quasi permanent Personal Assistant and V. K. P. Pillai, permanent Personal Assistant, officiating as Assistant Personnel Officers on ad hoc basis, in the Tarapur Atomic Power Station, on expiry of the term of their ad hoc appointment, stand reverted to the post of Personal Assistant with effect from the forenoon of July 1, 1976.

K. V. SETHUMADHAVAN, CAO.

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 15th July 1976

Ref. DPS/A/32011/2/76/Est.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Muliappurath Raju, a permanent Storekeeper in the Central Stores Unit, Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 60-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from June 19, 1976 (FN) to December 14, 1976 (AN), or such time a regular person is appointed to the said post, whichever is earlier.

Ref. DPS/A/32011/2/76/Est.10017.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mihir Chandra Roy, a permanent Storekeeper in the Central Stores Unit (Projects), Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from March 17, 1976 to July 14, 1976 *vice* Shri V. P. K. Nambiar, Asstt. Stores Officer, appointed as Purchase Officer.

Ref. DPS/A/32011/2/76/Est.10009.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri L. H. Bagwe, a temporary Storekeeper in the Central Stores Unit, Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from May 10, 1976 to June 19, 1976, *vice* Shri N. S. Nair, Asstt. Stores Officer granted leave.

Ref. DPS/A/32011/2/76/Sst.10025.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. Y. Gokhale, a temporary Storekeeper in the Central Stores Unit, Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from May 10, 1976 to June 25, 1976, *vice* Shri T. R. S. Thampi, Asstt. Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI, Asstt. Per. O.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 19th July 1976

RRC-II-1(26)/72-8845—Project Director, Reactor Research Centre appoints the undermentioned officials of this Centre in an officiating capacity on an *ad hoc* basis to the posts and for the periods mentioned against each:

Sl. No.	Name	Post to which appointed	Period
1.	Shri R. Rajamani Permanent UDC and officiating Asstt. Accounts Officer	Accounts Officer II	25-5-76 to 26-6-76 AN
2.	Shri K. M. Velayudhan officiating Assistant Accountant	Assistant Accounts Officer	7-5-76 to 26-6-76 AN
3.	Shri K. Narayana- moorthy Officiating Assistant Accountant.	Assistant Accounts Officer	25-5-76 to 26-6-76 AN

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 21st July 1976

No. 10/3(43)/73-CED(H).—On reversion to the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore, Shri S. Ramarathan, relinquished charge of the post of Assistant Accounts Officer in Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore on the forenoon of July 21, 1976.

P. I. U. NAMBIAR
Administrative officer-II

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 24th July 1976

No. E(1)04262.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. B. Roy, Professional Assistant, Meteorological Centre, Gauhati under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eighty Nine days with effect from the forenoon 1-7-76 to 27-9-76.

Shri B. B. Roy, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Meteorological Centre, Gauhati, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04285.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. V. Parameswaran, Prof. Assistant Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona, who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 24-7-76 *vide* this department Notification No. E(1)04285, dated 5-7-76, to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a further period of 48 days with effect from the forenoon of 25-7-76 to 10-9-76.

Shri Parameswaran, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

To be substituted for this Office Notification

No. 1/409/76-Est Dated the 3rd July 1976

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd July 1976

No. 1/409/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. R. Nalkur, Perm. Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 19-4-76 to 6-5-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND
CUSTOMS

Baroda, the 26th July 1976

No. 5/76.—Shri K. S. Peshimam, officiating Superintendent of Central Excise, Class-II, Leave Reserve, Ahmedabad division-II shall retire on superannuation pension in the afternoon of 30-6-1976.

H. R. SYIEM
Collector of Central Excise
Baroda

DIRECTORATE OF INSPECTION
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 23rd July 1976

No. 5/76.—Shri N. C. Chakraborty, lately posted as Supdt. of Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise and Customs, West Bengal, Calcutta, assumed charge as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Class II (Group 'B') in the East Regional Unit of this Directorate at Calcutta on 12-7-1976 (F.N.).

S. VENKATARAMAN
Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 22nd July 1976

No. A-19012/578/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri D. S. Madan, Professional Assistant (Hydro-Met) as Extra Assistant Director (Hydro-Met) in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of 11th June, 1976, until further orders.

Shri D. S. Madan assumed charge of the office of the Extra Assistant Director (Hydro-Met) in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 24th July 1976

No. A-19012/435/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to accept the resignation tendered by Shri D. N. Bodke, Extra Assistant Director (Navigation), Central Water Commission with effect from the 27th July, 1976 (Forenoon).

JASWANT SINGH
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 22nd July 1976

No. 26/2/76-ECIX.—Shri Karan Singh, Assistant Director of Horticulture of this Department will retire on 31-7-1976 (A.N.), after attaining the age of superannuation.

O. P. C. VERMA
Dy. Director of Admn.

MINISTRY OF RAILWAYS
RESEARCH DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION

Lucknow-11, the 19th July 1976

No. EII/ES/CFM/Civil.—Shri M. W. Desai, Offg. Dy. Director Res./B&F, Research Designs and Standards Organisation is confirmed as Asstt. Director in Sr. Scale with effect from 1-8-75 against the post of Asstt. Director Stds./B&S.

G. N. BHATTACHARYA
Director General

CENTRAL RAILWAY

Bombay-VT, the 24th July, 1976

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned Officiating Assistant Electrical Engineer (Class II) is confirmed in that appointment with effect from the date shown against him :—

Name	Date of confirmation in Class II Service
Shri B. R. Lele	25-3-1976

A. L. GUPTA, General Manager,

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-700027, the 24th July 1976

No. G-65/B(CON).—The Director, National Test House, Calcutta hereby appoints Shri D. S. Majumdar, a Scientific Assistant (Mechanical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officer (Mechanical) in the same office w.e.f. the forenoon of 19th July, 1976 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. K. CHATTOPADHYAY
Asstt. Director (Admn.)
for Director National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sugand Kamal Chit Fund Private Limited*

Jaipur, the 17th July 1976

No. Stat/1234/9388.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sugand Kamal Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREFL
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Bangalore Tourist Private Limited*

Bangalore, the 19th July 1976

No. 1400/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bangalore Tourist Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sri Balaji Agricultural, Industrial & Housing
Company Private Limited*

Bangalore, the 19th July 1976

No. 2188/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sri Balaji Agricultural, Industrial & Housing Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

COMPANY PETITION NO. 21 OF 1973

*In the matter of Roop Narain Ram Chandra Private Limited,
Kanpur Section 445 of Companies Act, 1956*

Kanpur, the 26th July 1976

NOTICE

No. 8153/2608-Liqn.—By an order dated 1st May, 1975 in Company Petition No. 21 of 1973 of the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad, it has been ordered to wind up Roop Narain Ram Chandra Private Limited, Kanpur and the Official Liquidator, Allahabad has been appointed its official Liquidator.

S. NARAYANAN
Registrar

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 19th July 1976

No. F.48-Ad(AT)/76-P.II.—Shri S. Chelliah, a permanent Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal and at present officiating as Head Clerk on deputation in the Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax, Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati on regular basis (against promotion quota) with effect from 12th July, 1976 (Forenoon) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 until further orders.

Shri S. Chelliah will be on probation for two years with effect from 12-7-1976 (Forenoon).

The 27th July 1976

No. F.48(c)-Ad(AT)/76.—Shri K. B. Srivastava, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad-hoc* basis in a temporary capacity for a period of six months from 15-11-1975 (Afternoon) to 15-5-1976 (Afternoon) vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/76-P.II, dated 14-11-1975, is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on regular basis (against promotion quota) in a temporary capacity with effect from 27-7-1976 (Forenoon) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 27th July, 1976 (Forenoon).

HARNAM SHANKAR
President

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd July 1976

INCOME-TAX

No. JUR-DLI-IV/76-77/19711.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases, which have been assigned or may here-

after be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax officer :—

Schedule

S. No.	Designation of the I.T.O.	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax officer, Distt. III(6), New Delhi	1. All cases assigned u/s 127. 2. All new cases of Film Producers Distributors and exhibitors assessable within the jurisdiction of CIT Delhi-IV, New Delhi w.e.f. 1-8-76. 3. All cases of partners in respect of firm included in 1 & 2 above.

This notification shall take effect from 1-8-76.

N. S. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax

Hyderabad, the 13th July 1976

No. 647 [C.R. No. 2/76(N)]—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of Section 117 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-III, Hyderabad has appointed the following Income-tax Inspectors to officiate as Income-tax Officer Class II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810 EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 with effect from the dates mentioned against their names and until further orders.

Sl. No.	Name of the promotee	Place of posting	Date of joining
1.	Shri C. Radhakrishna murthy	Income-tax Officer, F. ward, Circle III Hyderabad.	30-6-1976
2.	B.P. Ramana Naik	Income-tax Officer, C. Ward, Circle II Hyderabad.	8-6-1976

2. They should note:

- that their promotion is purely provisional.
- that they will be liable for reversion if, after a review of the vacancies, it is found that their promotions/appointments are in excess of the vacancies available;
- that they will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59-Ad. VI dated: 20-11-1963, from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if found necessary, be extended beyond the above period. They would also be liable for reversion if their performance during the said period is not found to be satisfactory.

They have been posted as Income-tax Officers with effect from the dates and in the offices noted against their names.

N. SUBBA RAO,
Commissioner of Income-tax,
Andhra Pradesh-III, Hyderabad.

Hyderabad, the 14th July 1976

No. 648[C.R.No. 2/76(N)]—In exercise of the powers conferred by sub Section 2 of Section 117 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-II, Hyderabad has appointed the following Income-tax Inspector to officiate as Income-tax Officer Class-II in the time-scale Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date mentioned against his name and until further orders.

Sl. No.	Name of the promotee	Place of posting	Date of joining
1.	Sri I. J. Naidu	Income-tax Officer, M. Ward, Circle I, Hyderabad.	7-6-1976

2. He should note:

- that his promotion is purely provisional;
- that he will be liable for reversion, if after a review of vacancies, it is found that his promotion/appointment is in excess of the vacancies available;
- that he will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59-Ad. VI dated 20-11-63 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) New Delhi. The period of probation may, if found necessary, be extended beyond the above period. He would also be liable for reversion, if his performance during the said period is not found to be satisfactory.

He has been posted as Income-tax Officer with effect from the date and in the office noted against his name.

No. 649[C.R.No. 2/76(N)]—In exercise of the powers conferred by sub-sec. 2 of Section 117 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-I Hyderabad has appointed the following Income-tax Inspectors to officiate as Income-tax Officers Class II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates mentioned against their names and until further orders.

S. No.	Name of the promotee	Place of posting	Date of joining
1.	G. Yagnanarayana	Income-tax Officer, D. Ward Salary Circle Hyderabad.	7-6-1976
2.	G. Jaganmohana Rao	Income-tax Officer, Internal Audit: II Hyderabad.	7-6-1976

2. They should note:

- that their promotion is purely provisional;
- that they will be liable for reversion, after a review of the vacancies, it is found that their promotions/appointments are in excess of the vacancies available.
- that they will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59-Ad. VI dated 20-11-1963 from the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue) New Delhi. The period of probation may, if found necessary be extended beyond the above period. They would also be liable for reversion if their performance during the said period is not found to be satisfactory.

They have been posted as Income-tax Officers with effect from the dates and in the offices noted against their names.

K. RAMA RAO,
Commissioner of Income-tax,
Andhra Pradesh-I, Hyderabad.

FORM ITNS

(1) Shri Partap Singh S/o Shri Ghumandi of Village Chacholi.

(Transferor)

(2) Shri Karam Singh s/o Shri Waryam Singh C/o O.K. Industries, Phagwara.

(Transferee)

(3) Sr. No. 2 and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 K.-12 M. land at Chacholi registered vide regd. deed No. 1507 of December by the S.R. Phagwara.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-6-1976

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1976

Ref. No. Phg/57/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chacholi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Dec. 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

206GI/76

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1976

Ref. No. GDB/60/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Gidderbaha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Gidderbaha in Dec 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hans Raj S/o Shri Guria Mal Vallati Ram s/o Shri Atu Ram, Hargopal s/o Shri Salig Ram Smt. Shanti Devi d/o Mukand Lal and Shri Dev Raj s/o Shri Isher Dass, Smt. Parsini Devi w/o Shri Om Parkash, Gidderbaha.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar, Ashok Kumar ss/o Shri Ramji Dass, Smt. Satya Devi d/o Ramji Dass and Shri Devinder Pal s/o Shri Bhagwan Dass, Gidderbaha.

(Transferee)

(3) Sr. No. 2 and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots as mentioned in regd. deed No. 1100 of December, 1975 at Gidderbaha regd. with S.R. Gidderbaha.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anup Singh s/o Sunder Singh GA to Shri Harbel Singh s/o Anup Singh r/o Moheru.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sasta Iron Store, Nakodar Road, Jullundur, (through Charan Singh).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP No. 1600.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 7497 of December 1975 of S.R. Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anup Singh s/o Sunder Singh GA to Shri Harbel Singh s/o Anup Singh r/o Moheru, Teh. Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kartar Singh s/o Lal Singh r/o Mohalla Mistrian, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 3rd July 1976

Ref. No. AP/1601.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7794 of December, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Anup Singh s/o Sunder Singh G.A. to Harbel Singh s/o Anup Singh, r/o Moheru, Teh. Nakodar.
(Transferor)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd July 1976

Ref. No. AP/1602.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri Ajab Singh s/o Makhan Singh s/o Sidhu Singh, r/o Mathanwala, Teh. Sultanpur.
(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7831 of December 1975, of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-7-1976
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Sant Sadhu Ram Chela Swami Mansa Ram R/O Nurmahal, Teh. Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Ram Rakha c/o Shri Mohan Lal Dhaliwal, Mohalla Dhaliwala, Nurmahal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) At S. No. 2.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 27th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1606/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Nurmahal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 3663 of December 1975 of S.R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sant Sadhu Ram Chela Swami Mansa Ram R/O Nurmahal Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Shri Ram Rakha c/o Shri Mohanlal Dhaliwal, Mohalla Dhaliwal, Nurmahal.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 3734/ December 1975 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 27th July 1976

Ref. No. AP-1607/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Nurmahal, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rukmini Bai, W/o Mahaveer Prasad, H. No. 21-2-547 at Charkuman, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri V. Sunder Ramireddy, and Smt. P. Eshwar Laxmi, No. 2 R/o Chapal Road, Hyderabad No. 2 Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 27th July, 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. RAC No. 124/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R. 14 situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property : Shop in M. No. 4-938/R-14 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-7-76.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpalata Bai, R/o Charkaman, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri V. Sundarramireddy, and Smt. P. Eshwarlaxmi,
R/o Chapal Road, and No. 2 Ashoknagar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 27th July, 1976

Ref. No. RAC No. 125/76-77.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. As per schedule No. 4-1-938/R-12 & 13 situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—206GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shops in M.H. No. 4-1-938/R-12 and 13 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-7-1976.

Seal ;

FORM ITNS ———

(1) Smt. Geethabai, W/o Sri Shankar, R/o 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. Sri V. Sundarramireddy, and Smt. P. Eshwara Laxmi, R/o Chapal Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 27th July 1976

Ref. No. RAC No. 126/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R-16 situated at Tilak Road, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. in H. No. 4-1-938/R-16 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-7-1976,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 27th July, 1976

Ref. No. RAC No. 127/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R-17 situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Janki Bai, W/o Hansraj, R/o Chapal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri V. Sunder Ramireddy, R/o Chapal Road, Hyderabad. 2. Smt. P. Eshwara Laxmi, R/o Ashok-nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop in M. No. 4-1-938/R-17 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Rajkumar S/o Kedarnath, R/o 3-2-350 at Chapal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri V. Sunder Ramireddy, R/o Chapal Road, Hyderabad. 2. Smt. P. Eshwara Laxmi, R/o Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 27th July 1976

Ref. No. RAC No. 128/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R-20 situated at Tilak Road, Hyderabad.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop in M. No. 4-1-938/R-20 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpa Bai, W/o Rajkumar, R/o 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Sri V. Sunder Ramireddy, R/o Chapal Road, Hyderabad. 2. Smt. P. Eshwara Laxmi, R/o Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 27th July, 1976

Ref. No. RAC No. 129/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-19, situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop in M. No. 4-1-938/R-19 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-7-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Pingle Madhusudan Reddy, R/o Waddepally, Warangal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. D. Sreedevi W/o D. Kamalakar Rao, H. No. 7-2-148 situated at Subedari, Hanumkonda, Warangal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th July 1976

Ref. No. RAC No. 130/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-7-148 situated at Subedari, Hanumkonda Warangal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 10-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 7-2-148 at Subedari, Hanumkonda, Warangal.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Dated : 29-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. Chandrasekhar, P.W.D. Contractor, and Lessee of Ravindra Talkies, at Nagarkurnool Mahaboobnagar-Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Jaffar Ali, Contractor, at Nagarkurnool, Mahaboobnagar, Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 30th July 1976

Ref. No. RAC No. 131/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-102, situated at Nagarkurnool, Mahaboobnagar Dist. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagarkurnool on 6-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 9-102 at Nagarkurnool Mahaboobnagar-Dist.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 30-7-1976.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Lakhmichand R. S. Rijhumal through G.P.A. Sri Anil Kumar, S/o Mr. Lakhmichand R/o H. No. 53, Jawaharnagar Colony, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 30th July 1976

Ref. No. RAC No. 132/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 42 on 9-1-30/32 situated at S. P. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

- (2) Sri Ram Kumar Soni, S/o late Sri Tarachand Soni, R/o 42 Madhukunj Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Flat No. 42 on 9-1-30/32 in the fourth floor at 31-2 Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.
Bangalore.

Dated : 30-1-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 30th July 1976

Ref. No. RAC No. 133/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 23 on 9-1-29/13, situated at Sardar Patel Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

19—206 GI/76

(1) Shri Lachmichand R. S. Rijhumal through G.P.A. holder Mr. Anil Kumar, S/o Mr. Lachmichand R/o No. 53 at Jawaharnagar Colony, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Kumari, W/o R. K. Soni, R/o 42 at Madhukunj, 31/2 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Flat No. 23 on M. No. 9-1-29/13 at 31/2 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 30-7-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 30th July 1976

Ref. No. RAC No. 134/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 50 on 1st floor of Unity House situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Hindustan Builders, Registered Firm. at Abid Road, Hyderabad Through its partner Sri Hari Kishen.

(Transferor)

(2) Shri G. S. Madhava Rao, S/o Sri Lingaraju, C.A. R/o Mahatma Gandhi Road, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property : Office No. 50 on 1st floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 30-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Hindustan Builders at Unity House, Abid Road, Hyderabad. Partner Sri Hari Kishen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri C. Bhasker Murthy, Office, No. 51 of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 30th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. RAC No. 135/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office No. 51 on 1st floor Unity House, Abid Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-12-1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property : Office, premises No. 51 on First floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 30-7-1976.

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 30th July 1976

Ref. No. RAC No. 136/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-1-79 & 80 situated at Saifabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad, on 1-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Pingle Jagan Mohan Reddy, S/o Pingle Venkatesh Reddy, R/o Lumbini Gardens, B-1-12 at Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s CEAT Tyres of India Ltd. 463, Dr. Annis Besant Road, Bombay-400025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Land with building situated at Lakdi-ka-pul, Saifabad, Hyderabad, M. No. 6-1-79 and 6-1-80. Admeasuring about 2654 Sq. Yds and bounded an.

The East : By 8'. 0'' wide lane to Venkateswara Lodge,
The West : By Saifabad Police Station and Venkateshwara Lodge.

The North : By Public Road to Secretariat.

The South : By Property of Venkateswara Lodge.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 30-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Getti Lobo, W/o Simon Lobo, House No. 27, Padmanagar Colony, Trivandrum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS, GOPALA-
PRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11,

Cochin-11, the 15th July 1976

Ref. No. L.C. No. 74/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. As per schedule situated at Sakthikulangara in Quilon District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 11-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Sebastian Joseph Fernandez (ii) Philomina Joseph Fernandez, Madamma Thopp, Sakthikulangara P.O. Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

30.50 Cents of land in Survey No. 11036/1,2,7 in Sakthikulangara in Quilon District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated : 15-7-1976.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri (1) Sadananda Verma (Das), (2) Smt. Laxmi Devi, (3) Shri Rama Chandra Das (Verma), (4) Shri Govinda Chandra Das (Verma).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hari Ram Agrawala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri (1) Abdul Sattar (2) Shri Kapileswar Ojha.
(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhubaneswar-9, the 23rd June, 1976

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 25/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Ward No. 8 situated at Dalaipara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sambalpur on 2-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located in Ward No. 8 bearing holding No. 329 at mouza Dalaipara, Dist. Sambalpur under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Sambalpur and registered by sale document No. 2944 dated 2-12-75.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

A. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Dated : 23-6-76.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Sri Mahabir Prasad Sarda. 2. Shri Mohanlal Sarda. 3. Shri Balchand Sarda. 4. Shri Debchand Sarda. 5. Smt. Bidyabati Devi Sarda. All of 150/1, Cotton Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Biswanath Mussadi 1, Kannulal Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA.

- (4) Shri Rajaram Mussadi, Shyamsundar Mussadi, Bhagwati Prasad Mussadi, All of 1 Kannulal Road.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 28th June 1976

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 340/Acq. R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62/16, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

All that undivided 1/4th share in land measuring 7 cottahs 6 chittacks 18 sq. ft. at 62/16, Ballygunge Circular Road, Calcutta registered under deed No. 7297 of 1975.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 28-6-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA.

Calcutta, the 28th June 1976

Ref. No. 341/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62/16, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Sri Mahabir Prasad Sarda. 2. Shri Mohanlal Sarda. (3) Shri Balchand Sarda. (4) Shri Debchand Sarda. (5) Smt. Bidyabati Devi Sarda. All of 150/1, Cotton Street, Calcutta. (Transferor)
- (2) Shri Bhagabati Prasad Mussadi 1, Kannulal Lane, Calcutta-7. (Transferee)
- (3) Shri Rajaram Mussadi. Shri Shyamsundar Mussadi. Shri Biswanath Mussadi. All of 1, Kannulal Lane, Calcutta-7. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land measuring 7 cottahs 6 chittacks 18 sq. ft. at 62/16, Ballygunge Circular Road, Calcutta registered under deed No. 7296 of 1975.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 28-6-1976.
Seal.

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA.

Calcutta, the 28th June 1976

Ref. No. 342/Acq. R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62/16, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mahabir Prasad Sarda. 2. Shri Mohanlal Sarda. 3. Shri Balchand Sarda. 4. Shri Debchand Sarda. 5. Smt. Bidyabati Devi Sarda. All of 150/1, Cotton Street, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Shri Shyamsundar Mussadi 1, Kannulal Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

- (4) Shri Rajaram Mussadi, Shri Biswanath Mussadi. Bhagabati Prasad Mussadi. All of 1, Kannulal Lane, Calcutta-7.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land measuring 7 cottahts 6 chittacks 18 sq. ft. at 62/16, Ballygunge Circular Road, Calcutta registered under deed No. 7295 of 1975.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Dated : 28-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Mahabir Prasad Sarda. (2) Shri Mohanlal Sarda.
(3) Shri Balchand Sarda. (4) Shri Debchand Sarda.
(5) Smt. Bidyabati Devi Sarda.
All of 150/1, Cotton Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA.

Calcutta, the 28th June 1976

Ref. No. 343/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62/16, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Calcutta on 24-12-75. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (2) Shri Raja Ram Mussadi 1. Kannulal Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

- (4) Shri Biswanath Mussadi, Shri Bhagabati Prasad Mussadi, Shri Shyamsunder Mussadi.
All of 1, Kannulal Lane, Calcutta-7.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land measuring 7 cottahs 6 chittacks 18 sq. ft. at 62/16, Ballygunge Circular Road, Calcutta registered under deed No. 7294 of 1975.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 28-6-1976.
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st July 1976

Ref. No. 345/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/3, situated at Old Ballygunge 2nd Lane, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Debraj Mukherjee of 6/2 Ramkanta Mistri Lane, Calcutta-12. (2) Sri Brogaraj Mukherjee of 8/2A, Hazra Road, Calcutta-26. (3) Sri Sailaraj Mukherjee of D-51/162/2, Suraj Kundu, Varanasi. (4) Sri Gopalraj Mukherjee (5) Sri Prithwiraj Mukherjee (6) Shri Nabaraj Mukherjee, Act of A/2 Ramkanta Mistri Lane Calcutta-12.

(Transferor)

- (2) M/s Ironside Co-operative Housing Society Ltd. 84A, Vivekananda Road, Calcutta-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 20 cottahs at and being part of premises No. 11/3, Old Ballygunge 2nd Lane, Calcutta registered under deed No. 7260 of 1975, together with rights in the control passage as mentioned in the second schedule of the said deed.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 1-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Bejoy Kumar Kundu. (2) Sri Debdas Kundu. (3) Inda Kharagpur, Dist. Midnapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Phakir Chandra Kunda Inda Kharagpur, Dist. Midnapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 16th July 1976

Ref. No. 346/Acq.R-III/76-77/Cal./361.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-411/23B, Scheme XLVII situated at Hindusthan Park, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2/3rd share of two cottahs fourteen chittacks and twenty eight sq. ft. of land at P-411/23B, Scheme XLVII, Hindusthan Park, Calcutta registered under deed No. 7278 of 1975 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 16-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA.

Calcutta, the 16th July 1976

Ref. No. 347/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, situated at Ballygunge Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Balai Chandra Law, 50, Kailash Bose Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Atmaram Kanoria of 4, India Exchange Place, Calcutta; Smt. Vimla Devi Kanoria and Sri Aditya Kanoria, 10, Sarat Chatterjee Ave. Calcutta.

(Transferee)

(3) Sri Atma Ram Kanoria, 4, India Exchange Place, Calcutta.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring one bigha fourteen cottahs and thirteen chittacks together with a two storied building with out-houses at No. 14, Ballygunge Park, Calcutta, registered under deed No. 7345 of 75, before the Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 16-7-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ila Dutta, 36, Strand Road, Calcutta-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sadhana Roy, 44/1, Kamini School Lane, Howrah.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 28th July 1976

Ref. No. AC-24/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/1, situated at Mohinath Porel Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 8 chittaks 27 sft. together with two storeyed building thereon situated at 29/1, Mohinath Porel, Lane, P. S. Malipanchghra, Howrah more particularly as per deed No. 6917 dated 10-12-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 28-7-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 30th July 1976

Ref. No. Ac-7/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza, Behala, P. S. Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar of Alipore, Behala on 16-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudhindra Nath Roy, C/o Late Satyendra Nath Roy, 3, Tilok Road, P.S. Tollygunj, Calcutta.
(Transferor)

(2) 1. Shri Sujit Dutta Gupta, S/o Sri Sashi Bhusan Dutta Gupta, P-10, Iswar Mitra Road, P. S. Behala, Dt. 24-Prags. 2. Smt. Minoo Chowdhury, W/o Sri Pinnki Chowdhury, 75, Satyen Roy Rd., P.S. Behala, Dt. 24-Prags.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At Mouza Behala, P.S. Behala, (1) Khatian Nos. 6830, 6832 & 6834, Plot No. 10356, Area of land—2.25 Acres, & (2) Khatian Nos. 6831, 6833 & 6835, Area of land—3.80 Acres.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 30-7-1976,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Temikoribai W/o late Shri Satyanarain Tiwadiwala, Jawaharganj, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th July 1976

Ref. No. LAC/ACQ/BPL/76-77/693.—Whereas, I, V. K. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated in Jawaharganj, Jabalpur situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) (i) Shri Santosh Kumar Samaiya son of Ghasiram Samaiya, 2. Smt. Kapuri Devi W/o Ghasiram Samaiya, 3. Smt. Pushpa Devi W/o Shri Virendrakumar 4. Smt. Kirandevi W/o Arvindkumar of Sukhrawari Bajariya, Hanumantal Ward, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Jawaharganj, Jabalpur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 30-7-76.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd June 1976

Ref. No. 79/Dec./75.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. ———, situated at Kakkaveri village Rasipuram T.K., Salem in S. No. 272/1 & 257/4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Rasipuram, Doc. No. 1840/75 on December, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—
21—206GI/76

- (1) Shri Kandaswami Gownder, s/o Karuppanna Gownder, 2. K. Rasi and 3. K. Ramaswami, sons of Kandaswami Gownder, Theunampalayam Village, Attur T.K., Salem District.

(Transferor)

- (2) Shri P. Periaswami, s/o Shri Palanivel Gownder, Sanga Mettu Kadu, Kakkaveri village, Rasipuram T.K., Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 acres and 10 cents in S. No. 272/1 and 1 acre and 20 cents in S. No. 257/4, at Kakkaveri village, Rasipuram T.K., Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 2nd June, 1976
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1976

Ref. No. 31/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 36, situated at Pothanur village, Velur, Namakkal, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 1775/75) on 4-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Shanmugam & Shri S. Senguttuvan (minor) by father and guardian Shri K. Shanmugam, Pothanur village, Salem district.

(Transferor)

- (2) Shri K. Ammayappan & Smt. Nallammal, Pothanur village, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 acre in Survey No. 36, Pothanur village, Namakkal, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 1-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1976

Ref. No. 32/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 36, situated at Pothanur village, Namakkam, Salem district

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Velur (Doc. No. 1776/75) on 4-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Shanmugam &
Senguttuvan (Minor) by father
and guardian Shri K. Shanmugam,
Pothanur, Salem district.

(Transferor)

- (2) Shri Marappa Gounder,
Keerambur village, Namakkal Taluk,
Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 acres in Survey No. 36, Pothanur village, Namakkal Taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 1-7-1976.
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st July 1976

Ref No. 33/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 36, situated at Pothanur village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 1777/75) on 4-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Shanmugam &
Shri Senguttuvan (minor) by father &
guardian Shri K. Shanmugam,
Pothanur village, Salem district,

(Transferors)

(2) Shri Chinnusamy Gounder,
Keerambur village, Namakkal taluk,
Salem district.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 acres in Survey No. 36, Pothanur village, Namakkal taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 1-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 2nd July 1976

Ref. No. 34/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 149/2D and 149/2C, situated at Chengapalli village Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 1778/75) on 5-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sambar alias Karichia Gounder & Subramaniam, Oonjalpalayam, Nantai Idavar Keezhmugam village, Namakkal taluk, Salem Dt.,

(Transferor)

- (2) Shri P. R. Kalianna gounder, Melapalapatti, Chengapalli village, Namakkal taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.86 acres in Survey Nos. 149/2D (1.43 acres) and 149/2C (1.43 acres) Chengapalli village, Namakkal taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 2-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd July 1976

Ref. No. 37/DEC/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 650/1, 650/2 & 651/1, situated at Edanganasalai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Makudanchavadi (Doc. No. 1363/75) on 4-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri P. S. N. Krishnasamy Chettiar,
2. Shri N. K. Govindarajan,
3. Shri N. K. Selvarajan,
4. Shri Srirangan (minor) by father & guardian S. No. 1,
5. Shri N. K. Narasimhan,
6. Smt. Sarojini, W/o. Shri Narasimha Chettiar,
7. Smt. Rajeswari, w/o Palanisamy,
8. Smt. Saundeswari, w/o. Raja Veeri Chetty &
9. Smt. Sakunthala, w/o. Subramaniam
Hampillai village, Salem district.

(Transferor)

- (2) 1. Shri K. Palaniappan,
2. Shri K. Anbarasu,
3. Shri K. Lakshmanan,
4. Shri K. Kandasamy &
5. Shri K. Saminathan,

sons of Shri Kaveri Gounder Kadayampatti, Idanganasalai village, Sankari taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11.29 acres in Survey Nos. 650/1 (5.75 acres), 650/2 (4.28 acres) and 651/1 (1.27 acres) in Idanganasalai village, Sankari taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 2-7-1976.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th July 1976

Ref. No. 1/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 4-9 (R.S. No. 212/1B), situated at Sulakarai Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Virudhunagar (Doc. No. 1249/75) on 11-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Nellai Cables and Pipes thro' its partners M/s. K. Subash and K. Asokan.
No. 1, V Trust Cross Street, Madras-28.

(Transferor)

- (2) Shri J. M. Gurusamasivayan,
'Kirubakaram', Kirupanagar,
Tiruppalai, Madurai-625014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.61 acres with buildings thereon at door Nos. 4-9 (R.S. No. 212/1B), Sulakarai Panchayat, Madurai district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 20-7-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manoharlal and Shri Vijayakumar (minor) by father and guardian Shri Manoharlal, No. 92, Govindapuram East, Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nallakamu Chettiar,
Ammapatti village, Dindigul taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

MADRAS-6, the 20th July 1976

Ref. No. 47/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 180/2A1 & 183/2B, situated at Ammapatti village, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 3418/75) on 11-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural land measuring 18.46 acres in R.S. Nos. 180/2A (2.97 acres) and 183/2B (15.49 acres) at Ammapatti village, Dindigul.

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-7-1976.

Seal:

FORM ITNS—

- (1) Shri H. M. Oomer Sait,
3, Madras Bank Road,
Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri B. D. Kothandapani Chettiar,
No. 22, Savarimuthu Street,
Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th July 1976

Ref. No. 11/DEC/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 8, situated at Francis Joseph Street, Muthialpet, Madras-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Madras (Doc. No. 8598/75) on 16-12-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 261 sq. ft. with building
thereon at door No. 8 (R.S. No. 11489), Francis Joseph
Street, Muthialpet, George Town, Madras-1.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
22—206GL/76

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 28-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ayisha Beevi,
D/o. Shri N. P. Mogudu Meeran,
Natham, Madurai district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Kader Mohideen,
37A, Sekkilar St., Bibikulam,
Madurai-2

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th July 1976

Ref. No. 69/DEC/75-76.—Whereas, I,
G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. ———, situated at S. Nos. 70/6, 71/2, 74/2, 78/3,
70/2 & 70/3, Sellappanayakkampatti
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
Natham (Dec. No. 2901/75) on 20-12-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11.71 acres in R.S. Nos. 70/
6 (2.23 acres), 71/2 (2.89 acres), 74/2 (2.19 acres), 78/3
(2.85 acres), 70/2 (0.91 acres) and 70/3 (1.64 acres),
Sellappanayakkampatti village, Melur taluk, Madurai district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 28-7-1976,
Seal ;

FORM ITNS

(1) Ayisha Beevi,
D/o Mogudu Meeran,
Natham.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Kader Hussain Ravuthar,
37A, Sekkilar Street, Bibikulam,
Madurai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 10.02 acres bearing the following Re-Survey Numbers in Sellappanayakkampatti, Madurai district :

R.S. No.	Acre	Cents
72/1	0	10
72/2	0	10
72/3	0	13
72/4	0	44
72/5	0	42
72/6	1	24
72/7	0	13
72/8	0	89
72/9	0	58
72/10	0	40
72/11	0	67
72/12	0	65
72/13	0	17
77/1	0	43
77/2	0	48
77/3	0	12
78/1	0	34
78/2	0	36
78/4	2	55
	10	02

Ref. No. 7/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 72/1 to 72/13, 77/1 to 77/3, 78/1, 2 & 4 situated at Sellappanayakkampatti, Madurai district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Natham (Doc. No. 2902/75 on 20-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 28-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Jameela Bivi,
D/o. S. S. K. Sikkander Batcha Rowther,
Natham,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri E. Noor Mohamed Rowther,
37A, Sekkilar Street,
Bibikulam, Madurai,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 28th July 1976

Ref. No. 71/DEC/75-76.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. 110/1, 200, 204, situated at Velampatti and 49/2,
Pappapatti
(and more fully
described in the schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer
Natham (Doc. No. 2904/75) on 21-12-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 16-12 acres in the following
villages:

Village	R. S. No.	Acres
Velampatti	110/1	2—00
Velampatti	200	9—36
Velampatti	204	2—60
Pappapatti	49/2	2—16
		16—12

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922,
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 28-7-1976.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 3rd August 1976

Ref. No. 48/DEC/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25B (T.S. No. 1612), situated at 5th Street, 6th Ward, Nagal Nagar Pudur, Dindigul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagal Natekampatti (Doc. No. 1907/75) on 8-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Lakshmi Kanthammal, W/o Late N. Vasudeva, Nayudu, 2. Shri Mohan, 3. Shri V. Ramanujam, 4. Shri Rajendran, 5. Shri Seshadri and 6. Smt. Lalitha—By Power of Attorney Agent Smt. Lakshmi Kanthammal, 25B, 5th Street, Nagal Nagar Pudur, Dindigul town.

(Transferor)

(2) Smt. K. R. Rukmani, W/o Shri R. M. Karuppiiah Chettiar, No. 123, Railway Station Road, Nagal Nagar, Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4,050 sq. ft. with building thereon at door No. 25-B (T.S. No. 1612), 5th Street, 6th Ward, Nagal Nagar Pudur, Dindigul.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 3-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 3rd August 1976

Ref. No. 49/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25B, situated at 5th Street, Nagal Nagar Pudur, Dindigul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagalnaickampatti (Doc. 1908/75) on 8-12-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Lakshmi Kanthammal, W/o Late N. Vasudeva Nayudu, 2. Shri Mohan, 3. Shri V. Ramamujam, 4. Shri Rajendran, 5. Shri Seshadri, 6. Smt. Lalitha—By Power of Attorney Agent Smt. Lakshmikanthammal, 25B, 5th Street, Nagal Nagar Pudur, Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri R. M. Karuppiiah Chettiar, son of Ramasamy Chettiar, 123 Railway Station Road Nagal Nagar, Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8,350 sq. ft. with buildings thereon at door No. 25B (T.S. No. 1612), 5th Street, Nagal Nagar Pudur, Dindigul.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 3-8-1976.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 4th August 1976

Ref. No. 35/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 78/1, 2 & 4, situated at Kailasampalayam village, Tiruchengode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 2088/75) on 9-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. S. Gurunathan. S/o Shri R. R. Senkotiah Chettiar, Chetty Street, Tiruchengode. (Transferor)
- (2) Smt. Thangammal, W/o Shri T. N. Arumugam, Pullikkar Street, Tiruchengode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing the following survey numbers at Kailsam Palayam Village, Tiruchengode Taluk :

Survey No. 78/1	Land	Cent	0.06 — $\frac{5}{6}$	Undivided
Do	"	"	0.0014/16	1/24th share
Survey No. 78/4	Land		2159 — $\frac{5}{6}$	sft.
Survey No. 78/4	Building		387 — $\frac{6}{8}$	sft.
Survey No. 78/4	Building		683 — $\frac{5}{24}$	sft.
Survey No. 78/2	Land		1651 — $\frac{2}{3}$	sft.
Compound wall			57 ft.	

1/24th undivided share in well, electric light and ordinary latrine.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 4-8-76.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th August 1976

Ref. No. 36/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 78/1, 2 & 4, situated at Kailasapuram village, Tiruchengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Tiruchengode (Dec. No. 2089/75) on 9-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. S. Vadivelu, Chetty Street, Tiruchengode.
(Transferor)
- (2) Smt. T. N. Thangammal, W/o T. N. Arumugham,
17, Pullicar Street, Tiruchengode.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter 'XXA' of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing the following survey numbers at Kailsampalayam village, Tiruchengode taluk :

Survey No. 78/1	Land	0.06 $\frac{5}{6}$ Cent
Survey No. 78/1	Land	0.0014/16 Cent
Survey No. 78/4	Land	2159 $\frac{5}{6}$ sft.
Survey No. 78/4	Building	387 $\frac{6}{8}$ sft.
Survey No. 78/4	Building	683 $\frac{5}{24}$ sft.
Survey No. 78/2	Land	1651 $\frac{2}{3}$ sft.
Compound wall		57 ft.
1/24th undivided share in well, electric light and ordinary latrine.		

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 4-8-1976.
Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri V. Magudeswaran, 41, Car Street, Tiruchengode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. T. N. Thangammal, 17, Pullicar Street, Tiruchengode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6.

Madras-6, the 4th August 1976

Ref. No. 87/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 78/1, 2 & 4, situated at Kailasampalayam village, Tiruchengode,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 2191/75) on 31-12-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—206 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing the following survey numbers at Kailasampalayam village, Tiruchengode taluk :

Survey No. 78/1	Land	0.05 $\frac{7}{15}$ Cent
Survey No. 78/1	Land	0.0014/20" $\frac{13}{13}$
Survey No. 78/4	Land	1727 $\frac{15}{15}$ Sft.
Survey No. 78/4	Building	310 $\frac{2}{10}$ Sft.
Survey No. 78/4	Building	546 $\frac{17}{30}$ Sft.
Survey No. 78/2	Land	1321 $\frac{1}{3}$ Sft.
Compound wall		45 $\frac{18}{30}$ ft.

1/30th undivided share in well, electric light and ordinary latrine.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-I,

Date : 4-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajamhal, W/o T. S. Thangavelu, Chetty Street, Tiruchengode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th August 1976

Ref. No. 88/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 78/1, 2 & 4, situated at Kailasampalayam, Tiruchengode taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 2192/75) on 31-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. T. N. Thangammal, W/o T. N. Arumugham, 17, Pullicar Street, Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing the following survey numbers at Kailsampalayam Village, Tiruchengode taluk.

Survey No. 78/1	Land	0.09 $\frac{1}{9}$ —Cents
Survey No. 78/1	Land	0.01 $\frac{2}{12}$ —Cents
Survey No. 78/4	Land	2879 $\frac{79}{100}$ —Sft.
Survey No. 78/4	Building	517 Sft.
Survey No. 78/4	Building	910 Sft.
Survey No. 78/2	Land	2202 $\frac{2}{9}$ —Sft.
Compound wall		76 ft.
1/8th undivided share in well, electric light and ordinary latrine.		

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 4-8-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. R. Sakthivel, S/o T. K. Ramasamy Chettiar,
Chetty Street, Tiruchengode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri T. N. Arumugham, 17, Pullicar Street, Tiru-
chengode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th August 1976

Ref. No. 83/DEC/75-76.—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 78/1,2&4, situated at Kailasampalayam village, Tiruchengode taluk

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tiruchengode (Doc. No. 2171/75) on 24-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings bearing the following survey numbers at Kailsampalayam village, Tiruchengode :

Survey No. 78/1	Land	0.06 $\frac{5}{6}$	Cents.
Survey No. 78/1	Land	0.0014 $\frac{16}{5}$	Cent.
Survey No. 78/4	Land	2159 $\frac{6}{6}$	Sft.
Survey No. 78/4	Building	387 $\frac{8}{5}$	Sft.
Survey No. 78/4	Building	683 $\frac{24}{2}$	Sft.
Survey No. 78/2	Land	1651 $\frac{3}{3}$	Sft.
Compound wall		57	ft.
1/24th undivided share in well, electric light and ordinary latrine.			

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. G. Poongavanam, W/o T. S. Gurunatha Chettiar, 66, Chetty Street, Tiruchengode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. N. Arumugham, 17, Pullicar Street, Tiruchengode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th August 1976

Ref. No. 84/DEC/75-76.—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 78/1,2 & 4, situated at Kailasampalayam village, Tiruchengode taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 2172/75) on 24-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing the following survey numbers at Kailsampalayam village, Tiruchengode :

Survey No. 78/1	Land	0.06 — $\frac{5}{6}$	Cent.
Survey No. 78/1	Land	0.0014/16 — $\frac{5}{6}$	Cent.
Survey No. 78/4	Land	2159 — $\frac{6}{6}$	Sq. ft.
Survey No. 78/4	Building	387 — $\frac{8}{5}$	Sq. ft.
Survey No. 78/4	Building	683 — $\frac{24}{2}$	Sq. ft.
Survey No. 78/2	Land	1651 — $\frac{3}{3}$	Sq. ft.
Compound wall		57	ft.
1/24th undivided share in well, electric light and ordinary latrine.			

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 4-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. V. Padmavathi, W/o Shri T. S. Vadivel, 64, Chetty Street, Tiruchengode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. N. Arumugham, 17, Pullicar Street, Tiruchengode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th August 1976

Ref. No. 85/DEC/75-76. Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 78/1,2 & 4, situated at Kailasampalayam village, Tiruchengode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 2173/75) on 24-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings bearing the following survey numbers at Kailasampalayam village, Tiruchengode :

Survey No. 78/1	Land	0.06 $\frac{5}{16}$ Cent.
Survey No. 78/1	Land	0.0014 $\frac{16}{5}$ Cents.
Survey No. 78/4	Land	2159 $\frac{6}{8}$ Sq. ft.
Survey No. 78/4	Building	387 $\frac{6}{8}$ Sq. ft.
Survey No. 78/4	Building	683 $\frac{5}{24}$ Sq. ft.
Survey No. 78/2	Land	1651 $\frac{2}{3}$ Sq. ft.
Compound wall		57 ft.
1/24th undivided share in well, electric light and ordinary latrine.		

G. RAMANATHAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 4-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pappa, W/o T. K. Ponnusamy, 72, Salem Road, Tiruchengode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. N. Arumugham, 17, Pullicar Street, Tiruchengode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th August 1976

Ref. No. 86/DFC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 78/1, 2 & 4, situated at Kailsampalayam village, Tiruchengode taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 2174/75) on 24-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing the following survey numbers at Kailsampalayam village, Tiruchengode :

Survey No. 78/1	Land	0.05 $\frac{7}{15}$	Cent.
Survey No. 78/1	Land	0.007/10 $\frac{13}{15}$	Cent.
Survey No. 78/4	Land	1727 $\frac{2}{20}$	Sq. ft.
Survey No. 78/4	Building	310 $\frac{17}{30}$	Sq. ft.
Survey No. 78/4	Building	546 $\frac{1}{3}$	Sq. ft.
Survey No. 78/2	Land	1321 $\frac{18}{30}$	Sq. ft.
Compound wall		45 $\frac{1}{30}$	ft.

1/30th undivided share in well and 1/24th undivided share in electric light and latrine.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 4-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. N. Patel; Fairlight, Porter Avenue, Coonoor;
and Shri R. N. Patel, Clover Estate, Kanerimuku
P.O., Nilgiris (Trustees of N. K. Patel Trust)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd August 1976

Ref. No. 2764/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Door No. 16, situated at Street No. 5, Coonoor
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Coonoor (Doc. No. 1187/75) on 8-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Shri N. H. Sethna and Mrs. F. N. Sethna "West
Craft", Door No. 16, Street No. 5 Coonoor (The
Nilgiris)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 16, Street No. 5 Con-
noor, [1.12 8/16 acres of land (with building) bearing R. S.
Nos. 618, 619 & 617/2—Coonoor] (Doc. No. 1187/75).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 2-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 2nd August 1976

Ref. No. 2765/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 173, situated at Ootacamund (The Nilgiris) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ootacamund (Doc. No. 1699/75) on 8-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Doraswamy, Administrator of the estate of Mrs. Sybil Hamilton Henderson deceased, C/o King & Patridge, Solicitors, Ootacamund. (Executors—Mrs. Jean Margaret Fordham and Mr. Dudley Harry Fordham).

(Transferor)

(2) Shri V. Shanmugam S/o Shri Venkatappa Gowder No. 335, Raja Street, Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 65.69 cents (with building 'Homeleigh') and bearing R. S. No. 4040/3 located at Door No. 173 Churchhill Lane, Ootacamund.

(Doc. No. 1699/75).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 2-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rukmani Kalingarayar Uthukuli House, Race Course, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. S. Ramaswami Prop. Palani Andavar Ginning Factory & Rice Mill, Main Road, Somanur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 2nd August, 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2772/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. F. 699/1 & 699/2 situated at Shamalapuram village (1.93 acres of land with building & machinery) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1 Tirupur (Doc. No. 2399/75) on 4-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1.93 acres (with buildings & machineries viz. One Huller; One Sheller; One 50 H.P. Motor and One Boiler) and bearing S. F. Nos. 699/1 and 699/2 situated at Shamalapuram village, Palladam Taluk, Coimbatore District.

Document No. 2399/75.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—206 GI/76

Date : 2-8-1976.

Seal :

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajshree, W/o Shri S. Pathy, Circuit House Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 2nd August 1976

Ref. No. 2805/75-76.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 402, situated at Uppilpalayam village (8.62 acres of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singaloor, Document No. 1518/75, dt. 12-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8.62 acres of land situated at Uppilpalayam village, Coimbatore Taluk (S. No. 402).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 2-8-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. Murugaiah Pathar S/o Shri Arumuga Pathar
Neela South St., Nagapattinam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri D. Jagannatha Udayar & Shri D. Nataraja
Udayar S/o Shri Duraiswami Udayar Rice Mill,
Thirukkangudi Road, Keelvazhur Tiruvarur Taluk.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 2nd August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

2.79 2/3 acres of land (with buildings and the following
machineries) bearing Survey Nos. 245/10; 245/4; 245/5;
245/6; 245/7 and 223/9 and located at Keelvazhur village,
Tiruvarur Taluk. (Doc. No. 1653/75)

Machineries :

1. 25 H.P. Brush indication Electric Motor	1 No.
2. Electric Starter	2 Nos.
3. Main Switch	2 Nos.
4. No. 1 Huller.	1 No.
5. Wind Blower	1 No.
6. Two inch centre wheel pump	1 No.
7. 10 HPM 3410 Steam boiler	1 No.
8. Paddy boiling tank	2 Nos.
9. Avery scale (big)	1 No.
10. Avery scale (small)	2 Nos.
11. Huller Belt	1 No.
12. Pump and wind blower bolts.	4 Nos.

S. RAJARATNAM,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.Ref. No. 3476/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. S. No. 245/10; 245/4; 245/5; 245/6; 245/7 & 223/9 (2.79
2/3 acres of land, etc) Keelvazhur(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at Nagapattinam (Doc. No. 1653/75) on 1-12-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen percent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 2-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400 020.

Bombay-400 020, the 6th July 1976

Ref. No. ARI/1409-1/Nov 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 26, C.S. No. 517 of Colaba Division situated at Colaba and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-11-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bhicaji Edulji Doctor & Others and Dadi Sorabji Mistry & Others.
(Transferor)
- (2) Ferena Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)
- (3) 1. Miss Tehmi N. Eranee.
2. Dr. (Miss) S. E. Bhagwager.

3. Shri Venkatesan Srinivasan & other.
 4. Fariyas Hotels Pvt. Ltd.
 5. Goldi & Co.
 6. Mrs. Jer K. Dastoor & Others.
 7. Mr. Jehangir F. Irani (Marzabani & other).
 8. American International Underwriters (I) Pvt. Ltd.
 9. Shri Piroj B. Bugwadia & Others.
 10. Rogaciano N. Jacques & Others.
 11. Shri Babubhai L. Shah & Others.
 12. Shri A. V. Ranade.
 13. Shri Rustom N. Surti & Other.
 14. Smt. Vidyavati Satyaprakash Kapoor.
 15. Shri Satyaprakash Lalchand Kapoor.
 16. Shri Abbasbhoy Kamroodni Akolawala.
 17. Smt. Zehrabai Tyabali Amravatiwala.
 18. Shri Byram Pestonji Gariwala & Other.
 19. Smt. Jerbanoo Pestonji Gariwala & other.
 20. Shri Peter D'Souza.
 21. Shri Burjor Dadabhoy Coorlawala.
 22. Shri Mohamed Abdullah.
 23. Shri Phiroze R. Sanjana & Other.
 24. Miss Soona Hormazdyar.
 25. Shri Eruch Hormasji Bhot.
 26. Mr. & Mrs. Noshir K. Khan.
 27. Mr. & Mrs. Boman Faramroze Gadialy.
 28. Mr. Anthony Joseph Nazareth & Other.
 29. Mr. Minoo S. Bhagat.
- (Persons in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground, hereditaments and premises with the messuages, tenements and dwelling house and structures with the building known as "Ferena" standing thereon and bearing Plot No. 26 of the Colaba Land & Mill Company's land at Arthur Bunder Road, Colaba, considering by admeasurement 930.66 sq. yards or thereabouts equivalent to 778.43 sq. metres or thereabout situate, lying and being in the City, Island, District and Registration Sub-District of Bombay and forming part of the land registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Cadestral Survey No. 517 of Colaba Division and assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under "A" Ward No. 406(2) and Street No. 71, Arthur Bunder Road and bounded as follows: that is to say, on or towards the NORTH: by 40 ft Road; on or towards the SOUTH: by Plot No. 27 of the Colaba & Mill Company's land; on or towards the WEST: by 40 ft. Road and or towards the EAST: by Plot No. 33 of the said Colaba Land & Mill Company's land.

V. R. AMIN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-7-1976

Seal:

FORM ITNS

(1) (1) Shri Chandrasen Motiram Vaswani (2) Shri
Vijay Chandrasen Vaswani (3) Miss Veena Chan-
drasen Vaswani. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhav Jamnadas Raheja. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
AYURVEDIK COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 28th July 1976

Ref. No. AR.V/524-2/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9 S. No. 94 H. No. 1 situated at Wadhavali

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land (Agricultural) or grounds
situated at Wadhavali in Greater Bombay bearing Plot No. 9,
on the plan hereto annexed and admeasuring 739 sq. yards or
about 618 sq. metres or thereabouts together with the area of
93 sq. yards of 78 sq. metres forming part of S. No. 94
Hissa No. 1, in the Sub-District Bombay City and Bombay
Suburban bearing no City Survey Number and bounded as
follows :

NORTH : Property bearing S. No. 94, H. No. 1 and
Survey No. 93.

SOUTH : Public passage.

EAST : Property bearing Survey No. 113.

WEST : Proposed road and beyond that property bearing
Plot. No. 1.

V. R. AMIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 28-7-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Mistry & Patel.

(Transferor)

(2) Ghatkopar Anand Kunj Co-op. Housing Society Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
AYURVEDIK COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 28th July 1976

Ref. No. AR-V/531/9/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 233 Plot No. 6 H. No. 11 situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 219 of the Town Planning Scheme, Ghatkopar No. III situate at Hingwala Lane, Ghatkopar (East), admeasuring 735 sq. yards and originally bearing Survey No. 233, Plot No. 6, Hissa No. 11 and Municipal Ward No. N-809(2) and Street No. 219, Deraser Lane and bounded as follows :—

That is to say on the East by proposed 50 feet wide road, on the North by Hingwala Lane, on the West by Plot No. 218 and on the South by Plot No. 220.

V. R. AMIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 28-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rustom S. Vatcha. (Transferor)

(2) M/s. Caltex (India) Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
AYURVEDIK COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400002, the 31st July 1976

Ref. No. AR-I/1424-16/Nov.75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1/434 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Hughes Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE FIRST SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being on the west side of Hughes Road in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 971-27 Square Yards or thereabouts being a portion of a large piece of land registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Old Collectors Number Nil, New Collectors Number Nil, Old Survey Number 670, New Survey No. 62/7310 and bearing Cadastral Survey No. 1/434 of the Malabar and Cumballa Hill Division and bounded as follows : that is to say, ON the North by plot No. 1 leased to Sir Rattan Tata Industrial Institute, on the South by Seth Fardunji Sorabji Parekh Dharamshala property of the Parsi Panchayat, on the East by Hughes Road and on the West by Seth Fardunji Sorabji Parekh Dharamshala property of the Parsi Panchayat.

THE SECOND SCHEDULE

One ground floor structure being a Pump Kiosk and sales building together with two Service Bays and a Mezzanine floor, fitted with fluorescent fittings, switches, fuses, etc. One Ground floor structure being an office and showroom building with three plate glass windows, mezzanine floor, lavatories, washrooms, water and flushing tanks, fittings etc. with lighting fixtures, switches, etc.

V. R. AMIN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 31-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Framroze Muncherji Daruwalla. (Transferor)

(2) Pusgpa Gandhi Co-operative Housing Society Limited. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AYURVEDIK COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400002, the 31st July 1976

Ref. No. 1433-25/Nov. 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1175 Plot No. 923, TPS.IV (Mahim), Street No. 349, Sani Road, situated at Sani Road, Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of pension of tax land or ground with messuages tenements or dwelling house standing thereon situate lying and being at the end Khed Gully, off Sayani Road in the Island of Bombay containing by admeasurement 8589 square yards equivalent to 6,871.20 metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under R.R. No. 791 New Survey No. 1732 Cadastral Survey No. 1175 of Lower Parel Division and assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under G Ward Nos. 2884, 2885(1), (2), (3) & (4) and Street Nos. 349, 350, 8, 8A and 8B. Second Khed Gully and bounded as follows : that is to say, on or towards the East by properties bearing Cadastral Survey Nos. 1176, 1177, on or towards the West by properties bearing Cadastral Survey Nos. 1/1174, 2/1174 of 2A/1174 on or towards the North by property bearing C.S. No. 1185 and on or towards the South by 2nd Khed Gully aforesaid.

All that piece or parcel of land or ground of pension and Tax tenure bearing Final Plot No. 923 of the Town Planning Scheme, Bombay City No. IV (Mahim Area) bearing Municipal G Ward No. 2884, Street No. 349, Sayani Road, in the Registration Sub-District of Bombay and the Island of Bombay, containing by admeasurements 1123 square yards equivalent to 898.40 square metres or thereabouts which originally formed part of the larger piece of land bearing C.S. No. 1175, Lower Parel Division described in the First Schedule above and which smaller piece bearing Final Plot No. 923, is bounded as follows : that is to say on or towards the East by a proposed road, on or towards the West by land bearing Final Plot No. 922, on or towards the North by land bearing Final Plot No. 910 and on or towards the South by land bearing Final Plot No. 924.

V. R. AMIN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 31-7-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pratima Ramakant Bhat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AYURVEDIK COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400002, the 31st July 1976

Ref. No. AR-I/1449-16/Nov. 75.—Whereas, I, V. R. AMIN the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 13, C.S. No. 547 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Gamdevi Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

25—206GI/76

- (2) (1) Shri Madhusudan Kanji Pandya, (2) Kusumray K. Pandya, (3) Dhirajlal K. Pandya, (4) Arvind K. Pandya & (5) Kaushik B. Pandya. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of leasehold land or ground together with the messuages tenements or dwelling houses standing thereon situate lying and being at Tajpal Road and being Plot No. 13 of the Gamdevi Estate of the Board of Improvement Trust for the City of Bombay now vested in the Municipal Corporation of the City of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement one thousand one hundred and forty seven square yards equivalent to nine hundred sixty nine square meters or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue as a portion of lands bearing New Survey No. 7335 and Cadastral Survey No. 547 of Malabar & Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under D Ward No. 2881 (8) and Street No. 3 Tejpal Road, and bounded as follows: that is to say on or towards the North East by Tejpal Road, on or towards the South-East by Plot No. 12 of the said Gamdevi Estate bearing Cadastral Survey No. 463 on or towards the South-West by land of the Board laid out as a service passage beyond that by the property bearing Cadastral Survey No. 549 and on or towards the North-West by Plot No. 14 of the said Estate bearing Cadastral Survey No. 548.

V. R. AMIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 31-7-1976,

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jaya Chandarsi Udeshi. (Transferor)

(2) Smt. Kamla Kishinchand Bathija. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AYURVEDIK COLLEGE BLDG., NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 2nd August 1976

Ref. No. ARI-I/422-14/Nov.75.—Whereas, I, V. R. AMIN the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 11 situated at Malabar Hill

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-11-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the messuage, tenement and building standing thereon, situate, lying and being at Walkeshwar Road, Malabar Hill, Bombay, in the registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 60 (Sixty square metres) 72 square yards or thereabouts and bounded as follows : On the East by Walkeshwar Road, on the West by the land bearing C.S. No. 10 on the North by the land bearing C.S. No. 12, belonging to Kofi Bhiwa Nagoo and on the South by the land bearing C.S. No. 5, belonging to Vussonji Dossa, and which land, hereditaments and premises are registered in the books of the Collector of Land Revenue under New Survey No. 7261, Cades-tral Survey No. 11 of Malabar Hill Division, and in the Books of the Assessor and Collector or Municipal Rates and Taxes and under D-Ward No. 2987, Street No. 264 A, 'Walkeshwar Road, Bombay.

V. R. AMIN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 2-8-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Vijay Dattatraya Velhal, (2) Shri Vishnu Dattatraya Velhal. C/36, Mehta Apartments, Dadar, Bombay-28. (Transferer)

(2) M/s. Rajhans. Partners :—(1) Shri Dattatraya Rajaram Velhal. (2) Shri Nilkanth Dattatraya Velhal, C/36, Mehta Apartments, Dadar, Bombay-28. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA-411 004.

Poona-411 004, the 28th July 1976

Ref. No. CA/5/Panvel/November/75/291 of 76-77.—

Whereas, I, V. S. GAITONDE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 439, Hissa No. 2 situated at Panvel.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panvel on 20-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold, N.A. Plot, Survey No. 439, Hissa No. 2, Panvel Distt. Kolaba, Area :—36½ gunthas.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 177 of November 1975 of the Registering Authority, Panvel.)

V. S. GAITONDE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 28-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA-411 004.

Poona-411 004, the 28th July 1976

Ref. No. CA/5/Panvel/November/75/292 of 76/77.—
Whereas, I, V. S. GAITONDE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Survey No. 439, Hissa No. 1, situated at Panvel
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Panvel on 21-11-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) (1) Shri Vijay Dattatraya Velhal. (2) Shri Vishnu
Dattatraya Velhal. C/36, Mehta Apartments, Dadar,
Bombay-28. (Transferor)
- (2) Ms. Rajhans. Partners : (1) Shri Dattatraya Raja-
ram Velhal. (2) Shri Nilkanth Dattatraya Velhal.
C/36, Mehta Apartments. Dadar, Bombay-28.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold N.A. Plot, at Survey No. 439, Hissa No. 1 at
Panvel, Dist. Kolaba. Area:—36-1/4 funtas.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 178 of
November 1975 of the Registering Authority, Panvel.)

V. S. GAITONDE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 28-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th July 1976

C. R. No. 62/5294/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House bearing No. 46, situated at Hutchins Road II Cross, Bangalore (Division No. 49) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2667/75-76 on 4th for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Selvyn Arnold Cornelius,
No. 46, Hutchins Road II Cross,
Bangalore-560005.
(Transferor)
- (2) 1. Mr. Michael Joseph Nicholas
2. Mrs. M. A. Nicholas W/o Mr. M. J. Nicholas and
3. Mrs. T. M. King W/o Mr. R. R. King and
daughter of (1) & (2).
All residing presently at :—
Coromandal Post, Kolar Gold Fields, Karnataka.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2667/75-76 Dated 4-12-1975]
House No. 46 Hutchins Road II Cross, Bangalore (Division No. 49)

SITE AREA :

North : 40'-7"
South : 35'-9"
East : 63' and
West : 61'-3"

PLINTH :—

1675 Sq. ft. (1300 sq. ft. good construction and 375 sq. ft. ordinary construction).

BOUNDARIES :—

North : Hutchins Road II Cross, Bangalore.
South : No. 12, Wheeler Road,
East : Wheeler Road and
West : No. 46/1, Hutchins Road II Cross.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 369-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th July 1976

C.R. No. 62/5295/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building site bearing No. 46/1, situated at Hutchins Road II Cross., (Division No. 49), Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2668/75-76 on 4th December 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Selvyn Arnold Cornelius,
No. 46, Hutchins Road II Cross,
Bangalore-560005.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Michael Joseph Nicholas,
2. Mrs. M. A. Nicholas W/o Mr. M. J. Nicholas and
3. Mrs. T. M. King W/o Mr. R. R. King and
daughter of (1) & (2).
All residing presently at
Coromandal Post, Kolar Gold Fields, Karnataka.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2668/75-76 Dated 4-12-75]

Building site bearing No. 46/1, Hutchins Road II Cross (Division No. 49), Civil Station, Bangalore.

SITE AREA :

North : 65'	} 2.560 sq. ft.
South : 63'	
East to West : 40'	

BOUNDARIES :—

North : Hutchins Road II Cross,
South : No. 12, Wheeler Road,
East : No. 46, Hutchins Road II Cross and
West : No. 47, Hutchins Road II Cross.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-7-76

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th July 1976

Ref No. C.R. No. 62/5342/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1608(1608/50), situated at 40th 'A' Cross IV the T Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 2526/75.76 on 4-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :-

- (1) 1. P. C. Satyanarayana Setty, S/o Chinnaswamy Setty, 2. P. S. Suryanarayana, 3. P. S. Ashok Kumar Sons of Shri P. C. Satyanarayana Setty

All residing at : 1608 (1608/50) 40th 'A' Cross, 18th Main, IV T. Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

- (2) Shrimati Sharadamma, D/o. Gowramma, No. 9, 1st Cross, Krumbigal Road, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2526/75.76 Dated 4-12-75]
House No. 1608 (1608/50), 40th 'A' Cross, IVth 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Site Area :—East to West=45' }
North to South=60' } 2700 Sq. ft.

Plinth Area :—20 Squares.

Boundaries :—East=Site No. 1607
West = Site No. 1609
North = Road and
South = Site Nos. 1614 and 1615.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-7-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 14th July 1976

Ref. No. C.R. No. 62/5441/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, **R. KRISHNAMOORTHY**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and house bearing No. 3084, situated Paramahansa Road, I Main Yadavagiri, Devaraja Mohalla, Mysore-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore, document No. 3077/75-76 on 22-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri H. S. Shivappa, S/o Hosatti Subbanna
- (2) Sri S. Basavaraj, S/o H. S. Shivappa
- (3) Sri B. Lokesh
- (4) Smt. Usha Devi
- (5) Sri B. Rajashekar
- (6) Sri B. Somashekar
- (7) Sri B. Umashankar
- (8) Miss Rajeswari
- (9) Miss B. Gayathri

Children of Sri S. Basavaraj (ie. Sl. Nos. 3 to 9)
Nos. 6 to 9 being minors represented by their Father and natural guardian Shri S. Basavaraj.

All residing at : No. 3084, Paramahansa Road, Yadavagiri (Devaraja Mohalla) Mysore-2.

(Transferor)

- (2) (1) Shri P. N. Balasubramany Setty
 - (2) Shri P. N. Venugopal Gupta
 - (3) Shri P. N. Viswanatha Setty
- Sons of Sri Putta Nagaraja Setty

All residing at :—No. 891, Lakshmipuram, Mysore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3077/75-76 Dated 22-12-1975]
House bearing No. 3084, Paramahansa Road, Ist Main, Yadavagiri, Devaraja Mohalla, Mysore-2.
Site Area : East to West = 168'
North to South = 131'4"
2463 Sq. yds or 22176 Sq. ft.
Plinth : 62 Squares
Boundaries : East : Road,
West : Vacant site belonging to Sri B. S. N. Rao,
South : Road and
North : House belonging to Sri H. S. Rama Rao and Cariyappa.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-7-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th July 1976

C. R. No. 62/5444/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2718/1 and 2718/2 (New Nos. 55/1 and 55/2), built on site No. 54, situated at 3rd Main Road, Vanivilasapuram, Devarajamohalla, Mysore-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore, Document No. 3130/75-76 on 19-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

26—206 GI/76

- (1) (1) Smt. B. H. Shakunthala Bai, W/o Late B. Hanumantha Rao
(2) Shri B. H. Laxman Rao
(3) Smt. B. H. Shantha Bai
(4) Smt. B. H. Uma Bai
(5) Shri Subhasa (Minor) represented by mother and natural guardian Smt. B. H. Shantha Bai
Children of Smt. B. H. Shakunthala Bai
All residing at :—No. 2718, 3rd Main Road, Vanivilasa Puram, Devaraja Mohalla, Mysore-2.
Transferor(s)
- (2) Shrimati B. Sudhasini, W/o Sri B. Raghuvver, (Shop Suptd. Electric Department, Perambur Carriage Factory, Southern Railway, Madras)
Residing at :—2718/1, 3rd Main, Vanivilasapuram, Devaraja Mohalla, Mysore-2.
Transferee(s)
- (3) Shri Viswanathan, No. 2718/2, Devaraja Mohalla, 3rd Main Road, Vanivilasapuram, Mysore-2.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 3130/75-76 Dated 29-12-1975]
House No. 2718/1 and 2718/2, (New Nos. 55/1 and 55/2), built on site No. 54, 3rd Main Road, Vanivilasapuram, Devaraja Mohalla, Mysore-2.
Site Area : East to West : On the Southern side = 119'
East to West : On the Northern side = 110'
North to South : On the Eastern side = 41' and
North to South : On the Western side = 85'
7213 Sq. ft.
Plinth : 12 squares
Boundries : East = Ist Cross
West = No. 53, Raja Rao's House
South = Vanivilasapuram 3rd Main Road, and
North = Property retained by the Vendors bearing No. 2718.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st July 1976

C. R. No. 62/5456/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern half of site No. 54, i.e. Site No. 54/38, 3rd Main Road, 7th Block, situated at Jayanagar, Bangalore-11. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 2701/75-76 on 26-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) (1) Shrimati S. Vanaja, D/o P. T. Sangoda Mudaliar
(2) Smt. S. Lakshammamma, W/o B. Tirumala
Residing at : No. 26, Sangunder Street, Tirupathur, N. A. District.

Transferor(s)

- (2) Dr. N. Prakash, S/o Dr. H. Narayana Rao, Represented by his P. A. Holder Dr. H. Narayana Rao, No. 571, 43rd Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-41.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2701/75-76 Dated 26-12-75]
Southern half of site No. 54, i.e. Site No. 54/38, 3rd Main Road, 7th Block, Jayanagar, Bangalore-11.
North to South = 60' } 4,200 Sq. ft.
Site Area :—East to West = 70' }
Boundries :—East + 3rd Main Road
West = Site No. 53,
North = Portion of this site No. 54, and bearing
South = Site Nos. 55 and 56
Sub. No. 38/1 and

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-7-76

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri G. N. Balasubramanyam, S/o Sri G. Nagaraja Setty, 10, Dewankhan Lane, Chickpet, Bangalore City.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) (1) Shri D. M. Chinnapapaiah Setty, S/o Late Madiah Seny, No. 3, 5th Road, Chamrajpet, Bangalore. (2) Shri D. P. Aswathanarayana Setty, "Madhavachandra Nivas", Chikkanna Gardens, V Main Road, Chamrajpet, Bangalore.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

- (4) Smt. Lalithamma, No. 6, A. M. Lane, Chickpet, Bangalore.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Bangalore-27, the 2nd August 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

C. R. No. 62/5333/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing a portion of premises No. 93, (old No. 6), Armuga Mudaliar Lane, situated at Chickpet, Bangalore City. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 3179/75-76 on 10-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 3179/75-76 Dated 10-12-75]

A portion of premises bearing No. 93 (old No. 6), Armuga Mudaliar Lane, (Municipal Divn. No. 116), Chickpet, Bangalore.

Total Plinth area = 8022 Sq. ft.

Boundries North = Property of Nagusa & Gurusiddappa,
South = Armugam Mudaliar Lane,
East = Property of Nagusa & Krishnappa,
West = Property of Sakalchand, Gurusiddappa & Veerabadhraiah.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-76
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwan Dass & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Badri Narain & Ner Narayan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

(3) In the seller's possession.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 19th June 1976

Ref. No. 64-B/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double Storied House situated at Mohalla Sanaie Bazar, Purani Kotwali, Mirzapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mirzapur on 2-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house measuring 118'—6" lengthy North South constructed in 19241. This is situated in Mohalla Sanaie Purani Kotwali, Mirzapur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-6-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwan Dass & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bimla Devi & Shushila Devi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) In the seller's possession.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 19th June 1976

Ref. No. 65-B/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double Storied House situated at Mohalla Sanai Bazar, Purani Kotwali City, Mirzapur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mirzapur on 2-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house measuring 118'—6" lengthy North South about 50 years old which is situated at Mohalla Sanai Purani Kotwali Mirzapur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. RAHMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-6-1976.

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Narayan & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishore Yadav.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.(4) Anybody interested in the property. (Person whom
the undersigned knows to be interested in the
property)

Lucknow, the 21st July 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 52-K/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land No. 1512 Rakwa situated at Mauja Mohwatpur Mohamdawad Gohna Distt. Azamgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mohamdabad Gohna on 2-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land No. 1512 Rakwa Tadadi 2—089 which is situated at Mohwatpur Parg. Mohamdawad Gohna Distt. Azamgarh.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Income Tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 21-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ashok Kumar Dixit & other.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gageer Singh & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Ashok Kumar & others.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow the 24th July 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 35-J(B)/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. 528/1/1—5, 526/1/1—7, 527/11—57, 528/—28, 530/—3, 552/1—19, 535/—70, 540/—18, etc. situated at Mauja Dasailiya Pargna Khairabad, Distt. Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sitapur on 24-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 528/1/1—5 etc. which is situated at Village Dasailiya Pargna & Tehsil Khairabad Distt. Sitapur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 24-7-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Veer Pratap Shah,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sampati Sewa Sansthan (Regd. Partnership Firm) &
others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th July 1976

Ref. No. 9-I(R)/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH
BISEN,being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. D-53/92-93 situated at Kamachchha, Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Varanasi on 18-12-75for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and have
reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following per-
sons; namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of land No. D-53/92-93 measuring about 15797 Sq.
ft. With boundrywall situated at Kamachchha, Varanasi.A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baladin Ram Jaiswal & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Meera Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 29th July 1976

Ref. No. 52-M/Acquisition.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 situated at Mohalla Maldahiya Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varanasi on 29th Dec. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any means or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—206GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 6 measuring 3768 sqr. fts. situated at Mohalla Maldahiya Distt. Varanasi.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-7-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kaneez Haider & Others.

(Transferor)

(2) Km. Shail Kumari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 29th July 1976

Ref. No. 126-S/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 112/17 situated at Shri Ram Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20th Dec. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing No. 112/17 situated at Shri Ram Road Aminabad Lucknow.

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-7-76.

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Mehrabish Bano Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh Chandra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 3rd August 1976

Ref. No. 25-D/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Portion of house situated at Mohalla Kanoon Goyan, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 12-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Portion of house measuring 671 Sq. yds. situated at Mohalla Kanoon Goyan, Moradabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 3-8-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jcep Flesh Light Industries Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mizammil Hasan & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 3rd August 1976

Ref. No. 83-M/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land occupied by bungalow No. 26 situated at Sarojini Naidu Marg, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 5-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land occupied by bungalow No. 26, measuring 3 Acre 13 Poles, situated at Sarojini Naidu Marg, Allahabad.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Lucknow.

Date : 3-8-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mehribish Bano Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Chandra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

(3) Seller. (Person in occupation of the property)

Lucknow, the 3rd August 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 97-R/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 Portion of house situated at Mohalla Kanoon Goyan, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 12-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

1 Portion of house measuring 671 Sq. yds. situated at Mohalla Kanoon Goyan, Moradabad.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th May 1976

No. Acq. 23-I-807(384)/11-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

City Survey No. 4/A/1, S. No. 83/7/A-1 and 82/2/A-1 situated at IInd Floor, Super Market, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar in December, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) 1. Urmila Subashchandra Patalia,

2. Lilavantiben Harjivandas Bardanwala,

3. Ushaben Harjivandas Bardanwala,
Hospital Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Manishanker Prabhashanker Rawal,

2. Smt. Kantaben Manishanker Rawal,
Pushpanjali, Swastik Society, Jamnagar.

(Transferee)

(3) Life Insurance Corporation of India,
Super Market, Jamnagar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land bearing S. Nos. 4/A/1, 83/7/A-1 & 82/2/A-1, with plinth area of 501 sq. mt. situated at IInd floor portion of C Block, Super Market, Jamnagar.

J. KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 17-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1976

Ref. No. 23-I-826(416)/-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 266, Anantwadi situated at Vadva, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 29-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shashikant Batukbhai Pattani,
Anantwadi,
Bhavnagar.

(Transferor)

- (2) Shri Navjivan Co-op. Housing Society Ltd.,
through Chairman : Shri M. M. Mehta,
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3902 sq. yards bearing S. No. 266, situated at Vadva, Bhavnagar, Ahmedabad

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 5-6-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1976

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-898(432)/1-1/75-76.—Whereas I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 19/Part, Final Plot No. 22/1 of TPS No. 6 situated at Prabhudas Thakkar Arts, Commerce and Science College, Road, Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-12-1975 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rutrai Co-op. Housing Society Ltd.,
C/o. Bhogilal D. Shah, Munsaf's Khadki,
Dhana Sutarni Pole, Ahmedabad-1.

(Transferor)

(2) Shri Kalyanbhai Jagshibhai Desai,
Chief promotor of Ruturai Shopping Centre
Co-op. Society, Paldi Village, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1204 sq. yards bearing S. No. 19/Part F.P. No. 22/1 of T.P.S. No. 6, situated at Prabhudas Thakkar Arts, Commerce and Science College Road, Paldi, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 3-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sushila Singhal 7/177, Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Kanhaiya Lal Matlani, 2. Om Prakash Matlani, 3. Smt. Sita Devi Matlani, R/o 111/406, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1976

Ref. No. 810-A/Acq/Kanpur/75-76.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 12-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

28—206GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House No. 7/177, Swaroop Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,65,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 2-2-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Kanpur, the 15th April 1976

Ref. No. 991/Acq/Kanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

(1) Shri Hasan Abbas Jafri Son of Mohammad Ibrahim Jafri, 88/373, Humaun Bagh, Chamanganj, Kanpur.
(Transferor)

(2) 1. Smt. Bashirun Nisha w/o Abdul Abbas, 2. Smt. Aalia Khatoon w/o Abdul Abbas, R/o 88/31-B, Peshkar Road, Chamanganj, Kanpur, 3. Smt. Sagirun Nisha w/o Abdul Rajjak, R/o 88/76, Chamanganj, Peshkar Road, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of open plot of land measuring 423 sq. yds. bearing Plot No. 223, Block 'B', situated at Sujatganj, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 13,536/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 15-4-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th May 1976

F. No. 971-A/Acq/Kanpur/75-76.—Whereas, I, V. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. As per schedule situated at Khalasi Lines, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. M. Seth 48/128, Ganeralganj, Kanpur.
(Transferor)
- (2) 1. Shri J. P. Gupta, 2. Smt. Laxmi Devi Gupta, 3. Smt. Munni Gupta, and 4. Master Arvind Gupta, R/o 58/45, Birhana Road, Kanpur.
(Transferees)
- (3) Shri G. N. Seth, H. N. Seth, Trilokinath Seth, Amar Nath Seth and Surendra Nath Seth.
(Persons interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/5th undivided portion of plot No. 1/81-G, Khalasi Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 220000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 20-5-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th July 1976

Ref. No. Acq/994-A/Dehradun/75-76/847.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 12-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhagwati Devi w/o Sri Brij Mohan Gupta, 43, Kanwai Road Dehradun, at present 424 Khurbura Mohalla Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Mandar Das Gupta s/o Sri Kewal Ram Gupta c/o Bank of India, Indore, Branch Santha Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 12/1 measuring 922 sft. (ground floor) and 115 sft. (1st floor), situated at Rajindernagar Colony, Kaulagarh, Dehradun, transferred for an apparent consideration for Rs. 45,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 13-7-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sri Devi Das Kapoor s/o Sri Jeet Mal Kapoor, r/o 45/62, Gaya Pd. Lane, Kanpur. 2. Sri Madho Ram Batham s/o Karta Ram. 3. Sri Raja Ram Batham s/o Sri Karta Aam, r/o 133/38, Juhi, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Kanta Arora w/o Sri Jaswant Arora r/o 125/17 Block 'O' Govind Nagar, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th June 1976

Ref. No. Acq/1085/Kanpur/75-76/683.—Whereas, 1. VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Officer at Kanpur on 24-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. (Plot) 18 Block 'O' Govind Nagar, Kanpur, measuring 213 sq. yds. transferred for an apparent consideration for Rs. 12,780/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 29-6-1976.

Seal :

FORM ITNS-----

- (1) Shri Devi Das Kapoor s/o Sri Jeet Mal Kapoor, 45/62, Gaya Pd. Lane, Kanpur 2. Sri Madho Ram Batham s/o Karta Ram 3. Sri Raja Ram Batham s/o Karta Ram, r/o 133/38, Juhl, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th June 1976

Ref. No. 1086/Acq/Kanpur/75-76/684.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 24-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. (Plot) 24, measuring 353 sq. yds. situated at Block 'O' Govind Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 21,180/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 29-6-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahant Sri Rajendra Pd. s/o Chela of late Mahant Bhai Ram Dass r/o Saint Maur, 16 E.C. Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Panch Sheel Sekkhari Girth Nirman Samiti Ltd, 5, Curzon Road, Dehradun.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 30th June 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. F. No. 989-A/Acq/Dehradun/75-76/685.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 9-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property part of Saint Maur Estate at 16 E.C. Road, Dehradun, measuring 2.47 bighas, transferred for an apparent consideration for Rs. 75,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 30-6-1976,

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th June 1976

Ref. F. No. Acq/1147/Dehradun/75-76/686.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Satpal Samarwal s/o Sri Moti Ram Samarwal r/o 32, Mehar Colony present address 87D Nari Shilp Marg Mandir Mehar Colony Tagore Vila, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Gobind Ram s/o Sri Parma Nand r/o 20-Arhat Bazar, Dehradun. 2. Smt. Parmeshwari Devi w/o Sri Gobind Ram r/o 30-Arhat Bazar, Dehradun.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Double story building (Plot No. 32 New No. 87D measuring 3200 sq. yds. situated at Nari Shilp Mandir Road, Mehra Colony Tagore Vila, Dehradun, transferred for an apparent consideration for Rs. 1,40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 30-6-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dayal Chand Bhatia s/o Sri Chet Ram Bhatia
r/o Krishna Nagar, Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Sushma Kumari Sharma w/o Sri Hari
Mohan r/o Mat Distt., Mathura.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th July 1976

Ref. F. No. 1132/Acq/Mathura/75-76/687.—Whereas, I,
VIJAY BHARGAVA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Mathura on 30-12-75.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
moneys or other assets which have not been or
date of the publication of this notice in the
official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).Immovable property No. 29-B, Krishna Nagar, measuring
600 sq. yds. situated at Krishna Nagar, Mathura, transferred
for an apparent consideration for Rs. 45,000/-.VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 9-7-1976.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Rani Inderjeet Singh (Rani Vina Kumari Inderjeet Singh) r/o H. No. 8-B, Uggar Road, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Major Shri Gajendra Malla s/o Late Shri Barth Malla r/o 8-B, Uggar Road, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th July 1976

Ref. F. No. Acq/1039/Dehradun/75-76/688.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 6-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 8-B, measuring 7250 sq. ft. situated at Uggar Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration for Rs. 55,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 9-7-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th July 1976

Ref. F. No. Acq/1124/Agra/75-76/689.—Whereas, I,
VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 21-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Sushila Gaur w/o Sri Kedar Nath Gaur r/o 3/18, Nagla Dakharan near Subhash Park Civil Lines, Agra.

(Transferor)

- (2) Shri Subhash Chand Gulati s/o Sri Kundan Lal Gulati r/o Heeng Mandi, Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 3/18 Block No. 12 measuring 168 sq. yds. situated at Subhash Park, Mahatma Gandhi Road, Agra, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 8-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sushila Gaur w/o Sri Kedar Nath Gaur, r/o 3/18 Nagla Dakharan near Subhash Park Civil Lines, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Gopal Gulati s/o Sri Kundan Lal Gulati r/o Heeng Ki Mandi, Agra No. 8/350.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th July 1976

Ref. E. No. Acq/1136/Agra/75-76/690.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 31-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (part) bearing No. 3/18 measuring 168 sq. yds. situated at Mahatma Gandhi Road opposite to Subhash Park, Agra, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 9-7-1976.
Seal :